अस्पतालों में महिला मरीजों की यौन सुरक्षा 4
नोरा फतेही ने बिलबोर्ड फीचर के साथ इतिहास रचा 7
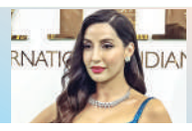
श्वेत क्रान्ति का अगुआ रहेगा उत्तर प्रदेश 8

तिथि-बैशाख, शुक्ल, द्वादशी
सोना - 1,00,105
शेयर मार्केट- 80,334
चांदी- 99,000
निफ्टी- 24,273
अधिकतम -37 °c
न्यूनतम -28 °c

लखनऊ से प्रकाशित एवं उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों से एक साथ प्रचारित

चर्चित राजनीति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

-: सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार पत्र :-

ww.charchitrajnit.com वर्ष - 21 अंक-165 आर.एन.आई. नं.- UPHIN/2004/14385 लखनऊ, शुक्रवार 9 मई, 2025 पृष्ठ-8 मूल्य : दो रुपये

'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद मोदी ने की उच्चस्तरीय बैठक

प्रधानमन्त्री का सुरक्षा, सतर्कता व संवाद पर विशेष जोर, बैठक में विभिन्न मंत्रालयों, विभागों के सचिवों ने लिया हिस्सा

चर्चित राजनीति। ब्यूरो

● सभी प्रकार की उभरती स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं मंत्रालय

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर बृहस्पतिवार को विभिन्न मंत्रालयों के सचिवों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और निरंतर सतर्कता तथा स्पष्ट संवाद बनाए रखने का आह्वान किया। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा और परिचालन तैयारियों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान जिन मुद्दों पर चर्चा की गई उनमें नागरिक सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना, गलत सूचना और फर्जी खबरों से निपटने के प्रयास और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा सुनिश्चित करना शामिल था।

मंत्रालयों को राज्य प्राधिकारियों और जमीनी स्तर के संस्थानों के साथ निकट समन्वय बनाए रखने की भी सलाह दी गई। उच्च स्तरीय बैठक में भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिवों ने भाग लिया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित हाल के घटनाक्रम के मद्देनजर राष्ट्रीय स्तर पर तैयारियों और अंतर-मंत्रालयी समन्वय की समीक्षा की गई। बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री मोदी ने परिचालन निरंतरता और संस्थागत तालमेल के लिए मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच निर्बाध समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया। इसमें कहा गया है, देश के संवेदनशील दौर से गुजरने के मद्देनजर प्रधानमंत्री ने निरंतर सतर्कता, संस्थागत तालमेल और स्पष्ट संचार का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा, परिचालन तैयारियों और नागरिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। यह बैठक भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर मिसाइल हमले करने के एक दिन बाद हुई। हमले में जैश-ए-मोहम्मद के गढ़ बहावलपुर और लश्कर-ए-तैयबा के अड्डे मुरीदके को निशाना बनाया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों द्वारा 26 नागरिकों की हत्या के लगभग दो सप्ताह बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत सैन्य हमले किए गए। बैठक के दौरान मोदी ने वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए मंत्रालयों की योजना और तैयारी की समीक्षा की। बयान में कहा गया है कि सचिवों को अपने-अपने मंत्रालय के कार्यों की व्यापक समीक्षा करने और आवश्यक प्रणालियों के सुचारु संचालन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है, जिसमें तत्परता, आपातकालीन प्रतिक्रिया और आंतरिक संचार प्रोटोकॉल पर विशेष ध्यान दिया जाए। इसमें कहा गया है कि सचिवों ने वर्तमान स्थिति में संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण के साथ अपनी योजना का विवरण दिया। सभी मंत्रालयों ने मौजूदा घटनाक्रम के संबंध में अपनी कार्ययोजनाओं की पहचान कर ली है तथा प्रक्रियाओं को मजबूत बनाया जा रहा है। बयान में कहा गया है कि मंत्रालय सभी प्रकार की उभरती स्थितियों से निपटने के लिए तैयार हैं। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री कार्यालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा रक्षा, गृह, विदेश, सूचना एवं प्रसारण, ऊर्जा, स्वास्थ्य और दूरसंचार सहित प्रमुख मंत्रालयों के सचिवों ने भाग लिया।

सर्वदलीय बैठक में राजनाथ ने कहा-भारतीय एयर स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए, ऑपरेशन सिंदूर जारी : केंद्र सरकार ने गुरुवार को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी देने के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई। इस बैठक की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए पाकिस्तान और पीओके में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की। भारतीय सेना ने बताया कि आतंकियों के इन सभी ठिकानों को ध्वस्त कर दिया गया। सर्वदलीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एयर स्ट्राइक की जानकारी साझा की। सूत्रों के अनुसार, उन्होंने बताया कि ऑपरेशन सिंदूर में 9 आतंकवादी ठिकानों पर सटीक हमला किया गया। करीब 100 आतंकवादी मारे गए। मारे गए आतंकियों की गिनती पर अभी पुख्ता जानकारी नहीं है क्योंकि ऑपरेशन सिंदूर अभी भी जारी है।

ऑपरेशन सिंदूर को 22 अप्रैल को पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले के जवाब में चलाया गया। इस आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की मौत हुई थी, जिसके बाद भारत-पाकिस्तान में तनाव काफी बढ़ गया। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारतीय सेना की सख्त कार्रवाई के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव चरम पर है। राजनाथ सिंह ने सर्वदलीय बैठक में कहा कि हम बात को आगे नहीं बढ़ाना चाहते हैं। लेकिन अगर पाकिस्तान किसी तरह का कोई जवाब देता है तो हम भी पीछे नहीं हटेंगे। 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर सर्वदलीय बैठक के बाद केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा, ष्रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आज सर्वदलीय बैठक बहुत अच्छी से हुई है, जिसमें सभी नेताओं ने गंभीरता से अपनी बात रखी है। सबसे पहले रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी।

इसके बाद सभी ने अपना मत रखा और सुझाव भी दिए। सभी नेताओं ने सेनाओं को बधाई भी दी। सभी ने कहा कि हम एकजुटता से सरकार का साथ देंगे और सेना की हर कार्रवाई में साथ देंगे। मैं सभी नेताओं को धन्यवाद करता हूं और यह सकारात्मक बैठक थी। वहीं, इस बैठक में विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गैरमौजूदगी पर सवाल भी उठाया। हालांकि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक के बाद कहा कि उनकी पार्टी ने सरकार को पूर्ण समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सुझाव दिया कि संसद का विशेष सत्र बुलाकर इस मुद्दे पर चर्चा की जाए, ताकि सांसद अपने विचार रख सकें और इससे जनता का विश्वास बढ़े। हालांकि, सरकार ने इस सुझाव पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। बैठक में ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी और एनसीपी-एसपी नेता सुप्रिया सुले ने बठिंडा में जेट विमान गिरने को लेकर सवाल भी पूछा।

जालंधर, अमृतसर और कपूरथला समेत कई शहरों में नाकाम हुआ पाकिस्तान का हमला : भारतीय वायुसेना और एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान द्वारा भारत के 15 शहरों पर किए गए हवाई हमलों के प्रयास को पूरी तरह से विफल कर दिया है। इस घटना ने एस-400 को भारत का सुदर्शन कवच साबित कर दिया है, जो दुश्मनों के हर हमले को नाकाम करने की क्षमता रखता है। ऑपरेशन सिंदूर-1 में भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों को नष्ट करने के लिए हैमर, स्कैल्प और अन्य सटीक हथियारों का इस्तेमाल किया था। उस ऑपरेशन में भी एस 400 ने भारतीय वायु (शेष पृष्ठ 7 पर)

पाकिस्तानी हमलों के जवाब में भारत ने शुरू की जवाबी कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान की ओर से किए गए सुसाइड ड्रोन और मिसाइल हमलों के जवाब में भारत ने गुरुवार सुबह निर्णायक सैन्य कार्रवाई की। भारतीय रक्षा मंत्रालय ने पुष्टि की है कि पाकिस्तान के कई सामरिक ठिकानों पर मिसाइलें दागी गई हैं, जिनमें एयर डिफेंस रडार, ड्रोन कंट्रोल स्टेशन और लॉजिस्टिक बेस शामिल हैं। यह जवाबी कार्रवाई 'ऑपरेशन सिंदूर' के दूसरे चरण के रूप में देखी जा रही है। रक्षा सूत्रों के अनुसार, इस हमले में भारत ने सटीक निर्देशित मिसाइलों और इजरायली हार्पी ड्रोन्स का इस्तेमाल किया है। हमलों का फोकस पाकिस्तान के लाहौर एयर डिफेंस जोन, सियालकोट मिलिट्री बेस, कराची नौसैनिक संचार केंद्र जैसे महत्वपूर्ण ठिकानों पर रहा। भारत की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि सैन्य ठिकानों पर ही निशाना साधा गया है, नागरिक क्षेत्रों को टारगेट नहीं किया गया। हमले से कुछ घंटे पहले पाकिस्तान के सीमावर्ती इलाकों में मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सेवाएं बाधित कर दी गई थीं, जिससे संकेत मिल रहे थे कि भारत की जवाबी कार्रवाई तय मानी जा रही थी। विदेश मंत्रालय ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि भारत अपनी सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए हर आवश्यक कदम उठाएगा। पाकिस्तान ने जिस प्रकार नागरिक और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, वह युद्धविराम समझौतों का खुला उल्लंघन है। हमारी कार्रवाई (शेष पृष्ठ 7 पर)

संक्षिप्त समाचार

हमारे प्रधानमंत्री ने कौटिल्य के दर्शन को व्यवहार में उतारा है

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने प्राचीन भारत के महान राजनीतिज्ञ, अर्थशास्त्री और रणनीतिकार 'कौटिल्य' के दर्शन को व्यवहार में उतारा है। उन्होंने कहा कि कौटिल्य की विचार प्रक्रिया शासन के प्रत्येक पहलू के लिए एक प्रकार का ग्रंथ है, जिसमें शासन कला, सुरक्षा, राजा की भूमिका, जो अब निर्वाचित व्यक्ति है, सबका वर्णन है। बहुध्रुवीय विश्व में बदलते गठजोड़ रातों-रात बदल जाने वाली अवधारणा, गठबंधन के मामले में भी यही देखा जा सकता है। कौटिल्य ने तभी यह कल्पना कर ली थी कि यह हमेशा परिवर्तनकारी रहेगा। उपराष्ट्रपति ने कौटिल्य को उद्धृत करते हुए कहा कि पड़ोसी देश शत्रु होता है और शत्रु का शत्रु मित्र होता है। यह भारत से बेहतर कौन जानता है? हम हमेशा वैश्विक शांति, विश्व बंधुत्व और विश्व कल्याण में विश्वास करते रहे हैं। उन्होंने नई दिल्ली में इंडिया फाउंडेशन के कौटिल्य फेलो के साथ संवाद करते हुए कहा कि हमारे प्रधानमंत्री एक महान दूरदर्शी नेता हैं, जो वृहद स्तर पर काम करने में विश्वास करते हैं।

पाकिस्तानी संसद में रोते हुए पूर्व मेजर बोले-अल्लाह हमारी हिफाजत करे

नई दिल्ली, एजेंसी। जम्मू व कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत के करारे जवाब से पाकिस्तान में दहशत का माहौल है। वहां के लोग डरे-सहमे नजर आ रहे हैं और दुआ कर रहे हैं कि वे सुरक्षित रहें। इसका उदाहरण पाकिस्तानी संसद से भी सामने आया है, जहां चर्चा के दौरान नेशनल असेंबली के सदस्य और सेना के पूर्व मेजर रो पड़े। पूर्व पाकिस्तानी मेजर ताहिर इकबाल ने नेशनल असेंबली में कहा, ÷हम अपनी कौम से कहते हैं कि सब मिलकर चलो और अपने रब से दुआ करो कि हम सबकी हिफाजत करें। इस मुल्क की रक्षा करें। ताहिर इकबाल ने कहा कि अल्लाह ने चाहा कि पाकिस्तान (शेष पृष्ठ 7 पर)

नया भारत छोड़ता नहीं है, मांद में घुसकर मारता है : मुख्यमंत्री योगी

● योगी ने लोकभवन में 494 सहायक अध्यापक और 49 प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र बांटे

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान पर भारत की कार्रवाई को विकसित भारत की झलक करार देते हुए गुरुवार को कहा कि विकसित भारत में अगर कोई आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करके नागरिकों की सुरक्षा में सेंध लगाता है तो नया भारत उसको छोड़ता नहीं है, उसकी मांद में घुसकर मारता है।

लोकभवन में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित 494 सहायक अध्यापक तथा 49 प्रवक्ताओं को नियुक्ति पत्र वितरण करने के मौके पर उन्होने कहा कि भारत की ताकत का एहसास पूरी दुनिया ने किया है और आने वाले समय में भी दुनिया इसका एहसास करेगी। विकसित भारत में अगर कोई आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करके नागरिकों की सुरक्षा में सेंध लगाता है तो नया भारत उसको छोड़ता नहीं है। उसकी मांद में घुसकर मारता है। मुख्यमंत्री ने 23 राजकीय इंटर कॉलेज में मिनी स्टेडियम का भी शिलान्यास किया। मिनी स्टेडियम की लागत 4.92 करोड़ रुपए है। कार्यक्रम में 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को अटल टिंकरिंग लैब तथा 5 राजकीय माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों को आईसीटी लैब स्थापना के प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। योगी ने सभी नवनियुक्त शिक्षकों से अपील की। दुनिया बदल चुकी है, हमें उसके साथ अपने आप को लेकर चलना होगा। अगर हम उसके साथ चलेंगे, आज की आवश्यकता के अनुरूप अपने युवाओं को तैयार करेंगे तो हमारी प्रासंगिकता बनी रहेगी। अगर हम कहीं भी चूके तो उसका खामियाजा सिर्फ हमारी वर्तमान पीढ़ी को ही नहीं भुगतना पड़ेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ी भी कभी हमें माफ नहीं करेगी। हमें वर्तमान के अभियान का हिस्सा बन करके मजबूती के साथ एक विकसित भारत की आधारशिला अपने विद्यालयों से रखनी है।

उन्होंने कहा कि शिक्षक अपने क्षेत्र में नवाचार, शोध और विकास के अभियान को आगे बढ़ाने के लिए प्रयास करें। शिक्षा के क्षेत्र में वह कौन से परिवर्तन ला सकते हैं, कौन सी तकनीक अपना सकते हैं जो नौजवानों के सामने पहचान का संकट नहीं, बल्कि उज्जवल भविष्य की दिशा तय कर सके। वह इन बातों का अध्ययन करें कि पढ़ाने का तरीका क्या हो सकता है। पाठ्यक्रम उबाऊ न हो, आपकी क्लास उबाऊ ना बने, इसके लिए आपको छोटी-छोटी कथाओं के माध्यम से उन्हें पढ़ाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि चयन की जो प्रक्रिया संपन्न हुई है इसमें (शेष पृष्ठ 7 पर)

यूपी में निवेश और व्यापार का बढ़िया माहौल : सीएम योगी

लखनऊ, चसं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निवेशकों का आह्वान किया कि अपराध मुक्त उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए विश्वस्तरीय इन्फ्राट्रक्चर और सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन (इबजा) के कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए उन्होंने बीते आठ साल में राज्य की अर्थव्यवस्था और कानून व्यवस्था को मजबूत करने में हुई उल्लेखनीय प्रगति की विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने एसोसिएशन से आग्रह किया कि वे उत्तर प्रदेश में जेम्स एंड ज्वैलर्स पार्क की स्थापना के लिए एक विस्तृत रोडमैप तैयार करें। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश में सुरक्षा का बेहतरीन माहौल है। यह अपराध और माफिया मुक्त प्रदेश बन चुका है। उन्होने जेम एंड ज्वैलरी से जुड़े व्यापारियों को आश्वस्त किया कि सरकार हर कदम पर आपके साथ है।

उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल व्यापारिक संभावनाओं को बढ़ावा देगा, बल्कि सरकार के 'आठ साल बेमिसाल अभियान को गति देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। योगी ने जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग की भारत की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि यह क्षेत्र देश की जीडीपी में 7 प्रतिशत का (शेष पृष्ठ 7 पर)

एमईए ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस

चर्चित राजनीति। एजेंसी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के साथ तनाव के बीच विदेश मंत्रालय ने गुरुवार को लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इसमें विदेश सचिव विक्रम मिस्री के साथ कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह मौजूद रहीं। सबसे पहले गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कर्नल सौफिया ने बताया कि पाकिस्तान ने बुधवार की रात भारत में कई स्थानों पर ड्रोन और मिसाइल से हमले का प्रयास किया।

उन्होंने बताया कि भारतीय सशस्त्र बलों ने अवंतिपोरा, श्रीनगर, जम्मू, पठानकोट, अमृतसर, कपूरथला, जालंधर, लुधियाना, आदमपुर, बठिंडा, चंडीगढ़, नाल, फलोदी, उत्तर लाई और भुज पर हमले को नाकाम किया। इन जगहों पर बरामद मलबे से पाकिस्तान हमले की पुष्टि हुई। इसके बाद गुरुवार को भारत ने पाकिस्तान में कई ठिकानों पर वायु रक्षा प्रणाली को निशाना बनाया। भारत के हमले में लाहौर में वायु रक्षा प्रणाली को नाकाम कर दिया गया। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि उकसावा भारत की तरफ से नहीं हो रहा। यह तो पहलगाम के हमले के साथ शुरू हुआ था। उस उकसावे का जवाब भारत ने अपनी कार्रवाई के जरिए दिया है। भारत ने पहले भी स्पष्ट किया है कि टीआरएफ लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा संगठन है। भारत जल्द ही संयुक्त राष्ट्र के एक दल से मिलेगा और अन्य जानकारी सौंपेगा।

सेना प्रमुख ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से की मुलाकात : सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। बताया जा रहा है कि उन्होंने प्रधानमंत्री को ऑपरेशन सिंदूर और अब तक कार्रवाई की जानकारी दी है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान ने गुरुवार रात 8:45 बजे एक बार फिर जम्मू में मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। हालांकि, भारतीय वायु रक्षा प्रणाली ने इसे नाकाम कर दिया।

आईपीएल मैच रद्द

धर्मशाला, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के कारण धर्मशाला में खेला जा रहा पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मुकाबला बीच में रोक गया और कुछ देर बाद ही इस रद्द करने का फैसला किया गया। 9:29 मिनट पर पहले मैदान की फ्लडलाइट बंद की गई थी। इसके बाद मैदान से खिलाड़ियों और दर्शकों को बाहर बजाते देखा गया था। हालांकि, मैच अधिकारियों ने बिना देरी किए मैच को रद्द करने का फैसला किया। धर्मशाला में एहतियातन खिलाड़ियों और अंपायरों को मैदान से बाहर ले जाया गया और फिर फ्लड लाइट्स भी बंद कर दी गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अब मैच को रद्द किया गया है। पंजाब किंग्स ने इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। जिस समय मैच रोका गया उस वक्त पंजाब की बल्लेबाजी चल रही थी और 10.1 ओवरों का खेल हो चुका था।

पंजाब किंग्स इलेवन ने एक विकेट खोकर 122 रन बना चुकी थी। प्रियांश आर्या व प्रभसिमरन सिंह के बीच पहले विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी हुई थी। प्रियांश 34 गेंदों में 70 रन बनाकर आउट हो गए जबकि प्रभसिमरन 50 रन बनाकर नाबाद रहे। टी नटराजन ने पंजाब को पहला झटका दिया। उन्होंने प्रियांश आर्या को अपना शिकार बनाया।

युवा सोचेंगे तभी देश बनेगा : विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने शुरू की 'माइंड मैराथन क्विज' की पहल

डॉ. राजेश्वर सिंह ने युवाओं में मौलिकता व विश्लेषणात्मक शक्ति जगाई

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। युवाओं में सिविल सेवा की तैयारी को प्रोत्साहित करने और उन्हें बौद्धिक स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से, सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने बुधवार को वृंदावन योजना स्थित एल्डिको सौभाग्यम में 'माइंड मैराथन क्विज' का शुभारंभ किया। यह एक अनूठी और विचारोत्तेजक प्रतियोगिता है, जो युवाओं को यूपीएससी और यूपीपीएससी जैसी प्रतिष्ठित परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रेरित करने हेतु शुरू की गई है।

सिर्फ शारीरिक ही नहीं-मानसिक व्यायाम भी करें युवा : इस अवसर पर युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए विधायक ने कहा, ÷यह क्विज सिर्फ स्मृति का परीक्षण नहीं, बल्कि मानसिक सहनशक्ति, जिज्ञासा और रणनीतिक सोच का अभ्यास है। जिस प्रकार मैराथन शरीर को प्रशिक्षित करती है, वैसे ही माइंड मैराथन मस्तिष्क को भविष्य के लिए तैयार करता है। डॉ. सिंह ने बताया कि आधुनिक न्यूरोसाइंस भी यह सिद्ध करता है कि क्विज़ जैसे मस्तिष्कीय खेल न केवल स्मृति को तेज करते हैं, बल्कि तनाव कम करते हैं और आत्मविश्वास बढ़ाते हैं। ऐसी प्रतियोगिता युवाओं को तेजी से निर्णय लेने, दबाव में सोचने और तार्किक क्षमता बढ़ाने में मदद करती है, जो आज के युग की ज़रूरतें हैं।

डॉ. सिंह ने प्रस्तुत किये चौकाने वाले आंकड़े : डॉ. सिंह ने बताया कि भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है, लेकिन केवल 21 प्रतिशत छात्र ही व्यावहारिक ज्ञान के आत्म-विश्वास से लैस हैं, पीआईएसए 2023 के अनुसार, भारत ग्लोबल प्रॉब्लम-सॉल्विंग रैंकिंग में 81 देशों में 72वें स्थान पर है। 56 प्रतिशत भारतीय युवा 21वीं सदी की जरूरी स्किल्स में कमजोर हैं (यूनेस्को)। राष्ट्रीय रोजगार योग्यता रिपोर्ट 2024 में बताया गया कि डिग्री होने के बावजूद भी केवल 46 प्रतिशत ग्रेजुएट्स ही जॉब के लिए उपयुक्त हैं।

समस्या टैलेंट की नहीं, सोच पर आधारित लर्निंग की कमी की है। माइंड मैराथन इस गैप को भरने की कोशिश है।

चार प्रमुख मानसिक चुनौतियों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया : इन्फोर्मेशन ओवरलोड पर इनसाइट की कमीः युवा 6-8 घंटे स्क्रीन पर बिताते हैं, लेकिन 30 मिनट भी आत्म-चालित अध्ययन नहीं करते। अटेंशन स्पैन में गिरावट : वर्ष 2000 में औसतन 12 सेकंड का अटेंशन स्पैन 2023 में घटकर 8 सेकंड रह गया (माइक्रो सॉफ्ट स्टडी)। पढ़ने और सोचने की आदत में गिरावटः 25 प्रतिशत युवा साल में एक किताब भी नहीं पढ़ते।

भीड़ के साथ चलने की प्रवृत्ति : 74 प्रतिशत युवा करियर का चुनाव माता-पिता या समाज के दबाव में करते हैं। विधायक ने कहा लीडर वही बनता है जो सोचता है, नकल नहीं करता। यह प्रतियोगिता मौलिकता को सम्मान देती है। (शेष पृष्ठ 7 पर)

एकेटीयू के 25वें आविर्भाव दिवस पर दिखे विविध रंग

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 25वां आविर्भाव दिवस गुरुवार को मनाया गया। आविर्भाव दिवस पर रंगोली, निबंध प्रतियोगिता सहित परिसर में माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय सहित अन्य अधिकारियों ने पौधरोपण भी किया।

विश्वविद्यालय के 25 सालों की यात्रा पर डाला प्रकाश : आविर्भाव दिवस के मौके पर माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय ने विश्वविद्यालय के 25 वर्षों की इस यात्रा पर प्रकाश डाला। कहा कि सन 2000 में अस्तित्व में आया यह विश्वविद्यालय एक छोटे से हॉल से शुरू हुआ था। पहले सभी कार्य मैनुअल होते थे। विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी मेहनत और लगन से अपनी जिम्मेदारी से इस विश्वविद्यालय को बनाने में लगे रहे। आज जब यह विश्वविद्यालय अपनी नई उंचाईयों को छू रहा है इसमें सबसे ब?ा योगदान यहां के सभी अधिकारियों कर्मचारियों और शिक्षकों का है। शुरुआत में यह विश्वविद्यालय प्रदेश के तकनीकी संस्थानों को सम्बद्धता देने और परीक्षा कराने तक सीमित रहा। लेकिन धीरे-धीरे विश्वविद्यालय ने पूरे प्रदेश में तकनीकी शिक्षा को नये आयाम तक लाने का कार्य किया। कहा कि 25 वर्षों की इस यात्रा के दौरान विश्वविद्यालय ने कई मील के पत्थर छूये। डिजिटाइजेशन अपनाने की बात हो या छात्र हित एकेटीयू हमेशा से आगे रहा। विश्वविद्यालय गुणवत्ता के मानकों पर खरा उतरने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। कहा कि किसी भी विश्वविद्यालय की आत्मा छात्र होते हैं। ऐसे में हम छात्रों के हितों और नई तकनीकी से जोड़ने का हर सम्भव प्रयास करेंगे।

प्रतिकुलपति प्रो0 राजीव कुमार ने कहा कि इस विश्वविद्यालय का नाम पूर्व राष्ट्रपति डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर होने से इसने कई बुलंदियों को छुआ। कहा कि डॉ0 कलाम के नाम को विश्वविद्यालय होने से हमारी जिम्मेदारी भी अधिक है।

● छात्रों ने बनाई रंगोली, निबंध प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

इसलिए हमें अपने दायित्वों को पूरी निष्ठा के साथ निभाना होगा। बताया कि यह विश्वविद्यालय अब नये तेवर और कलेवर में है। प्रदेश का पहला ऐसा विश्वविद्यालय है जिसने छात्रों की डिग्रियां डिजिलॉकर पर रखी।

वित्त अधिकारी केशव सिंह ने भी कहा कि इस विश्वविद्यालय का स्वरूप कई मायनों में अलग है। यहां से पूरे प्रदेश के सात सौ से ज्यादा संस्थानों का नेतृत्व और मार्गदर्शन किया जाता है। ताकि तकनीकी शिक्षा को आगे ब?ाया जा सके। यह विश्वविद्यालय न सिर्फ तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दे रहा है बल्कि सामाजिक दायित्वों को भी पूरा कर रहा है। इस मौके पर परीक्षा नियंत्रक प्रो0 दीपक नगरिया और अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 ओपी सिंह ने भी विचार रखे।

चुनौतियां मुझे पसंद है किताब देकर छात्रों को किया प्रेरित : इस मौके पर विश्वविद्यालय में रंगोली, निबंध प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें छात्रों ने रंगबिरंगी रंगोली बनायी तो निबंध पर अपने विचार रखे। इसमें से प्रथम, द्वितीय और तृतीय आने वाले विजेता छात्रों को माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी की जीवनी पर लिखी किताब जिसका हाल ही में माननीय उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ जी ने विमोचन किया उपहार स्वरूप दी गयी। ताकि छात्र उनके जीवन से प्रेरणा लेकर अपने जीवन को शिखर तक पहुंचा सकें। इस मौके पर माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पाण्डेय ने छात्रों द्वारा विश्वविद्यालय के बनाये प्रथम, द्वितीय और तृतीय लोगो को लांच किया। इसके अलावा पिछले वर्ष खेल सहित अन्य आयोजनों के संकलन पर बनी पत्रिका का भी विमोचन किया। साथ ही परिसर में आम, आंवला, जामुन सहित अन्य फलदार पौधे रोपे गये। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 अनुज कुमार शर्मा ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित रहे।

भ्रूण को कुत्तों ने नोंचा, व्यापारी ने कब्रिस्तान में दफनाया

लखनऊ, चसं। लखनऊ में बंथरा क्षेत्र के हरौनी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के पास एक महिला का मिसकैरेज हुआ। परिजन भ्रूण को कूड़ेदान में छोड़कर चले गए। गुरुवार सुबह एक कुत्ता भ्रूण को विवेक कश्यप के घर के सामने छोड़ गया। कश्यप ने भ्रूण को स्वास्थ्य केंद्र के गेट पर रख दिया। किसी ने इस घटना का वीडियो बना लिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो देखकर लतीफ नगर के कपड़ा व्यवसायी इलियास मौके पर पहुंचे।

उन्होंने भ्रूण को कब्रिस्तान में दफना दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि इलियास की पत्नी सीमा को बुधवार को पेट में दर्द हुआ था। वह ई-रिक्शा से स्वास्थ्य केंद्र जा रही थीं। रास्ते में ही मिसकैरेज हो गया।

पुलिस ने कब्रिस्तान में दफनाए गए भ्रूण की जांच की। पुष्टि के बाद उसे वहीं रहने दिया गया। इलियास के मुताबिक करीब 5 महीने का यह भ्रूण था। उन्होंने बताया कि इससे पहले भी उनकी पत्नी के दो बार मिसकेरेज हो चुका है।

राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार के लिये प्रचार वाहन रवाना

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार आगामी 10 मई को जनपद लखनऊ में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा।

इस संबंध में जनमानस को जागरूक करने और व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज सुबह 10 बजे जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्रचार वाहन को पुराने उच्च न्यायालय परिसर कैसरबाग लखनऊ से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। कार्यक्रम में विशेष न्यायाधीश, सीबीआई सेन्ट्रल एवं नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत रवीन्द्र कुमार द्विवेदी तथा सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ सहित समस्त न्यायिक अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। प्रचार वाहन के माध्यम से आम नागरिकों को राष्ट्रीय लोक अदालत की तिथि, महत्व एवं लाभों की जानकारी जनपद के विभिन्न क्षेत्रों में प्रसारित की जाएगी, जिससे अधिक से अधिक वादकारी गण अपने प्रकरणों का समाधान इस लोक अदालत में प्राप्त कर सकें।

श्रीकृष्ण राधा का प्रेम अमर है : कृष्ण कुमार द्विवेदी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

शिवगढ़,रायबरेली। क्षेत्र के नेमुलापुर मजरे कुम्भी में चल रही 7 दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के सातवें दिन गुरुवार को कथा व्यास कृष्ण कुमार द्विवेदी जी महराज ने श्री कृष्ण-राधा के पवित्र प्रेम की कथा सुनाई, श्रीकृष्ण-राधा के निस्वार्थ, निश्छल प्रेम की कथा सुन श्रोता भाव विभोर हो गए।

कथा वक्ता ने एक प्रसंग के माध्यम से श्री कृष्ण-राधा जी के पवित्र प्रेम की कथा सुनाते हुए कहा कि श्री कृष्ण और राधा का प्रेम निस्वार्थ, आध्यात्मिक, और अमर था, उनका प्रेम शारीरिक नहीं था, भक्ति का एक शुद्ध रूप था। राधा और कृष्ण के प्रेम में धैर्य, त्याग की शक्ति थी। उन्होंने बताया कि एक दिन रुक्मणी ने श्री कृष्ण को चम्मच से खीर खिलाई तो खीर ज्यादा गरम होने के कारण श्री कृष्ण के मुंह में लगा और उनके श्रीमुख से निकला- हे राधे ! जिससे रुक्मणी दुखी हुई जिसके बाद रुक्म?ी ने दूसरा चम्मच खीर खिलाई तो श्री कृष्णा के मुंह से फिर निकला हे राधे ! यह सुनते ही रुक्मणी बोलीं- प्रभु ! ऐसा क्या है राधा जी में, जो आपकी हर सांस पर उनका ही नाम होता है ? मैं भी तो आपसे अपार प्रेम करती हूं... फिर भी, आप हमें नहीं पुकारते ! श्री कृष्ण ने कहा -देवी ! आप कभी राधा से मिली हैं? और मंद मंद मुस्काने लगे। अगले दिन रुक्मणी श्रीकृष्ण जी के साथ राधाजी से मिलने उनके महल में पहुंचीं तो राधा जी के महल के पहले द्वार पर अत्यंत खूबसूरत स्त्री बैठी थी जिसके मुख पर तेज होने कारण रुक्मिणी ने सोंचा कि यही राधी हैं रुक्मणी ने पूछा क्या आप ही राधा हो तब वो बोली- मैं तो राधा जी की दासी हूं। रुक्मणी अगले द्वार पर पहुंची जहां उससे खूबसूरत, रूपवान स्त्री बैठी थी रुक्मणी ने पूछा क्या आप ही राधा हो उसने उत्तर दिया नही मैं राधा जी की दासी हूं। इसी तरह सातों द्वारों पर रुक्मणी को एक से खूबसूरत श्रृंगार किए, रूपवान स्त्रियां बैठे मिली, रुक्मणी यही सोच रही थी कि अगर उनकी दासियां इतनी रूपवान हैं... तो, राधारानी स्वयं कितनी सुन्दर होंगी ? सोचते हुए राधाजी के कक्ष में पहुंचीं... कक्ष में राधा जी को देखा- अत्यंत रूपवान तेजस्वी जिसका मुख सूर्य से भी तेज चमक रहा था। रुक्मणी सहसा ही उनके चरणों में गिर पड़ीं... पर, ये क्या राधा जी ने इशारे से रुक्मणी का अभिवादन और श्री कृष्णा को प्रणाम किया। रुक्मणी ने श्री कृष्ण से पूछा राधा जी बोल क्यों नहीं रही तो श्री कृष्णा ने रुक्मणी को बताया राधा बोल नहीं सकती राधा जी के मुंह और गले में छाले पड़े हैं कल आपने हमें जो खीर खिलाई थी वह बहुत ज्यादा गर्म थी मैंने खीर तो खा ली किंतु उससे राधा का मुंह जल गया जिससे राधा जी के मुंह में गले में छाले ही छाले हैं।

चार लाख लापता उपभोक्ता हर माह खा रहे 21 हजार क्विंटल राशन

रायबरेली, चसं। पांच महीनों से राशन कार्डों में शामिल सभी यूनिटों की ई केवाईसी कराने का काम चल रहा है, लेकिन हर माह 4.24 लाख उपभोक्ता 21 हजार क्विंटल राशन मुफ्त खा रहे हैं। इतना ही नहीं ई केवाईसी न करवाकर वे खुद की पहचान कराने से भी बच रहे हैं।अब संबंधित यूनिटों का राशन रोकने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। जिले में पात्र गृहस्थी और अंत्योदय कार्डों में 22,31,851 यूनिटें शामिल हैं। इसमें अब तक 1807590 यूनिटों की ई केवाईसी का काम पूरा हो चुका है। 424261 यूनिटों की ई केवाईसी का काम बाकी है। यह काम पिछले छह माह से चल रहा है, लेकिन राान लेने वाले इन उपभोक्ताओं की ई केवाईसी का काम विभाग करा पाने में नाकाम हैं।

बताते हैं कि राशन लेने वाले ये उपभोक्ता अपात्र होने के बाद भी राशन ले रहे हैं। इसी कारण ई केवाईसी नहीं करा रहे हैं। ऐसा कराने पर उनके नाम राशन कार्डों से कट भी सकते हैं। विभाग ने राशन की कालाबाजारी को रोकने के लिए बायोमेट्रिक तरीके से राशन वितरण शुरू कराया है। व्यवस्था यह है कि राशन कार्डों में शामिल एक भी यूनिट की ई केवाईसी है तो बायोमेट्रिक से सभी यूनिटों का राशन मिल जाता है। इसी कारण ई केवाईसी कराने में सुस्ती बरती जा रही है।

सत्यापन के लिए करानी होगी ई-केवाईसी : राशन कार्ड में जितने भी सदस्य हैं, उन सभी की ई केवाईसी करानी होगी। इसके लिए प्रत्येक सदस्य को अपना राशन कार्ड लेकर सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान पर पहुंचना होगा। राशन डीलर पॉस मशीन से सदस्य के हाथ का अंगूठा लेकर ई केवाईसी करेगा। मोबाइल पर मेसेज भी आएगा। ई केवाईसी कराने के बाद ही इसकी पुष्टि होगी कि जिस उपभोक्ता का नाम कार्ड में है, वही राशन प्राप्त कर रहा है। इसके अलावा कुछ उपभोक्ताओं के अंगूठों के निशान सत्यापित नहीं हो पा रहे हैं।

चार लाख से अधिक यूनिटों की ई केवाईसी बाकी है। इसके लिए सभी आपूर्ति निरीक्षकों को निर्देशित किया गया है। समय से जिन यूनिटों की ई केवाईसी नहीं होगी, उनका राशन रोका जाएगा- विमल कुमार शुक्ला, जिलापूर्ति अधिकारी।

अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवाओं को कम्प्यूटर प्रशिक्षण की समय-सीमा निर्धारित

लखनऊ, चसं। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अन्य पिछड़े वर्ग के बेरोजगार युवक-युवतियों को 'ओ' लेवल एवं 'सीसीसी' कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान कराने हेतु विभागीय योजना का क्रियान्वयन नियत समय-सारिणी के अनुसार किया जाएगा। इच्छुक अभ्यर्थी एवं प्रशिक्षणदायी संस्थाएं विभागीय पोर्टल https://obccomputertraining.upsdc.gov.in अथवा विभाग की वेबसाइट https://backwardwelfareup.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। योजना के पोर्टल पर विस्तृत दिशा-निर्देश एवं आवश्यक जानकारी प्रदर्शित कर दी गई है। योजना के अंतर्गत केवल भारत सरकार की अधिकृत संस्था नीलिट (राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान) से मान्यता प्राप्त संस्थाओं के माध्यम से प्रशिक्षण कराया जाएगा। निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण डॉ. वंदना वर्मा ने बताया कि आवेदन की हार्डकॉपी तथा वांछित अभिलेखों की प्रति संस्थाओं को 27 मई 2025 की सायं 5 बजे तक एवं अभ्यर्थियों को 10 जुलाई 2025 की सायं 5 बजे तक अनिवार्य रूप से सम्बन्धित जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कार्यालय में उपलब्ध करानी होगी। उन्होंने बताया कि संस्थाओं एवं अभ्यर्थियों के चयन की प्रक्रिया पारदर्शिता के साथ पूरी की जाएगी। संस्थाओं का परीक्षण निदेशक की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समिति द्वारा तथा अभ्यर्थियों का चयन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। मंत्री नरेंद्र कश्यप ने प्रदेश के अन्य पिछड़े वर्ग के युवाओं से अपील की है कि इस योजना का अधिकाधिक लाभ उठाएं और निर्धारित तिथियों के भीतर आवेदन अवश्य करें, ताकि उन्हें तकनीकी कौशल विकास का अवसर मिल सके।

श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन पूरे गुलाब सिंह गांव में

रायबरेली, चसं। जिले के हरचंदपुर क्षेत्र स्थित पूरे गुलाब सिंह गांव में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया जाएगा। आयोजक प्रशांत सिंह भोले के अनुसार, 11 मई को कलश यात्रा निकाली जाएगी। यह यात्रा क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों का भ्रमण करते हुए भागवत कथा स्थल पर समाप्त होगी। 12 मई से वृन्दावन धाम के योगेंद्र कृष्ण शास्त्री श्रीमद्भागवत कथा का प्रवचन करेंगे। कथा प्रवचन शाम 6 बजे से रात 10 बजे तक चलेगा। कार्यक्रम की तैयारियों में रामचंद्र मिश्रा, वीरेंद्र सिंह, दीपू सिंह, अजय सिंह, जितेंद्र सिंह, राम मिश्रा, भोला, गोलू, दिनेश सिंह, गौरव, आशू मिश्रा, पन्ना सिंह, मोगा सिंह और आशु सिंह सहित कई लोग सहयोग कर रहे हैं।

प्रबंध निदेशक से वार्ता फेल, भूख हड़ताल जारी रहेगी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में 30 प्रतिशत संविदा कर्मचारियों की छंटनी के विरोध में अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल आज दूसरे दिन भी जारी रही। प्रबंध निदेशक मध्यांचल से शाम 5 बजे पुनीत राय प्रभारी एवं मध्यांचल अध्यक्ष अशोक पाल से वार्ता हुई जिसमें प्रबंध निदेशक द्वारा साफकहा गया कि जो लोग हटाए गए हैं उन्हें वापस नहीं लिया जाएगा।

वरिष्ठ मजदूर नेता आर एस राय द्वारा प्रबंधन के हठवादी और मजदूर विरोधी रवैये की तीखी आलोचना की गई है। प्रभारी पुनीत राय ने बताया कि उनके द्वारा की जा रही अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ए के शर्मा जी से आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का उत्पीडन रोकने की माँग की है। राष्ट्रीय अध्यक्ष, विद्युत कर्मचारी मोर्चा संगठन चन्द्र प्रकाश अवस्थी उर्फबब्बू ने अनशन स्थल पर पहुंचकर समर्थन दिया और संघर्षरत कर्मचारियों को संबोधित किया। उन्होंने संगठन की ओर से हरसंभव सहयोग का आश्वासन भी दिया।महंत दीप केश्वरानंद ने भी आन्दोलन को समर्थन दिया।

मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पांडे ने बताया कि कल, दिनांक 09 मई 2025, को संगठन के सदस्यों द्वारा काला फीता बांधकर प्रान्तीय प्रभारी पुनीत राय द्वारा की जा रही भूख हडताल का समर्थन किया जाएगा। उन्होंने कहा यदि संविदा कर्मियों की अवैध छंटनी को तत्काल वापस नहीं लिया गया, तो यह आंदोलन और अधिक उग्र रूप लेगा, जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी निगम प्रबंधन की होगी।

निजीकरण से शिक्षा हुई महंगी, रोजगार के घटे अवसर, अखिलेश यादव ने भाजपा पर बोला हमला : समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अनुपयोगी सरकार के निजीकरण के प्रयासों का नतीजा है कि न सिर्फशिक्षा महंगी हुयी है बल्कि रोजगार के अवसर कम हुये है। समाजवादी छात्र सभा की एक बैठक को संबोधित करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि सस्ती शिक्षा और रोजगार देने के वादे के साथ सत्ता में आई भाजपा सरकार ने निजीकरण कर न सिर्फशिक्षा को महंगा कर दिया बल्कि नौकरी और रोजगार पर भी गंभीर संकट खड़ा हो गया। प्रतियोगी परीक्षाओं में आये दिन धांधली की चलते परीक्षायें निरस्त हो रही हैं जिससे मेधावी छात्रों खुद को ठगा महसूस कर रहे हैं। उन्होने कहा कि 2027 का चुनाव योगी बनाम प्रतियोगी के बीच लड़ा जायेगा जिसमें युवाओं और छात्रों की भूमिका अहम होगी। उन्होने कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। पूरे देश में उत्तर प्रदेश साइबर अपराध के मामले में नंबर एक पर है। डाक्टर, आईएएस, आईपीएस समेत समाज का कोई वर्ग साइबर अपराध से नहीं बच रहा है। इन गंभीर हालत में भी सरकार हाथ पर हाथ धरे बैठी है। सरकारी अस्पतालों में इलाज का सर्वथा अभाव है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र गोरखपुर में एम्स तो है, मगर वहां के मरीज भी लखनऊ इलाज कराने आ रहे हैं। इससे पता चलता है कि राज्य में चिकित्सा व्यवस्था किस हद तक बदतर हो चुकी है। पीलीभीत,बहराइच और बस्ती समेत अन्य सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध अतिक्रमण को ढहाने पर ऐतराज जताते हुये उन्होने कहा कि इस प्रक्रिया से गरीब मजलूम प्रभावित हो रहे हैं। जो विकास प्रदेश को विनाश की तरफ ले जाये,उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता मगर कुछ लोगों के हाथ में विनाश की रेखा ही छपी है। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 विधानसभा चुनाव के मद्देनजर समाजवादी छात्र सभा के कार्यकर्ता गांव बूथ का दौरा करेंगे और उन्हे सरकार विरोध कार्यकलापों के अलावा पीडीए की ताकत से रुबरु करायेंगे।

वित्तीय वर्ष में निजीकरण भूल जाए पावर कारपोरेशन,जल्द शुरू होगी दरों पर सुनवाई : प्रदेश की सभी बिजली कंपनियों की वार्षिक राजस्व आवश्यकता ए आर आर वर्ष 2025-26 को मल्टी ईयर टैरिफ रेगुलेशन 2025 के तहत प्रदेश की सभी बिजली कंपनियां मध्यांचल पूर्वांचल दक्षिणांचल पश्चिमांचल किसको द्वारा नए प्रारूप में दाखिल कर दिया गया। अंततः कल विद्युत नियामक आयोग में इससे संबंधित तकनीकी सत्यापन सत्र की मीटिंग भी हो गई। अब जल्द ही विद्युत नियामक आयोग वार्षिक राजस्व आवश्यकता को स्वीकार करने के साथ ही बिजली दरों की सुनवाई को प्रारंभ करेगी। इस बार सभी बिजली कंपनियों का जो वार्षिक राजस्व आवश्यकता लगभग1 लाख 10000 करोड़ के करीब का है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा अब प्रदेश की बिजली कंपनियां जो निजीकरण के लिए परेशान है। लेकिन अब वर्ष 2025 - 26 यानी कि 31 मार्च 2026 तक निजीकरण नहीं कर सकती। कल विद्युत नियामक आयोग में टीवीएस की मीटिंग पावर कारपोरेशन के साथ हो गई है। किसी भी मल्टी ईयर टैरिफके नए प्रारूप में विद्युत नियामक आयोग को बिजली कंपनियों ने यह नहीं बताया कि दक्षिणांचल और पूर्वांचल का निजीकरण किया जा रहा है। ऐसे में अब मार्च 2026 तक विद्युत अधिनियम 2003 के प्रावधानों के तहत कानूनन निजीकरण नहीं किया जा सकता। उपभोक्ता परिषद को पहले ही पता था कि पावर कॉरपोरेशन असंवैधानिक रूप से नियुक्त कंसल्टेंट की मीटिंग क्यों विद्युत नियामक आयोग से करना चाहता है लेकिन उसे कामयाब नहीं होने दिया।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा दक्षिणांचल व पूर्वाचल द्वारा विद्युत नियामक आयोग को यह अवगत कराया जा चुका है कि उनके द्वारा वर्ष 2025-26 के लिए अपना व्यवसाय किया जाएगा। उसी के तहत पूर्वांचल विद्युत वितरण कंपनी ने अपना कुल वार्षिक राजस्व आवश्यकता रुपया 28120 करोड़ और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम ने अपना कुल वार्षिक राजस्व आवश्यकता 23009 करोड़ दाखिल किया गया है। ऐसे में बीच में इसका निजीकरण अब नहीं हो सकता क्योंकि सभी बिजली कंपनियों ने आयोग को यह शपथ पत्र दे दिया है कि इसका लेखा-जोख क्या है। अब उसके आधार पर विद्युत नियामक आयोग द्वारा वार्षिक राजस्व आवश्यकता स्वीकार किए जाने के बाद बिजली दर की सुनवाई सभी बिजली कंपनियों में शुरू हो जाएगी। ज्ञात हो कि बहुत ही चालाकी से टीवीएस की मीटिंग होने के पहले पावर कारपोरेशन ने असंवैधानिक रूप से नियुक्त अपने कंसलटेंट ग्रांट थ्रोनटन की विद्युत नियामक आयोग के साथ मीटिंग तय कराई थी। मीटिंग 2 मई को होनी भी थी। लेकिन विद्युत उपभोक्ता परिषद की तरफ से सुप्रीम कोर्ट की एक आदेश का सहारा लेकर विद्युत नियामक आयोग में एक आपत्ति प्रस्ताव दाखिल किया गया। अंततः विद्युत नियामक आयोग ने मीटिंग करने से मना कर दिया। उपभोक्ता परिषद की लामबंदी काम आई उसे पहले से ही अंदाजा था कि यह सब क्यों किया जा रहा है।

निजीकरण के विरोध में सातवें दिन क्रमिक अनशन : विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति, उप्र के आह्वान पर 2 मई से प्रारंभ हुआ क्रमिक अनशन का कार्यक्रम आज सातवें दिन भी जारी रहा। विस्तारित कार्यकाल पूरा हो जाने के बावजूद निधि नारंग का निदेशक वित्त के कमरे में बैठकर निजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का आरोप लगाते हुए संघर्ष समिति ने निधि नारंग पर एफआई आर दर्ज करने की मांग की है। आज निजीकरण के विरोध में प्रदेश के समस्त जनपदों और परियोजनाओं पर विरोध प्रदर्शन किए गए।

संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने निधि नारंग पर आरोप लगाया है कि वे विस्तारित कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद भी निदेशक वित्त के कमरे में अनधिकृत रूप से बैठ रहे हैं और निजीकरण की प्रक्रिया को आगे बढ़ा रहे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि निधि नारंग अवैध ढंग से नियुक्त किए गए ट्रांजैक्शन कंसलटेंट का झूठा शपथ पत्र देने का मामला दबाए हुए हैं और पॉवर कारपोरेशन के चेयरमैन के साथ मिलकर कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्टन की फर्जीवाडा की फाइल ठंडे बस्ते में डालने में लगे हैं। संघर्ष समिति ने कहा कि कार्यकाल पूरा हो जाने के बाद निदेशक वित्त के कमरे में बैठकर फाइलें देखना और समस्त गोपनीय दस्तावेज ट्रांजैक्शन कंसलटेंट ग्रांट थॉर्टन को ट्रांसफर करना बहुत ही गंभीर घटना है। संघर्ष समिति ने कहा कि बिजली के निजीकरण के पीछे इतना बड़ा घोटाला और भ्रष्टाचार हो रहा है और आश्चर्य की बात है कि प्रदेश के विद्युत मंत्री श्री अरविंद कुमार शर्मा चुप्पी साथी बैठे हैं। संघर्ष समिति ने निजीकरण की सारी प्रक्रिया तुरंत रद्द करने की मांग की है और कहा है कि अवैध ढंग से निदेशक वित्त के कमरे में बैठकर दस्तावेज देखने और कंसल्टेंट को दस्तावेज ट्रांसफर करने के अपराध में निधि नारंग पर तत्काल एफआई आर दर्ज की जाए।

संक्षिप्त समाचार

अस्पतालों में डॉक्टरों की छुट्टियों पर रोक

रायबरेली, चसं। जिले में किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए बुधवार को सीएमओ डॉ. नवीनचंद्रा ने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मियों को छुट्टी देने पर रोक लगा दी है। सीएचसी स्तर पर 24 घंटे इमरजेंसी सेवा शुरू रखने के साथ ही चिकित्सकों व पर्याप्त स्टाफ की तैनाती के आदेश दिए। उन्होंने डॉक्टरों व स्टाफ को मुख्यालय न छोड़ने के आदेश दिए। सीएमओ ने सभी अधीक्षकों को पत्र जारी करके आपात स्थिति को देखते हुए अलर्ट जारी कर दिया है। सीएमओ ने कहा कि बिना उचित कारण बताए कोई भी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। इमरजेंसी में चिकित्सकों, पैरा स्टॉफ आदि को तैनात रखा जाए। सीएचसी अधीक्षक एंबुलेंस सेवा के जिला समन्वयक से संपर्क बनाए रखें। सीएचसी में भर्ती होने वाले मरीजों को जरूरी होने पर ही रेफर करने के आदेश दिए। सीएमओ डॉ. नवीनचंद्रा ने बताया कि सभी सीएचसी अधीक्षक रोजाना सीएचसी में इलाज की स्थिति के संबंध में शाम को रिपोर्ट उपलब्ध कराएंगे। ग्रामीण अस्पताल पर मरीजों को आकस्मिक सुविधा उपलब्ध कराने की पूरी तैयारी कर ली गई है। अधीक्षकों को अस्पतालों में पर्याप्त दवाओं के बंदोबस्त रखने के निर्देश दिए गए हैं।

सो रहे पति पर पत्नी ने कढ़ाई में खौलता तेल उड़ेल दिया, वारदात के बाद हुई फरार

रायबरेली, चसं। शिवगढ़ थाना क्षेत्र में किसी बात से नाराज होकर पत्नी ने पति के चेहरे पर खौलता हुआ तेल उड़ेल दिया। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। शिवगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव निहाल खेड़ा मजरे सूरजपुर गांव में पति पर पत्नी ने खौलता तेल डाल दिया। घटना में युवक का चेहरा गंभीर रूप से झुलस गया। वहीं, महिला कहीं चली गई है। युवक को गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गांव निवासी सज्जन पासी (32) पुत्र पुत्तीलाल की मां रामरानी ने बहू रामावती पर आरोप लगाया है कि उनका बेटा सज्जन नींद में था तभी उसके चेहरे पर सरसों का खौलता हुआ गर्म तेल रामावती ने डाल दिया। परिजनों ने उसे थाने पहुंचाया वहां से पुलिस ने तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ पहुंचाया जहां पर प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टर ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार पति-पत्नी में अक्सर विवाद हुआ करता था। सज्जन का विवाह लगभग दस वर्ष पहले बाराबंकी जनपद के पांडेय की सरांय थाना लोनीकटरा से हुआ था। थाना अध्यक्ष विंध्य विनय ने बताया कि सज्जन की तहरीर के आधार पर पत्नी रामावती पर संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर अग्रिम विधि कार्रवाई की जा रही है।

संदिग्ध डीसीएम पकड़ा, 74 मवेशी बरामद

रायबरेली, चसं। सरेनी थाना क्षेत्र अंतर्गत पुलिस ने एक संदिग्ध डीसीएम पकड़ा है, जिसमें 74 मवेशी बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि मवेशियों को गौशाला में भेजकर जांच जारी कर दिया है।

डीसीएम ने युवक को रौंदा, मौत

रायबरेली, चसं। बछरावां थाना क्षेत्र अंतर्गत सुरौरा में बाइक सवार धीरज निगोहा लखनऊ को डीसीएम ने रौंद दिया। जिसमें युवक की मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है। डीसीएम को कब्जे मेंलेकर चालक की तलाश जारी है।

मनिका के पास मार्ग धंसी

रायबरेली, चसं। शहर के अंतर्गत मनिका के पास अमृत योजना से बनी मार्ग एकाएक धंस गई। जिसके कारण मार्ग का आवागमन प्रभावित हुआ है।

संविदा लाइनमैन की मौत, लगे गंभीर आरोप

रायबरेली, चसं। नसीराबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत संविदा लाइनमैन शिवप्रसाद निवासी परैया की विद्युत फाल्ट दुरूस्त करते दौरान करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक के परिजन ने विभाग के अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाया है।थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया है।

जहरीला पदार्थ खाने से किशोर गंभीर

रायबरेली, चसं। हरचंदपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांव पारा निवासी सतीश कुमार संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया।जिसकी हालत गंभीर होने पर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

मारपीट में दो घायल

रायबरेली, चसं। मिलएरिया थाना क्षेत्र अंतर्गत रुस्तमपुर निवासी अमिर प्रकाश व अजय निवासी देदौर को मामूली विवाद में मारपीट करके घायल कर दिया गया है। जिनको सीएचसी में भर्ती कराया गया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि तहरीर के अनुसार कार्रवाई किया जा रहा है।

युवक ने खाया ज़हर, गंभीर

रायबरेली, चसं। जिला अस्पताल रायबरेली में लालमणि निवासी जोशवरपुर जिला अमेठी को जहर खाने के बाद भर्ती कराया गया है। सीओ ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

अवैध गांजा के साथ तीन गिरफ्तार

रायबरेली, चसं। ऊंचाहार थाना क्षेत्र अंतर्गत तीन गांजा तस्करी करने में पकड़ा है। जिसमें कंधई लाल गांव बहेरवा, गांव खोजकलापुर निवासी भारत लाल व आंसू यादव को तीन किलो छह सौ ग्राम अवैध गांजा व 14,800 रूपए नगदी बरामद किया है। थाना प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि केस दर्ज कर जेल भेजा गया है।

आग से लाखों की सामग्री नष्ट

रायबरेली, चसं। मुंशीगंज कस्बे में इलैक्ट्रिक की दुकान पर आग एकाएक लग गई। जिससे उसमें रखा लाखों की सामग्री जलकर नष्ट हो गई है। पीड़ति ने पुलिस को सूचना दी है।

विद्युत कटौती जारी

रायबरेली, चसं। विद्युत कटौती जारी है।जिसको लेकर नगर से लेकर ग्रामीण इलाकों में लोगों को परेशानी हो रही है। जिससे निजात दिलाने में जिम्मेदार नापाक साबित हो रहें हैं। एक्सईएन ने बताया कि जांच करवाया जा रहा है।

पत्नी ने पति पर डाला खौलता तेल, पति झुलसा हालत गम्भीर

शिवगढ़ (रायबरेली), चसं। थाना क्षेत्र के निहाल खेड़ा मजरे सूरजपुर में पत्नी ने पति के ऊपर खौलता कडवा तेल डालकर जानलेवा हमला किया जिससे हड़कम्प मच गया। पीड़ित पति का जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। बुधवार को थाना क्षेत्र के निहाल खेड़ा मजरे सूरजपुर में पति पत्नी के बीच कहासुनी इतनी बढ़ गई कि पत्नी रामावती ने पति सज्जन पासी के ऊपर खौलता हुआ सरसों का तेल डाल दिया। जिसमें सज्जन पासी बुरी तरह से झुलस गया। जिसे परिजनो द्वारा आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शिवगढ़ पहुंचाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने युवक की हालत गम्भीर देखते हुए प्राथमिक उपचार के पश्चातात युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवगढ़ से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। पीड़ित पति की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी पत्नी के विरुद्ध सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्जकर लिया लिया है। शिवगढ़ थानाप्रभारी विंध्य विनय ने बताया कि पति की तहरीर पर पत्नी रामावती के विरुद्ध सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कर लिया गया मामले में जांच पड़ताल की जा रही है।

बंदरों के आतंक से ग्रामीणों में दहशत

हरचंदपुर रायबरेली, चसं। क्षेत्र के प्यारेपुर में इस समय बंदरों का आतंक इस तरह व्याप्त है कि ग्रामीण सदमे में आ गए हैं बंदरों ने एक के बाद एक लगभग 30 लोगों को निशाना बनाया है बंदरों के हमले से लोग लगातार घायल हो रहे हैं लेकिन इस ओर किसी भी प्रशासन का ध्यान नहीं जा रहा है कई बार इसकी शिकायतें की गई लेकिन हर अधिकारी अपना पल्ला झाड़ता हुआ नजर आ रहा। दरअसल पूरा मामला क्षेत्र के प्यारेपुर गांव का है जहां पर एक के बाद एक लगभग 30 लोगों को बंदरों ने घायल कर दिया है गांव के रहने वाले संजू पुत्र राम आसरे, अनूप कुमार पुत्र रामनरेश, हरिश्चंद्र पुत्र राम रतन सहित लगभग गांव के तीन दर्जन लोग अब तक घायल हो चुके हैं ग्रामीणों ने इसकी कई बार अधिकारी और प्रशासन को सूचना दी लेकिन सभी अपना-अपना पल्ला झाड़ते नजर आए फिलहाल पूरा गांव बंदरों के आतंक से दहशत में आ गया हैं आज फिर गांव के हरिश्चंद्र पुत्र राम रतन अपने घर के बाहर बैठे थे तभी बंदरो ने उन पर हमला बोल दिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया जिन्हें आनन फानन नजदीकी अस्पताल भिजवाया गया जहां उनका इलाज किया गया।

वृद्ध और विपन्न लोक कलाकारों की पेंशन हुई दोगुनी

कलाकारों के लिए कलाकार कल्याण बीमा योजना शुरू होगी : जयवीर सिंह

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने संस्कृति विभाग की आज पर्यटन भवन में समीक्षा कर अधिकारियों को निर्देश दिया कि लोक कलाकारों के लिए कलाकार कल्याण बीमा योजना शुरू की जाए। कलाकारों के पंजीकरण से लेकर कार्यक्रम आवंटित एवं भुगतान किये जाने तक की सम्पूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी बनायी जाये। किसी भी कलाकार को कार्यक्रम आवंटित करते समय इस संबंध में जारी शासनादेश का 100 फीसदी पालन सुनिश्चित किया जाए।

कार्यक्रमों के आवंटन में भेदभाव पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफएफआईआर दर्ज कराकर जेल भेजा जायेगा। उन्होंने वृद्ध कलाकारों की मासिक पेंशन 2000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 4000 रुपये किये जाने के निर्देश दिए।जयवीर सिंह ने संस्कृति विभाग की गहन समीक्षा करते हुए कई प्रकरणों में स्थापित प्रक्रिया का पालन न किये जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने भविष्य में ऐसा न किये जाने के लिए चेतावनी भी दी। पेंशन पाने के योग्य वृद्ध कलाकारों की तालाश हेतु विज्ञापन निकाल कर उन्हें पेंशन की सुविधा सुलभ करायी जाए।

इसके साथ ही प्रदेश के लोक कलाकारों का व्हाट्सअप ग्रुप भी बनाया जाये, जिससे उनसे संबंधित सूचना प्राप्त होती रहे। कार्यक्रम आवंटित होने पर 50 प्रतिशत की धनराशि अग्रिम देने तथा कार्यक्रम सम्पन्न होने के एक सप्ताह के अन्दर पूरा भुगतान दिये जाने के निर्देश दिए। कलाकारों को समान रूप से कार्यक्रम आवंटित किये जाएं। 1 अप्रैल से कार्यक्रम आवंटन में शतप्रतिशत शासनादेश का अनुपालन किया जाय। बड़े एवं मंहगे कलाकारों की जगह स्थानीय कलाकारों को मौका दिया जाय, इससे पंजीकृत कलाकारों को प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

कलाकारों को कार्यक्रम आवंटन से लेकर भुगतान की कार्रवाई के अनुश्रवण के लिए पांच सदस्सीय समिमि गठित की जाय। वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों की हालचाल जानने के लिए उन्हें टेलीफोन से सम्पर्क किया जाए। रेडियो जयघोष की क्षमता बढ़ाने, इसके कार्यक्रमों से अधिक से अधिक युवाओं को जोड़ने का सुझाव दिया। कलाकारों के लिए वर्षभर की योजना,समय सारणी तैयार करायी जाए।पर्यटन मंत्री ने वाद्य यंत्रों की खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बरतने एवं शासकीय धन का दुरूपयोग रोकने के

लिए गत वित्तीय वर्ष में क्रय किये गये वाद्य यंत्रों की गुणवत्ता की जांच एवं बिना वितरित किये गये वाद्य यंत्रों की गिनती तथा इस वर्ष खरीदे जाने वाले वाद्य यंत्रों के लिए रणनीति तैयार किये जाने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2023-24 में खरीदे गये वाद्य यंत्रों का वितरण नही हुआ है उसकी जांच के निर्देश दिए। उन्होंने विलुप्त होते जा रहे वाद्य यंत्रों को संरक्षित करने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किये जाने के निर्देश दिए। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के अंतर्गत दूसरे राज्यों से यहां आने वाले कलाकारों को जो सुविधाएं दी जाती है, उसी तरह उत्तर प्रदेश के कलाकार जो दूसरे राज्यों में कार्यक्रम देने जाते हैं उनको भी मिलना चाहिए।

● 2000 से बढ़ाकर की गई 4000 रुपये प्रतिमाह

मूर्तियों का निर्माण अधिकतम तीन माह के अन्दर करने के निर्देश दिए। इसके अलावा वृंदावन शोध संस्थान के कर्मचारियों की आडिट तथा विभाग के संस्थानों में छात्रों का शैक्षिक भ्रमण कराये जाने के लिए माध्यमिक, प्राथमिक और उच्च शिक्षा के प्रमुख सचिवों एवं निदेशकों को पत्र भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने रिक्त पदों की भरने की कार्रवाई, पदोन्नति, अनुशासनिक प्रकरणों, लम्बित जांच की समीक्षा तथा अधियाचन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी वाजपेयी के जन्म स्थान पर निर्मित सांस्कृतिक संकुल, स्मारक आदि का प्रबंधन एवं संचालन जिला पर्यटन एवं संस्कृति परिषद आगरा के माध्यम से कराये जाने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर प्रमुख सचिव संस्कृति एवं पर्यटन मुकेश कुमार मेश्राम, विशेष सचिव संस्कृति रवीन्द्र कुमार-1, अपर निदेशक संस्कृति श्रृष्टि धवन के अलावा अमित अग्निहोत्री एवं बड़ी संख्या में आरटीओ एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

पर्यटन नीति का लाभ अधिकतर उद्यमियों को दिया जाय : पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने आज बस्ती, आजमगढ़, मऊ, देवरिया, गोरखपुर, अमेठी, शाहजहांपुर में आयोजित पर्यटन नीति-2022 जागरूकता कैंप को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति- 2022 देश के शानदार पर्यटन नीतियों में से एक है। इसका लाभ प्रत्येक उद्यमी, निवेशकों तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

ब्लाक और तहसील स्तर पर जागरूकता कैंप लगाए जाएं।पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कैंप में उपस्थित एडीएम, राजस्व अधिकारी, जीएसटी अधिकारी, व्यापार मंडल एवं पर्यटन उद्योग के अध्यक्ष, सब रजिस्ट्रार सहित होटल मालिक, मोटल मालिक, ढाबा संचालकों के प्रति आभार जताया। महाकुंभ में देश-दुनिया से 66 करोड़ से अधिक पर्यटक महाकुंभ में आए। इसमें प्रयागराज के साथ पूरे प्रदेश के टूरिज्म एवं हास्पिटैलिटी से जुड़े लोगों का बहुत ही सराहनीय योगदान रहा। इसके चलते प्रदेश के राजस्व में वृद्धि के साथ वन ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य उत्तर प्रदेश पूरा करेगा। पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बहुत ही तेजी से विकास करने वाला राज्य है। बीते वर्ष यहां लगभग 65 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे। अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य स्थलों पर प्रतिवर्ष करोड़ों श्रद्धालु आते हैं। बड़ी संख्या में पर्यटक सुविधाओं की आवश्यकता है। इसको देखते हुए हमारा प्रयास है कि गंतव्यस्थलों के साथ-साथ एनएच, एसएच सहित अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वे साइड एमिनिटीज ढाबा, होटल, मोटल में भव्य पर्यटक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि मार्ग में पड़ने वाली इन इकाइयों में पर्यटक उच्चस्तरीय सुविधाओं का लाभ ले सकें। 33 विभिन्न पर्यटन इकाइयों को नवीन पर्यटन नीति-2022 में सम्मिलित किया गया है। नवीन पर्यटन नीति-2022 में पर्यटन उद्यमियों को पूंजीगत व्यय पर 30 प्रतिशत तक का अनुदान अनुमन्य किया गया है। वित्तीय प्रोत्साहन, अनुदान, लाभ एवं छूट प्रदान करने के लिए पारदर्शी एवं सहज ऑनलाइन पोर्टल नच- जवनतपेउचवतजंस.पद व्यवस्था की गई है। पर्यटन नीति का प्रदेश के साथ-साथ राष्ट्रीय और अन्तर्राष्टीय स्तर पर प्रचार, प्रसार किया जा रहा है। प्रदेश में 15 मई तक कैंप लगाए जाएंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ निवेशकों को लाभ दिया जाए।

एकेटीयू: डिप्टी रजिस्ट्रार और कुलपति के बीच खिंची तलवारें

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। राजधानी के डॉ.एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी कैंपस में हंगामा हो गया। कुलपति कक्ष के बाहर डिप्टी रजिस्ट्रार आरके सिंह धरने पर बैठ गए। अचानक हुए इस घटनाक्रम से कैंपस में अफरा-तफरी का माहौल है।

विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने उन्हें समझा बुझाकर मनाने की कोशिश की पर वो हटने को तैयार नहीं हुए। डिप्टी रजिस्ट्रार ने कुलपति प्रो.जयप्रकाश पांडेय पर जबरन दबाव बनाने का आरोप लगाया है। कुलपति का कहना है कि ये बेहद आपत्तिजनक आचरण है। अनुशासन के खिलाफडिप्टी रजिस्ट्रार का बर्ताव कतई बर्दाश्त नहीं होगा।

● कुलपति पर शोषण का लगाया आरोप

कार्य समिति की बैठक में उनके खिलाफ प्रस्ताव लाया जाएगा और एक्शन लिया जाएगा। डिप्टी रजिस्ट्रार डॉ. आरके सिंह का कहना है 8 महीने से उन्हें सैलरी नहीं मिली। उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा। कुलपति प्रो.जेपी पांडेय उनसे निजी कारणों से द्वेष रख रहे हैं। जबसे उन्होंने कुलपति पद का कार्यभार ग्रहण किया है, तब से उन पर अनैतिक दबाव डाला जा रहा है। उन्होंने कहा पुराने मामलों को लेकर कुलपति प्रो.जेपी पांडेय प्रताड़ित कर रहे हैं। बायोमेट्रिक से जुड़ा शासनादेश सभी पर लागू होता है। पर कुलपति सिर्फमेरे ऊपर ही इसे थोप रहे है। फुल टाइम रजिस्ट्रार के न होने पर यहां सभी गलत काम कराए जाते हैं। इनकी कार्यशैली बेहद गलत है। जब मन होता है किसी की सैलरी काट लेते, किसी की सैलरी रोक देते हैं। यहां तक अवैध नियुक्तियों की शिकायत पर भी अब तक कोई एक्शन नहीं लिया।डिप्टी रजिस्ट्रार ने बताया कि सुबह पौने 11 बजे 5 - 6 लोगों के साथ बात करने के लिए कुलपति के चौम्बर में गया। पर जब वो सुनने को तैयार नहीं थे। तब मुझे लोकतांत्रिक तरीके से धरने पर बैठना पड़ा। जब तक सुनवाई नहीं होती धरना जारी रहेगा। कुलपति प्रो.जेपी पांडेय ने कहा डिप्टी रजिस्ट्रार बायोमेट्रिक अटेंडेंस लगाने पर राजी नहीं है। उन्होंने जबरन अपने कमरे के अंदर बायोमेट्रिक मशीन लगाकर रखी है।

मध्य कमान के बीकेटी समेत 7 एयरफोर्स स्टेशन हाई अलर्ट

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, ड्रोन स्टैंडबॉय पर, सैनिक भी रेडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मध्य वायु कमान के बीकेटी समेत 7 एयरफोर्स स्टेशन हाई अलर्ट पर हैं। यहां लड़ाकू विमान, ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट, ड्रोन स्टैंडबॉय पर हैं। सैनिक भी रेडी हैं। सुरक्षा कारणों से इन एयरबेस की तैयारियों की समीक्षा की गई है।विशेष ध्यान बीकेटी (बख्शी का तालाब) एयरबेस पर दिया गया है। यहां फिलहाल फाइटर स्क्वॉड्रन की तैनाती नहीं है, लेकिन रनवे का अपग्रेडेशन पूरा हो चुका है। एयर शो का आयोजन भी किया जा चुका है।

लखनऊ स्थित बीकेटी एयरबेस को आधुनिक बनाया गया है। नए रडार लगाए गए हैं। रनवे को ग्लोबमास्टर जैसे भारी विमान की लैंडिंग के लिए सक्षम किया गया है। हैंगर भी तैयार किए गए हैं। 2016 में शुरू हुए अपग्रेडेशन के बाद यहां एयर शो का आयोजन भी हुआ। उसमें वायुसेना के जांबाजों ने अपने युद्ध कौशल का प्रदर्शन किया। मध्य वायु कमान की ओर से सभी एयरबेस की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें बीकेटी (लखनऊ), सरसावा (सहारनपुर), हिंडन (गाजियाबाद), चकेरी (कानपुर), आगरा, प्रयागराज और गोरखपुर शामिल हैं। इन स्टेशनों से भारतीय वायुसेना पाकिस्तान ही नहीं, चीन तक को जवाब देने में सक्षम है। मध्य कमान भारतीय सेना की सबसे बड़ी कमानों में से एक है, जो सात राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और ओडिशा में फैली हुई है। इसका मुख्यालय लखनऊ में स्थित है। यहीं पर आर्मी मेडिकल कोर, डीआरडीओ सेंटर, मध्य यूपी सब एरिया, कमांड अस्पताल और 11 गोरखा रेजिमेंटल सेंटर भी मौजूद हैं। लखनऊ रक्षा गतिविधियों का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। डिफेंस एक्सपो, आर्मी डे, एयर शो, केमिकल बेस्ड वॉर ट्रेनिंग और जॉइंट कमांडर्स मीट जैसे आयोजन यहां सफलतापूर्वक हुए हैं। महिला मिलिट्री पुलिस की भर्ती और ब्रह्मोस के नेवी वर्जन के निर्माण की यूनिट भी यहीं स्थापित की गई है। भविष्य में चाइना फ्रंट के लिए बनने वाली थिएटर कमांड की संभावना भी लखनऊ में जताई जा रही है।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को कर्नल कमांडेंट की रैंक मिली

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) ने कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय को सम्मानित करने के लिए रैंक समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में गर्व और उत्सव का माहौल था क्योंकि कैडेट, अधिकारी, विश्वविद्यालय के गणमान्य व्यक्ति और सम्मानित अतिथि विश्वविद्यालय की एनसीसी यात्रा में एकत्र हुए थे।

इस समारोह का एक उल्लेखनीय आकर्षण प्रोफेसर आलोक कुमार राय को कर्नल कमांडेंट की मानद रैंक प्रदान करना था। उत्तर प्रदेश एनसीसी निदेशालय के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) मेजर जनरल विक्रम कुमार द्वारा भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की ओर से प्रदान किया गया। एनसीसी के लिए प्रोफेसर राय के उत्कृष्ट योगदान और समर्थन का प्रमाण है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने परिसर में एक गतिशील और अनुशासित एनसीसी वातावरण को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। लखनऊ विश्वविद्यालय के एसोसिएट एनसीसी अधिकारियों (एएनओ) ने कार्यक्रम के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 63 यूपी बीएन एनसीसी के दोनों एएनओ मेजर (प्रो.) राजेश शुक्ला और मेजर (डॉ.) किरण लता डंगवाल ने 64 यूपी बीएन एनसीसी के एएनओ लेफ्टिनेंट (डॉ.) रजनीश कुमार यादव के साथ मिलकर कार्यवाही का सक्रिय समन्वय किया। उनकी भागीदारी ने अधिकारी संवर्ग और कैडेटों के बीच महत्वपूर्ण संबंध को रेखांकित किया, जिससे एनसीसी में एकता, अनुशासन और उद्देश्य की भावना को बल मिला। समारोह का समापन अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) और कुलपति के प्रेरक संबोधनों के साथ हुआ। जिसने सभी उपस्थित लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी। इस कार्यक्रम को विभिन्न बटालियनों के कई सेना अधिकारियों, विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों और एनसीसी कैडेटों की उपस्थिति रही।

लखनऊ विश्वविद्यालय के दो छात्रों का 11 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ प्लेसमेंट : लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा प्राप्त उत्कृष्ट रोजगार अवसर में विश्वविद्यालय के दो छात्रों का चयन प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन कंपनी एडेको इंडिया में हुआ। आज वीसी कार्यालय में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा चयनित छात्रों (हिमांशु मॉल एवं करण सिंह मानरल) को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. ए. के. सिंह एवं केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के डायरेक्टर प्रो. अनूप कुमार भारतीय ने चयनित छात्रों को शुभकामनाएँ दीं। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा, चयनित छात्रों ने यह सिद्ध किया है कि जब लक्ष्य ऊँचा हो, मेहनत सच्ची हो और आत्मविश्वास अटूट हो, तो कोई भी सपना दूर नहीं रहता।

यह चयन मात्र एक उपलब्धि नहीं, बल्कि नई चुनौतियों को आत्मविश्वास से स्वीकार करने और सीमाओं को लांघने की प्रेरणा है। विश्वविद्यालय के समस्त विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचानें, निरंतर सीखते रहें और अपने अथक प्रयासों से न केवल स्वयं का, बल्कि पूरे विश्वविद्यालय का नाम रोशन करें।

यूपी के सभी 75 जिलों के 25 लाख किसानों की बदलेगी तकदीर!

चर्चित राजनीति। संवाददाता

● तैयार है योगी सरकार का मास्टर प्लान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 25 लाख नए किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) से जोड़ने का बड़ा लक्ष्य तय किया है। इस दिशा में प्रदेश के सभी 75 जिलों के कमिश्नर और जिलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

मिली जानकारी के मुताबिक, वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान राज्य सरकार ने 71 लाख से अधिक किसानों को केसीसी की सुविधा प्रदान की है। अब इस अभियान को और तेज कर प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के सभी लाभार्थी किसानों को किसान क्रेडिट कार्ड से जोड़ा जा रहा है। सहकारी और व्यावसायिक बैंकों की मदद से किसानों को यह कार्ड मुहैया कराया जा रहा है। भारत सरकार ने भी सभी पात्र किसानों को इस योजना का लाभ देने के निर्देश जारी किए हैं, ताकि उन्हें फसली ऋण जैसी सुविधाएं आसानी से मिल सकें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा खेती-किसानी को लाभकारी व्यवसाय में बदलने की है। किसान क्रेडिट कार्ड योजना इसी नीति का हिस्सा है, जिससे किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिलती है और वे साहूकारों के चंगुल में फंसने से बचते हैं। केसीसी योजना के तहत किसानों को कम ब्याज पर बैंक से ऋण उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे बीज, खाद और अन्य जरूरी चीजें खरीद सकें।

संक्षिप्त समाचार

एलडीए के समाधान दिवस में शिकायतों का अम्बार

लखनऊ, चसं। लखनऊ विकास प्राधिकरण में नागरिक समाधान दिवस का आयोजन हो रहा है। इस मौके कर बड़ी संख्या में शिकायतों को लेकर फरियादी पहुंचे हैं। शिविर में कमिश्नर रोशन जैकब प्राधिकरण उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार सहित कई अफसर मौजूद है। अफसर स्वयं जनसुनवाई करते हुए अधिकारियों को समस्याओं के तत्काल निपटारे के निर्देश दिए हैं। फरियादियों ने भूमि विवाद, पेंशन, बिजली और अन्य जनसमस्याओं से जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई हैं। कमिश्नर ने गंभीर मामलों की समीक्षा कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया है। बब्लू अली की जमीन एलडीए ने अधिग्रहीत की। इसके एवज में उन्हें वर्ष 2007 में 650 वर्गफीट का प्लॉट ट्रांसपोर्टनगर योजना में आवंटित किया। वर्ष 2008 में फर्जीवाड़ा करते हुए प्लॉट की रजिस्ट्री किसी दूसरे बब्लू के नाम एलडीए ने कर दी।उसने किसी तीसरे व्यक्ति को यह प्लॉट बेच दिया। इधर, एक माह पहले जब वास्तविक बब्लू प्लॉट पर निर्माण कराने पहुंचे तो कुछ लोगों ने प्लॉट अपना बताते हुए विरोध कर दिया। इसके बाद बब्लू पुलिस के पास गए, लेकिन कोई मदद नहीं मिली। वह थाने से लेकर एलडीए तक चक्कर काट रहे हैं। खदरा शक्तिनगर निवासी अजीत सिंह ने बताया कि उनके घर के पास में एक शख्स बिना प्राधिकरण से मानचित्र पास करवाए निर्माण करवा रहा है। इसकी शिकायत कई बार अफसरों से की गई पर कोई कार्यवाही नहीं हुई। इससे नाराज अजीत सिंह अपने शरीर कर निर्माण का बैनर लगा कर विरोध जताते हुए शिकायत करने पहुंचे। उनकी शिकायत पर अफसरों ने जल्द कार्यवाही का आश्वासन दिया।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत

लखनऊ, चसं। लखनऊ के नगराम इलाके के देवती गांव में टेंट लगाते समय मजदूर की मौत हो गई। उसकी पहचान 24 साल के शिव चरन के रूप में हुई। वह रामबक्स खेड़ा मजरा समेसी का रहने वाला था। शिव चरन नेवाज खेड़ा गांव के टेंट हाउस में काम करता था। करंट लगने पर टेंट हाउस मालिक रामपाल उसे मोहनलालगंज के प्राइवेट अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने स्थिति गंभीर बताते हुए सीएचसी रेफर कर दिया। सीएचसी के डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे की जानकारी होने पर शिव चरन के पिता महेश परिवार के अन्य सदस्यों के साथ सीएचसी पहुंचे। सूचना पर पुलिस भी पहुंच गई। पुलिस ने लोगों से पूछताछ करके मामले की जांच शुरू की।

रात में हुई बारिश, दिन में तेज धूप,मौसम विभाग ने किया अलर्ट आंधी चलेगी

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में मौसम बदल गया है। देर रात बारिश हुई। सुबह धूप नहीं निकली और बूंदाबांदी होती रही। दोपहर तक धूप-छांव का सिलसिला जारी रहा। वहीं, दोपहर बाद तेज धूप निकल आई। मौसम विभाग ने आंधी के लिए अलर्ट किया है। इसके साथ ही गरज-चमक के साथ हल्की बारिश हो सकती है। देर रात न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, आज दिन में अधिकतम तापमान 40 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। मौसम विभाग ने अलर्ट जारी कर कहा कि आज लखनऊ में 40 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। मध्यम बारिश भी हो सकती है। हालांकि दोपहर तक 7.7 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश ने बताया- पश्चिमी विक्षोभ और मध्य प्रदेश के ऊपर साइक्लोनिक प्रेशर की वजह से यह बारिश हुई।

पसमांदा मुस्लिम समाज ने सैन्य कार्रवाई का स्वागत किया

लखनऊ, चसं। पसमांदा मुस्लिम समाज ने भारतीय सेना का हौसला बढ़ाया। भारत द्वारा पाकिस्तान की आतंकी हरकतों के जवाब में किए गए निर्णायक सैन्य कार्रवाई का स्वागत किया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनीस मंसूरी ने कहा ये हमला और कार्रवाई वक्त की सबसे बड़ी जरूरत थी। भारत की संप्रभुता और आत्म-सम्मान की रक्षा के लिए आवश्यक कदम था। अनीस मंसूरी ने कहा भारतीय सेना ने पाकिस्तान को उसी की भाषा में जवाब दिया है। यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि भारत के गौरव, साहस और दृढ़ निश्चय का प्रतीक है। देश की सीमाओं और नागरिकों की सुरक्षा के लिए लिया गया यह निर्णय हर भारतवासी के सीने को गर्व से चौड़ा कर देता है। उन्होंने कहा देश का हर मुसलमान सेना के साथ खड़ा है। हम लोग अमन की बात करते हैं, लेकिन जब दुश्मन अमन को कमजोरी समझे, तो उसे उसी की जुबान में जवाब देना जरूरी हो जाता है। अनीस मंसूरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस कदम सराहना की। देश की एकता और अखंडता के लिए लिया गया ऐतिहासिक निर्णय बताया। उन्होंने कहा पहलगाम में 26 निहत्थे लोगों पर पीठ पर वॉर करने वालों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया। भारत ने स्पष्ट संदेश दिया कि देशवासियों की ओर आंख उठाने वालों की आंख निकाल ली जाएगी।

हाउस अरेस्ट शो के खिलाफ प्रदर्शन एजाज खान को जेल भेजने की मांग

लखनऊ, चसं। राजधानी लखनऊ में उल्लू टीवी पर प्रसारित होने वाले हाउस अरेस्ट शो के खिलाफ प्रदर्शन हुआ। महिला आयोग की सदस्य डॉ. प्रियंका मौर्या के साथ महिलाओं ने अश्लील प्रोग्राम्स और वीडियो को प्रतिबंधित करने की मांग की। प्रियंका मौर्या ने कहा कि सेंसर बोर्ड मुर्दा हो चुका है और सोशल मीडिया हमारे बच्चों को बिगाड़ रहा है। हाथों में तख्तियां लेकर पहुंचीं महिलाओं ने उल्लू टीवी पर बैन लगाने की मांग की। फेसबुक और इंस्टाग्राम पर आने वाली सभी प्रकार की अश्लील वीडियो को प्रतिबंधित करने की आवाज उठाई। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया का जमाना है। आज हर किसी के हाथ में मोबाइल फोन है। बच्चे-बुजुर्ग हर कोई मोबाइल का इस्तेमाल करते हैं। मगर जिस प्रकार से धड़ल्ले से अश्लीलता परोसी जा रही है, ऐसे में मोबाइल फोन चलना मुश्किल हो गया है। हर दूसरी वीडियो ऐसी होती है, जिसे परिवार के साथ नहीं देखा जा सकता। सोशल मीडिया के प्लेटफार्म का दुरुपयोग करके समाज में गंदगी परोसी जा रही है। प्रियंका मौर्या ने कहा कि हाउस अरेस्ट प्रोग्राम एजाज खान होस्ट कर रहे हैं। यह शो पूरी तरीके से अश्लीलता में डूबा है। खुलेआम महिलाओं के कपड़े उतारे जाते हैं। शो को होस्ट करने वाले एजाज खान महिलाओं और पुरुषों के साथ अश्लील बातें करते हैं। महिलाएं पुरुषों के साथ अर्धनग्न और अश्लील पोजिशन में नजर आती हैं। जो बातें और कृत्य बंद कमरों में होने चाहिए वह खुलेआम टीवी चौनल पर किए जा रहे हैं।

मेला और जागरूकता शिविर लगाकर तालाब पट्टेधारक होंगे लाभान्वित

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मत्स्य विकास कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने कहा कि मेला एवं जागरूकता शिविर आयोजित करके तालाब पट्टेधारकों को लाभान्वित किया जाएगा। ताकि उनके एक ही स्थान पर सभी जानकारी मिल सके।

ग्राम्य विकास विभाग, पंचायती राज एवं राजस्व परिषद के साथ समन्वय स्थापित करके 6 महीने के पूर्व ही पट्टे की प्रक्रिया पूर्ण की जाए। मत्सय क्षेत्र के विकास से न सिर्फ राजस्व की बढ़ोत्तरी और रोजगार के अधिक से अधिक अवसर मिलेंगे। अधिकारी मत्स्य तकनीक के क्षेत्र में हो रहे अभिनव प्रयोगों को अपनाए ताकि मत्स्य उत्पादन में वृद्धि हो। उन्होंने कहा कि मत्स्य व्यवसाय से जुड़कर स्वरोजगार के अवसर प्राप्त करने एवं आर्थिक उन्नति हेतु मछुआ समुदाय और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को प्रोत्साहित कर योजनाओं का

● योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी होगी सुनिश्चित

और अधिक प्रचार प्रसार किया जाएगा। ताकि अधिक से अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। मत्स्य विभाग द्वारा संचालित योजनाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जाए। कैबिनेट मंत्री डॉ संजय कुमार निषाद ने आज यहां विधान सभा स्थित अपने कार्यालय कक्ष में समीक्षा बैठक की और अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना में विभिन्न परियोजनाओं व निजी भूमि तालाब निर्माण, बैकयार्ड आरएएस, इन्सूलेटेड वैन, मोटरसाइकिल विद आइसबाक्स, साइकिल विद आइसबाक्स के बारे में लोगों को जानकारी देकर जागरूक किया जाए। वन ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी प्राप्त करने के लक्ष्य की पूर्ति के संबंध में मत्स्य विकास विभाग के कार्यों की हर 15 दिन में जनपद एवं मुख्यालय स्तर पर समीक्षा की जाए। मत्स्य मंत्री ने प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना, मुख्यमंत्री मत्स्य संपदा योजना, निषादराज बोट योजना, यूपी मत्स्य पालक कल्याण कोष के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं तथा सहकारी समितियों के गठन की समीक्षा की। इसके साथ ही अनुपयुक्त जलक्षेत्र जैसे वेटलैण्ड, खारापानी जलक्षेत्र, जलाशय व नदियों को मत्स्य विकास कार्यक्रम से आच्छादित करने तथा प्रदेश के मछुआरों व मत्स्य पालकों के जीवन में आर्थिक सुधार लाने हेतु कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में महानिदेशक, मत्स्य, श्री राजेश प्रकाश, मुख्य महाप्रबंधक उत्तर प्रदेश मत्स्य विकास निगम लिमिटेड, एवं प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश मत्स्य जीवी सहकारी संघ, सहित अन्य वरिष्ठ विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

समूचा विपक्ष भारतीय सेना और सरकार के साथ : प्रमोद तिवारी

लखनऊ, चसं। राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता प्रमोद तिवारी ने कहा है कि आतंकवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए कांग्रेस और समूचा विपक्ष भारतीय सेना और सरकार के हर निर्णय के साथ है। उन्होंनें कहा कि समूचा देश और विपक्ष पहलगाम की आतंकवादी घटना मे शामिल एक एक आतंकियों को चुन चुन कर जमींदोज करने के लिए सेना और सरकार के हर कदम का एकजुट समर्थन लगातार जारी रखे हुए है। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि भारतीय सेना ने अदम्य साहस व शौर्य के साथ सैन्य कार्रवाई में आतंकवादी स्थलों पर ही प्रहार किया है। उन्होने कहा कि देश और कांग्रेस को सेना पर पूरा भरोसा है। राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने कहा कि सर्वदलीय बैठक और कांग्रेस वर्किंग कमेटी के जरिए पार्टी का अभिमत मजबूती के साथ भारतीय सेना की निर्णायक कार्रवाई के मजबूत समर्थन में है। उन्होने कहा कि आतंकवाद और इसको प्रश्रय देने वाली हर ताकत को कुचलने के लिए सम्पूर्ण विपक्ष पूरी तरह से सर्वोच्च देश हित में सरकार और सेना के हर कदम का समर्थन करने के लिए भी पूरी तरह से वचनबद्ध है।

वेतनमान बढ़ोतरी होने पर लैब टेक्नीशियनों में खुशी

लखनऊ, चसं। उत्तर प्रदेश लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और शासन के अफसरों का आभार जताया है। सरकार ने लैब टेक्नीशियन का वेतनमान 2800 से 4200 रुपए कर दिया है। इससे पूरे प्रदेश के सैकड़ों लैब टेक्नीशियन लाभांवित होंगे। उप्र. लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश रावत, प्रदेश महामंत्री कमल कुमार श्रीवास्तव और प्रदेश प्रवक्ता सुनील कुमार ने बताया कि लंबे समय से एलटी का वेतनमान बढ़ाने की मांग सरकार, शासन से की जा रही थी। वेतन समिति (2016) की संस्तुति के क्रम में मुख्य सचिव की समिति की संस्तुति द्वारा वर्तमान ढांचे में लैब टेक्नीशियन ग्रेड-1 (ग्रेड वेतन रुपए 4200) का नया स्तर बनाया जा रहा है, जिसे 50 फीसदी पद सीधी भर्ती तथा 50 फीसदी पद लैब टेक्नीशियन पदधारकों से पदोन्नत द्वारा भरा जाएगा। इस प्रकार वेतन समिति (2016) की संस्तुति के क्रम में मुख्य सचिव समिति की संस्तुति के क्रम में वर्तमान 4 स्तरीय संरचना 3 स्तरीय संरचना में स्थापित हो जाएगी, जिसके तहत लैब टेक्नीशियन ग्रेड पे रुपए 2800, लैब टेक्नीशियन ग्रेड-1 ग्रेड पे रुपए 4200, सीनियर लैब टेक्नीशियन ग्रेड पे रुपए 4600 हो जाएंगे। संस्तुतियों पर निर्णय होने के बाद चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के लैब टेक्नीशियन संवर्ग में लैब टेक्नीशियन वेतन लेवल 5 (रुपए 29200-92300) के पद सृजित किए जाएंगे।

लैब टेक्नीशियन वेतन बैंड-1 एवं ग्रेड वेतन रुपए 2800 वेतन लेवल-5 (रुपए 29200-92300) के पद पर पदोन्नति हेतु पोषक संवर्ग से निर्धारित 25 फीसदी पदोन्नति की व्यवस्था तब तक बनी रहेगी जब तक कि पोषक पद में एक भी कर्मचारी कार्यरत होगा। उक्त के बाद लैब टेक्नीशियन वेतन बैंड-1 एवं ग्रेड वेतन रुपए 2800 वेतन लेवल-5 (रुपए 29200-92300) के पद शत-प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा भरे जाएंगे। उप्र. लैब टेक्नीशियन एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश रावत, प्रदेश महामंत्री कमल कुमार श्रीवास्तव प्रदेश प्रवक्ता सुनील कुमार, संप्रेक्षक एके मौर्या, महेश प्रसाद, राजेश चौधरी आदि ने मुख्यमंत्री, डिप्टी सीएम समेत शासन के सभी अफसरों का आभार जताया है।

चालक ने महिला से छेड़खानी की, डरकर चलते ऑटो से कूदी पीड़िता

लखनऊ, चसं। राजधानी के ठाकुरगंज इलाके में ऑटो चालक ने महिला सवारी को अकेला पाकर छेड़छाड़ की। महिला अपने बीमार भाई को देखकर घर जाने के लिए रैपिडो से ऑटो बुक किया था। सुनसान जगह पर आरोपी ने अश्लील हरकत शुरू कर दी। महिला ने विरोध करते हुए ऑटो रोकने के लिए कहा, तो चालक ने रफ्तार बढ़ा दी। डरकर महिला ऑटो से कूद गई। उसे हल्की चोटें आई। महिला ने थाने पहुंचकर मामले की शिकायत की। पुलिस ने आरोपी चालक को गिरफ्तार कर लिया है। आम्रपाली ठाकुरगंज निवासी युवक ने बताया कि उनकी तबीयत खराब थी। उनका हालचाल लेने बहन घर आई थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रों पर निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदायें (सिंगल पैकेट सिस्टम) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-Sig-Tender-06-2025-26
कार्य का नाम	कम्प्रेहैन्सिव एनुअल मेंटेनेंस कॉन्ट्रैक्ट ऑफ स्टैटकान मेक आई.पी.एस. (78 नंबर्स) इन्सटाल्ड ओवर लखनऊ डिवीजन फॉर थ्री इयर्स।
अनुमानित लागत	रु. 3,16,14,649.62
निविदा प्रपत्र की कीमत	निल
धरोहर राशि	रु. 308100.00
कार्य पूरा करने की अवधि	36 माह
निविदा दस्तावेज जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	30.05.2025 15:30 बजे तक
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहां निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है	वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय/ मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर/ उत्तर रेलवे/लखनऊ

ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेब साइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य है • समस्त नियम एवं शर्ते निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है • मैनुअल निविदाये स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं.– 106–सिग–टेंडर–06/2025–26 दिनांक 07.05.2025 1356/25

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

जन्म लेने वाले के लिए मृत्यु उसी प्रकार निश्चित है, जितना कि मरने वाले के लिए जन्म लेना। इसलिए इस विषय पर शोक मनाना व्यर्थ है, जो इंसान किसी की कमी को पूरी करता है वो सही अर्थों में महान होता है : गीता

संपादकीय

जोश और संयम

आखिरकार पहलगाम हमले के 15 दिन बाद भारत ने पाक अधिकृत कश्मीर में नौ आतंकी ठिकानों पर हमला करके न केवल आतंकवादियों की कमर तोड़ी है बल्कि बड़बोले पाकिस्तान के दंभ को भी तोड़ा है। बेहद सुनियोजित व सटीक तथा नियंत्रित कार्रवाई से भारत ने दुनिया को संदेश दिया कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति जीरो टॉलरेंस की है। साथ ही सैन्य ठिकानों व नागरिक संस्थानों को निशाना न बनाकर मानवता का संदेश ही दिया है। बताया कि हमें आत्मरक्षा का अधिकार है। साथ ही दुनिया को यह भी बताया कि विश्व बंधुत्व हमारा सांस्कृतिक संकल्प है। लेकिन यदि हमारी बेटियों के सिंदूर छीने जाएंगे तो हम अंतर्राष्ट्रीय सीमाएं लांघकर भी आतंकियों के ठिकानों को नेस्तनाबूद करने से नहीं हिचकेंगे। यह भी कि मानवता के संरक्षण के संकल्प के साथ कि हम कभी नागरिक को निशाना नहीं बनाएंगे। गीता के उस संदेश का अनुपालन कि हम युद्ध के पक्ष में नहीं हैं, लेकिन जब युद्ध अपरिहार्य हो, तो फिर युद्ध लड़ना धर्म बन जाता है। पिछले दिनों देश में शीर्ष सैन्य नेतृत्व की सक्रियता और प्रधानमंत्री व रक्षा मंत्री के बयान इस सधी हुई कार्रवाई के संकेत दे रहे थे। इस कार्रवाई को आतंकवाद के खिलाफमानवता के सुरक्षा कवच के रूप में देखा जाना चाहिए। हमने बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक के बाद इस कार्रवाई को तब अंजाम दिया जब पानी सिर से ऊपर गुजरने लगा। ऑपरेशन सिंदूर ने उन्हें भी जवाब दे दिया है जो भारतीय अस्मिता की रक्षा के लिये किए जा रहे सैन्य व कूटनीतिक उपक्रमों को लेकर सतही बयानबाजी कर रहे थे। उन्हें इस बार बालाकोट के यथार्थ की तरह सवाल उठाने का मौका नहीं मिलेगा। इस बार के हमले के तमाम फोटो-वीडियो अंतर्राष्ट्रीय मीडिया में तैर रहे हैं। बिहार की जनसभा में प्रधानमंत्री ने चेताया भी था कि आतंकवादियों को ऐसा सबक सिखाया जाएगा कि फिर वे ऐसा दुस्साहस न कर सकें। साथ ही गृहमंत्री ने कहा था कि जैसे जनता चाहती है, वैसा ही होगा। सचमुच वैसा ही हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सीमित युद्ध की रणनीति व अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति सटीक रही। निस्संदेह, आतंकवाद के खिलाफ किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर संयुक्त राष्ट्र सहित विश्वभर के तमाम अमन पसंद देशों की मोहर लगनी ही चाहिए। कौन नहीं जानता कि अमेरिका, इस्राइल समेत तमाम अनेक यूरोपीय देश अपने विरुद्ध किसी भी आतंकवादी हमले के सूत्रधारों को कुचलने में कभी विलंब नहीं करते। आज इस कार्रवाई के बाद अमेरिका व चीन समेत तमाम विश्व शक्तियों को भारत-पाक को एक तराजू में रखकर नसीहतें देने की बजाय ईमानदारी से शांति व मानवता के पाले में खड़ा होना होगा। साथ ही भारतीय नागरिक के रूप में एक बड़ी सोच के साथ हमें इस सर्जिकल स्ट्राइक पर युद्ध उन्माद का जश्न मनाने के बजाय संयम से आतंक के दमन के रूप मे देखना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सर्जिकल स्ट्राइक ने देश के आहत मर्म पर सांस्कृतिक और भावनात्मक मरहम भी लगाया है। यह बताया गया है कि विवाहिताओं द्वारा लगाए जाने वाला सिंदूर महज दिखावटी रस्म नहीं है। यह प्यार और रिश्तों में निरंतरता का पर्याय भी है। जब आतंकवादियों ने पहलगाम में 26 पुरुषों की हत्या करके उनकी जीवन संगिनियों का सिंदूर पोंछा था, तो उस सिंदूर के मिटने के दर्द को पूरे देश ने गंभीरता से लिया। खासकर उस विवाहिता का दर्द जिसके हाथ की मेहंदी फीकी भी नहीं पड़ी थी। उसके दुरूख को पूरे देश ने महसूस किया और आतंक की धरा को नेस्तनाबूद करने के लिये ही 'सिंदूर ऑपरेशन' को अंजाम दिया गया।

अस्पतालों में महिला मरीजों की यौन सुरक्षा

> मौजूदा घटना अपने आप में महिला मरीजों की अस्पतालों में इलाज के दौरान यौन सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाली है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकेगा कि इस प्रकार की नामुराद घटनाएं पूरे देश में बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले कोलकाता में भी ऐसा कांड सामने आया था और पूरे देश में हो-हल्ला मच गया था। कल्पना कीजिए, एक महिला मरीज लगभग कोमा में है, वह वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। जिंदगी और मौत से लड़ रही है, संवेदना की दया पात्र महिला मरीज के खिलाफ अस्पताल का कथित स्टाफ उसकी बेबसी का फायदा उठाकर आईसीयू में वहशीपन की साजिश रचता है।

हाल ही में दिल्ली के साथ लगते हरियाणा के गुरुग्राम क्षेत्र में एक महिला मरीज के यौन उत्पीडऩ से जुड़ी एक घटिया हरकत सामने आई है। यहां के एक अस्पताल में एक एयर होस्टेस के साथ कर्मचारी ने कथित तौर पर यौन शोषण किया। इस दुष्कर्म को उस समय अंजाम दिया गया जब महिला मरीज आईसीयू में वेंटीलेटर पर थी। महिला ने अपनी शिकायत में बताया था कि 6 अप्रैल को वह वेंटिलेटर पर थी, जब अस्पताल के कुछ कर्मचारियों द्वारा उसका यौन उत्पीडऩ किया गया। इसे डिजिटल रेप के रूप में बताया जा रहा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल रेप में डिजिटल का मतलब उंगलियों से यौन उत्पीडऩ करना है। इस क्रिया में शारीरिक बलात्कार जैसा कार्य नहीं होता है। इसे भारतीय कानून के तहत एक गंभीर अपराध माना जाता है। यह पहला मामला नहीं है, जब किसी महिला को अस्पताल में इस तरह की दरिंदिगी और यौन उत्पीडऩ का सामना करना पड़ा है। इससे पहले भी कई बार इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं। एक जर्नल के अनुसार पूरे भारत में अस्पतालों के अंदर मरीजों का यौन उत्पीड़न आम बात है।

भारत में 4 में से एक भारतीय महिला ने सरकारी अस्पताल में लिंग आधारित हिंसा की शिकायत की है। मौजूदा घटना अपने आप में महिला मरीजों की अस्पतालों में इलाज के दौरान यौन सुरक्षा पर एक बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करने वाली है। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकेगा कि इस प्रकार की नामुराद घटनाएं पूरे देश में बढ़ रही हैं। कुछ समय पहले कोलकाता में भी ऐसा कांड सामने आया था और पूरे देश में हो-हल्ला मच गया था। कल्पना कीजिए, एक महिला मरीज लगभग कोमा में है, वह वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही है। जिंदगी और मौत से लड़ रही है, संवेदना की दया पात्र महिला मरीज के खिलाफ अस्पताल का कथित स्टाफ उसकी बेबसी का फायदा उठाकर आईसीयू में वहशीपन की साजिश रचता है। कुछ बेशर्म महिला बाशिंदों की मौजूदगी में उस महिला की आबरू पर हमला होता है। यह सब अत्यंत शर्मसार करने वाला लगता है। जरा सोचिए उस महिला मरीज के मन की हालत क्या होगी। कुछ वक्त पहले कोलकाता में एक डॉक्टर के साथ हुए बलात्कार और हत्या ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था और महिलाओं की सुरक्षा के उपायों में महत्वपूर्ण कमियों को उजागर किया है। विधायी प्रगति और जागरूकता बढ़ाने के बावजूद, महिलाओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक रूप से उच्च बनी हुई है। घरेलू हिंसा, वैवाहिक बलात्कार, छेड़छाड़, यौन उत्पीडऩ, दहेज से संबंधित अपराध और मानव तस्करी जैसी घटनाओं की संख्या भारत में अभी भी अधिक है। गहरी पैठ वाली पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक असमानताएं और रूढ़िवादी सांस्कृतिक प्रथाएं लगातार लिंग आधारित हिंसा में योगदान करती हैं। बढ़ती जागरूकता के कारण शहरी क्षेत्रों में ऐसी घटनाओं की रिपोर्टिंग अधिक होती है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कलंक और सीमित सहायता प्रणालियों के कारण ऐसी घटनाएं कम ही रिपोर्ट हो पाती हैं। गुरुग्राम के अस्पताल में उपचाराधीन एक एयर होस्टेस के यौन उत्पीडऩ के मामले में हरियाणा महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया ने इस मामले पर कहा है कि हरियाणा के प्राइवेट अस्पतालों में महिलाओं की सुरक्षा के लिए नियम बनाए जाएंगे। उन्होंने अस्पतालों को महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह भी आदेश किया गया है कि किसी भी अस्पताल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना अस्पताल का दायित्व होगा। सभी राज्यों के महिला आयोग ऐसे मुद्दों को लेकर उग्रता दिखाए, तो बेहतर होगा। महिला मरीजों का यौन उत्पीडऩ एक अंतरराष्टीय समस्या है। कुछ समय पहले यूरोप के एक देश नॉर्वे में एक चौंका देने वाला मामला सामने आया है। वहां गांव के एक डॉक्टर पर 87 महिलाओं के साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। इन महिलाओं की उम्र 14 से 67 साल के बीच है। बताया जा रहा है कि ये घटनाएं पिछले 20 साल से हो रही थीं। आरोप है कि डॉक्टर इन महिलाओं का उनके घरों और अपने सर्जरी रूम में रेप करता था और वीडियो भी बनाता था। इसे नॉर्वे के इतिहास का सबसे बड़ा यौन शोषण कांड बताया जा रहा है। क्या इस तरह की घटनाएं अपने आसपास तो नहीं हो रही हैं, इसके लिए चौकन्ने रहने की जरूरत है। हमारे समक्ष कई गंभीर सवाल हैं। एक अस्पताल में महिला मरीज जान बचाने की आस रखता है। वहां अगर उसकी इज्जत लूट ली जाए तो हमारा महिला समाज कितना सुरक्षित है? क्या अस्पतालों में मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त प्रोटोकॉल हैं? क्या कर्मचारियों के बैकग्राउंड की जांच और प्रशिक्षण पर्याप्त है। मनोविज्ञान के अनुसार, ऐसी नामुराद हरकतों के लिए अस्पताल में काम करने वाले कुछ अस्पताल कर्मचारियों की दबी हुई यौन कुंठाएं और असंतुष्ट यौन इच्छा जिम्मेवार है, जो हर वक्त महिला मरीज को यौन शिकार बनाने की फिराक में रहती है। पुरुष कर्मचारियों के इस कुत्सित काम में कुछ महिला स्टाफ का विकृत सहयोग यह विदित करता है कि मेडिकल प्रोफेशन की भद्रता संदेह के सवालों के घेरे में है। इसके लिए अस्पतालों के प्रशासन को और रेग्युलेटरी अथॉरिटी को जिम्मेवारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। ऐसी घटनाएं हमारे समाज और स्वास्थ्य सिस्टम पर एक बदनुमा दाग हैं। यह एक चेतावनी है कि हमें अपने चिकित्सा संस्थानों और समाज में गहरे प्रशासनिक सुधारों की आवश्यकता है। देश में महिला सुरक्षा की स्थिति संतोषजनक नहीं है। वर्ष 2022 में महिलाओं के खिलाफ अपराध के 445256 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4 फीसदी अधिक हैं, यानी हर घंटे लगभग 51 एफआईआर दर्ज की गई। यह ध्यान देने वाली बात है कि ये सिर्फ दर्ज मामले हैं। भारत में कई घटनाएं कई कारणों से रिपोर्ट नहीं की जाती हैं। ये कारण पैसे और बाहुबल, सामाजिक कलंक, पारिवारिक दबाव, मौत की धमकी आदि के कारण हो सकते हैं। इसको कैसे काबू किया जा सकता है? 'यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते, रमन्ते तत्र देवता', इसका अर्थ है कि जहां महिलाओं की पूजा होती है, वहां भगवान निवास करते हैं। भारत में महिलाओं के खिलाफ अपराधों को संबोधित करने के लिए इस बुरे मुद्दे से निपटने के लिए एक ठोस और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के चौंकाने वाले आंकड़े कानूनों के बेहतर क्रियान्वयन, बेहतर लैंगिक संवेदनशीलता और पीड़ितों के लिए बेहतर समर्थन की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। अगर भारत की कुल आबादी का आधा हिस्सा सुरक्षित नहीं है, तो लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय हासिल नहीं किया जा सकता है। इसके लिए केंद्र तथा राज्यों की सरकारों को मिलजुल कर काम करना होगा। **:: एजेंसी**

सनातन संस्कृति के खुशी और गम का पहला वार सहती दहलीज

रीना त्रिपाठी

'जिस दहलीज पर तेरा इंतजार न हो, उस दहलीज पर कभी जाना नहीं। दहलीज के पर्यायवाची आपने अक्सर संस्कृत में देहरी अवधी में देहली, डेहरी, ड्योढ़ी, चौखट, सीमा, मर्यादा के रूप में सुने होंगे। सामान्यतः देहरी का अर्थ है द्वार की चौखट के नीचे की लकड़ी या पत्थर जो जमीन पर रहती है, दहलीज कहलाती है। इसे घर के मुख्य द्वार का बाहरी भाग भी कहा जाता है या घर और बाहर की सीमा रेखा के रूप में जाना जाता है। आज के वैश्वीकरण और भौतिकतावादी युग में एल्युमिनियम, लोहे और कांच की चौखटों ने दहलीज को खत्म सा कर दिया है। यदि सनातन परंपरा में देखें तो घर में देहरी का बहुत ही महत्वपूर्ण स्थान था। इसे मां लक्ष्मी का आगमन द्वार माना जाता था और इसकी पूजा करने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, सुख-समृद्धि और शांति आती थी। भारतीय सभ्यता और संस्कृति को पारंपरिक रूप से जारी रखने वाले परिवारों में आज भी इसका उतना ही महत्व है। देहरी की पूजा से घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और सभी ग्रह शांत रहते हैं।

देहरी की पूजा एक सरल और प्रभावी अनुष्ठान है जो घर में सकारात्मक ऊर्जा, समृद्धि और शांति ला सकता है। देहरी नकारात्मक ऊर्जा को घर में प्रवेश करने से रोकती है।देहरी की पूजा रोजाना या विशेष अवसरों पर की जा सकती है। पूजा के लिए जल, चावल, फूल, दीपक, सुगंध, फल और मिठाई का उपयोग किया जाता है। जिस प्रकार बड़े प्रतिष्ठित मंदिरों में देरी पूजा का महत्व होता है उसी प्रकार घर में भी इसका विशेष महत्व है घर की बड़ी बुजुर्ग महिलाएं सबसे पहले देहरी को गंगाजल से साफ करके और फिर स्वस्तिक बनाती है चावल के ढेर पर सुपारी रखकर, फल और मिठाई या फिर घी गुड़ से इसकी पूजा की जाती है, और देवी लक्ष्मी और अन्य देवताओं से घर की सुख समृद्धिकी प्रार्थना की जाती है। किसी मंदिर से आने पर या महत्वपूर्ण अवसरों पर घर की देहरी से पानी उतरकर बाहर फेंक दिया जाता है ताकि नकारात्मकता अंदर ना जा सके और देहरीकी पूजा करने के बाद ही घर में प्रवेश किया जाता है। घर की देहरी में राहु का वास होता है और उसकी पूजा करने से राहु के दुष्प्रभावों से बचा जाता है। नई दुल्हनके आने पर देहरी की पूजा करवाई जाती है नई बहू के हाथों हल्दी सिंदूर घी गुड़ से विधि विधान पूर्वक पूजा करवाई जाती है।जो लोग गांव के पुरखों के पुराने घर को छोड़कर शहरों में बस गए वह भी अपनी नवागंतुक कुल वधु को लेकर गांव की देहरी व कुल देवी देवता की पूजा करने वापस गांव जाते हैं। सनातन परंपरा के अनुसार हमारे पूर्वज गोधुली बेला में घर के मुख्य द्वार पर दीया जलाते थे जिससे घर में सुख-समृद्धि का प्रवेश हो सके ।इसके साथ ही नकारात्मक प्रभाव घर से दूर रखने हेतु महत्वपूर्ण था ।मान्यता है कि संध्या के जलते दीप से धन की देवी लक्ष्मी घर में प्रवेश करती हैं उन्हें आपके घर की शोभा आमंत्रित करती है। गांव के बुजुर्ग और बड़े पुरुष संध्या वंदन या माले से भगवान का जाप इसी देहरी के बगल में बने चबूतरे में बैठकर किया करते थे। गांव के कच्चे घरों को गोबर से लेकर गेरू से सजाकर और दहलीज तथा तुलसी के चौरे को शाम के दीपक से सजना हमारी सनातन परंपरा के बड़े बुजुर्गों की सीख और घर की समृद्धि को दर्शाता है।

एक विशेष कार्य हेतु एक गांव का भ्रमण करते समयपुरानी यादें ताजा हो गई और दादी नानी के गांव की याद आ गई।एक पुराने घर में लगभग इस गांव का अकेला ऐसा घर जहां आज भी लकड़ी की चौखट , पुराने किलो से जुड़ेपल्ले दार दरवाजे , और लकड़ी की बड़ी सी दहलीज,गोबर से लीपकर और गेरू से सजाकर फूस के छप्पर से मुख्य द्वार को छाया गया वाकई बरबस ही आपको दरवाजा खटखटाना को मजबूर कर देगा। इसी के तहत हमने भी खटखटाया और इस घर के सबसे बुजुर्ग व्यक्ति की उम्र लगभग पंचानबे वर्ष थी और वह बिल्कुल स्वस्थ थे घर में देशी गाय पाली गई हुई थी जिसके शुद्ध दूध दही और मट्ठे से पूरा गांव लाभान्वित होता है।हमें भी घर वालों ने ताजा मट्ठा नमक और गुड़ के साथ पिलाया संयुक्त परिवार परंपरा का बहुत ही खूबसूरत उदाहरण देखने को मिला। पुराने जमाने में देहरीज को पार करना घर की इज्जत और आबरू समझी जाती थी बहुएं घूंघट में रहती थी पर दहलीज के बाहर नहीं निकलती थी। अक्सर हम लोग फिल्मों में डायलॉग सुनते आए है कि यदि घर की दहलीज नागी तो सारे रिश्ते खत्म इत्यादि। यह गांव भौंकापुर सरोजिनी नगर लखनऊ में स्थित है बहुत ही साफ सुथरा और संस्कारों से युक्त परंपराओं का निर्वाह करने वाला गांव दिखा। हर घर के सामने लगभग साफ-सुथरा स्थान था नालियां भी साफ सुथरी थी लोगों ने बताया कि सभी लोग अपना घर और पड़ोस लोग रोज सुबह खुद साफ करते हैं। गांव की महिलाएं जहां तक संभोग हो सामने शुद्ध गोबर से लिपाई भी करती हैं जबकि घर पक्के बने हो फिर भी। यहां बहुत से मंदिर थे जिसमें एक लगभग दो सौ वर्ष पुराना राम जानकी मंदिर स्थित है। और इसी के तहत लकड़ी की चौखट वाली डेहरी आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित जरूर करती हैं। सनातन संस्कृति और परंपरा की देहरी को नमन करते हुए।

... कुछ शेष जो रह गया है ..
तेरी दहलीज पर ,एक दिन
छोड़ आऊँगी
देखना , तेरे आँगन के
आसमाँ पर
बादल बन, ठहर जाऊँगी ।

चोखे रंग की तलाश

जो गरिमा शब्द सेवानिवृत्ति में है, वह भला रिटायर कर देने या छुटकारा पा लेने में कहां? इसीलिए बड़े बूढ़े फरमा गए हैं, कि बेटा किसी को जहर भी देना हो तो मीठी गिल्लौरी में डाल कर देना, वह मजे से निगल जाएगा और रुखसत होते हुए उसके स्वाद की तारीफ भी कर देगा। अभी पिछले दिनों ऐसी ही एक वाहवाही इस आदेश ने लूट ली। बेकारी की समस्या की भीषणता से पूरा देश दो-चार हो रहा है। जनाब, लोगों ने अपने बच्चे कालेजों में पढ़ाने बंद कर दिए हैं और पढ़ाने के नाम पर आईलैट्स अकादमियों में डाल दिए हैं, कि वहां औपचारिक ग्रेड प्राप्त करने के बाद छोकरे विदेश निकल जाएं। सुना तो है सबने कि विदेशों में सोना बरसता है। छोकरा, छोकरी वहां मेहनत मजदूरी पा जाएंगे, तो इस देश के खिलंदड़ेपन और लक्ष्यहीन आवारगी से छुटकारा नहीं, निवृत्ति होगी। भारतीय रुपए के गिरते मूल्य की इतनी कृपा है कि अमरीका, इंग्लैंड में कमाया गया डालर या पाऊंड भारत में आ कर सत्तर से सौ गुणा कीमती हो जाता है। इंग्लैंड और अमरीका गया हमारा कामगार भारत का दौरा करता है तो उसकी परायी मुद्रा अपनी धरा की भारतीय मुद्रा में सत्तर से सौ गुणा हो जाती है।

अमरीका का आम फहम भारत का लखपति, करोड़पति बन जाता है। यही तो भेद है कि आज के मसफूटते नौजवानों ने औपचारिक पारंपरिक शिक्षा से छुटकारा नहीं, निवृत्ति कहो, पा आईलैट्स का दामन थामा। एक विदेश की धरती की टिकट लगा गया। शेष बचे कतार में खड़े हैं। कहां कतार तो लगनी चाहिए थी, डिजिटल भारत, इंटरनैट भारत बनाने के लिए, नई शिक्षा प्रणाली के विद्या मंदिरों के बाहर, और कहां आजकल यह कतार लग रही है, वैध-अवैध मंत्र पढ़ कर देश की नई पीढ़ी को विदेशी धरती तक पहुंचाने के लिए? देश की अकादमियों में उचित ग्रेड दिलवाने के ठेके लग गए। शर्तिया विदेश पहुंचा देने के दाम घोषित हो गए। शिक्षा के नवीनीकरण के नाम पर उसका चेहरा ही बदल गया। शायद साम, दाम, दंड, भेद का सिलेबस बन गया है कि आप का बच्चा सात समुद्र पार करवा दिया जाएगा। बस, फीस अग्रिम जमा करवा दीजिए। साब, ऊपर से नीचे तक रास्ता पार करवाने वालों की हथेलियां चुपडऩी पड़ती हैं। तब पार पत्रों का रास्ता हमवार होता है। यह रास्ता बनाने में पूरा परिवार जुटा है। अभी तक सभी यहां बैठे मनरेगा के आसरे जीने की बाट जोह रहे थे। घर का एक भी बशर किसी चोर दरवाजे से निकल गया, तो बाद में 'बरसों से बैठा ठाला शेष' परिवार इसे मुख्य द्वार बना इस धरती से उड़ान भर सकेगा। उनकी धरती पर उतर जाएगा। महोदय, हर युग का अपना-अपना प्रिय उद्योग होता है। इन दिनों यह उद्योग बना है देश की नई पीढ़ी को विदेश का रास्ता दिखाने का। ज्यों-ज्यों यह रास्ता खुल रहा है, त्यों-त्यों लगता है मुंबई का विरार का इलाका और दूसरे महानगरों के पिछवाड़े या भूख से सूखती हुई अंधेरी गलियां विदेश प्रयाण का रास्ता तलाश रही हैं। गांव के गांव खाली हो गए। युवक गए और पीछे रह गए गांवों के बड़े बूढ़े। इन युवकों के लिए क्या कहें? उन्होंने तो इस देश के अंधकूप से निवृत्ति पाई और पीछे छोड़ गए निस्तेज लोगों के लिए अपने साथ आ बसने का मुक्ति मार्ग। इसे इस धरती से छुटकारा पाना या पलायनवाद की मानसिकता न कहना, क्योंकि ऐसे कट् शब्दों में अपने देश की अपंगता को नंगा कर देना शालीनता नहीं। अब जब हमें विदेश या शालीन देशों में खिसक ही जाना है, तो वहां की दोहरी जुबान और दोहरी मानसिकता को जीने का अंदाज भी सीख लेना चाहिए।

अभी देखो न, दूसरी बानगी आजकल की इन चुनाव पटाऊ संध्याओं में भी मिलने लगी। अभी देश में इंटरनेट क्रांति हुई है। इसे कामयाब करने के लिए नौजवानों की भारी संख्या दरकार है, लेकिन दिक्कत यह है कि ये लोग डिजिटल काम सीखे नहीं। इसलिए फिलहाल ये लोग पकौड़े बेच सकते हैं।

कौन चाहता है युद्ध और क्या हासिल होगा उससे

महाभारत के शांतिपर्व में कहा गया है-**न युद्धात् परमं किंचिद् युद्धं सर्वं न संनादति। युद्धेन संनादति सर्वं तस्माद् युद्धं परित्यजेत।।**

(युद्ध से बढ़कर कोई आपदा नहीं, युद्ध सब कुछ नष्ट कर देता है। इसलिए युद्ध का परित्याग करना चाहिए)। भारत में जब कभी भी पाकिस्तान द्वारा पोषित आतंकवादी जमात की ओर से कोई बड़ा हमला होता है और उसमें बड़ी संख्या में लोग मारे जाते हैं तो मीडिया और सोशल मीडिया में युद्ध के ढोल-नगाड़े बजने लगते हैं। इस समय भी यही हो रहा है।

पिछले महीने की 22 तारीख को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर पूरा देश क्षुब्ध और उद्वेलित है। चूंकि हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े द रसिस्टेंस फ्रंट ने ली है, जिसे पाकिस्तानी सेना और वहां की खुफिया एजेंसी आईएसआई से खाद-पानी मिलता है। पहलगाम हमले में जो लोग मारे गए हैं, वे सभी मध्यमवर्गीय परिवारों के होंगे। उनमें किसी ने अपना बेटा तो किसी ने पति, किसी ने अपना भाई और किसी ने पिता को खोया है। उन सभी के दर्दनाक तरीके से मारे जाने पर उनके परिवारजनों का दुख और गुस्सा जायज है और उसमें पूरे देश का शामिल होना भी लाजिमी है। फिर भी कॉरपोरेट घरानों से नियंत्रित टीआरपी-पिपासु टीवी चौनल भारतीय जन-मन के क्षोभ, शोक और आक्रोश का निर्लज्जता के साथ व्यापार कर रहे हैं। जिस दिन पहलगाम में हमला हुआ उस दिन से आज तक दिल्ली और मुंबई स्थित टीवी चौनलों पर तीतर-बटेर छाप बहसों में रक्षा विशेषज्ञों के तौर पर शामिल रक्षा तथा विदेश मंत्रालय, सेना एवं खुफिया सेवाओं के पूर्व अफसर जनाक्रोश को युद्धोन्माद में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। टीवी चौनलों के मूर्ख एंकर-एंकरनियां भी वीर बालकों की मुद्रा में उनके सुर में सुर मिला रही हैं। युद्धोन्माद पैदा करने के लिए इन टीवी चौनलों ने चंद पैसों पर आसानी से उपलब्ध हो जाने वाले पाकिस्तान के भी कुछ नेताओं, पूर्व नौकरशाहों, पूर्व सैन्य अफसरों को हायर कर रखा है। ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है। दरअसल ये श्रक्षा विशेषज्ञ किसी भी आतंकवादी हमले के बाद टीवी चौनलों के वातानुकूलित स्टूडियो में बैठकर पाकिस्तान को युद्ध के जरिये सबक सिखाने का सुझाव देते हैं और साथ ही यह रुदन भी कर डालते हैं कि भारतीय सेना के पास संसाधनों का अभाव है। अपनी ऐसी बातों से यह लोग आम लोगों पर यही प्रभाव छोड़ने की कोशिश करते हैं कि वे बहुत बहादुर और देशभक्त हैं, लेकिन बात इतनी सीधी नहीं है। दरअसल यह मामला उच्च तकनीक वाले हथियारों के अंतरराष्ट्रीय कारोबार से जुड़ा है। भारत हथियारों का बहुत बड़ा खरीदार है, लिहाजा हथियार बनाने वाली कई विदेशी कंपनियों के हित भारत से जुड़े हैं। भारतीय सेना, सुरक्षा एजेंसियों, विदेश सेवा और रक्षा महकमे के कई पूर्व अफसर इन कंपनियों के परोक्ष मददगार होते हैं। यह कंपनियां ऐसे लोगों को उनके रिटायरमेंट के बाद अनौपचारिक तौर पर अपना सलाहकार नियुक्त कर लेती हैं। ये लोग इन कंपनियों के हथियारों की बिक्री के लिए तरह-तरह से माहौल बनाने का काम करते हैं। देश में युद्धोन्माद पैदा करना और सेना में संसाधनों का अभाव बताना भी उनके इसी उपक्रम का हिस्सा है। कहने की आवश्यकता नहीं कि इन लोगों को इस काम के लिए हथियार कंपनियों से अच्छा खासा श्पारिश्रमिकश् मिलता है। तो देशभक्ति के नाम यह इनका अपना व्यापार है जो इन दिनों जोरों पर चल रहा है। युद्ध का माहौल बनाने में जुटे कुछ टीवी चौनलों ने तो यह भी बता दिया है कि दोनों देशों के बीच युद्ध में अगर परमाणु युद्ध हथियारों का इस्तेमाल होता है तो पाकिस्तान का नुकसान ज्यादा होगा, वह तबाह हो जाएगा, दक्षिण एशिया का भूगोल बदल जाएगा आदि-आदि। कुछ चौनल सुझा रहे हैं कि भारत युद्ध न भी करें तो पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में घुसकर आतंकवादियों के शिविर नष्ट कर दे। हालांकि भारत की ओर से ऐसी कार्रवाइयां पिछले 27 वर्षों में 11 बार हो चुकी हैं, जिनमें से दो बार तो मोदी सरकार के दौर में ही हुई हैं, तो भी पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान और उसके द्वारा पोषित आतंकवादियों के मनसूबों पर इसका कोई असर नहीं हुआ है। भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान का यह मुगालता पुराना है कि अमेरिका भारत का दोस्त है। इससे भी बड़ा मुगालता मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप उनके व्यक्तिगत दोस्त है। हमारे कॉरपोरेट घरानों, कॉरपोरेट पोषित मीडिया और देश के उच्च मध्यम वर्ग के मन में भी अमेरिका के प्रति अगाध श्रद्धा है। **:: चर्चित डेस्क**

> **ऐसे सभी लोगों के लिए क्या यह सूचना महत्वपूर्ण नहीं है कि अमेरिका ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा तो की है, लेकिन राष्ट्रपति ट्रम्प ने साथ में यह भी कहा है कि भारत और पाकिस्तान दोनों ही उनके करीबी हैं और दोनों खुद ही इस मसले को हल कर लेंगे। जाहिर है कि अमेरिका ने खुद को इस मामले से अलग रखने का इरादा जता दिया है।**

आज का राशिफल

मेष:- समय के साथ समझौता करके चलने का प्रयास करें। कार्यक्षेत्र को ही अपनी पूजा समझें और स्वयं को उसी ओर केंद्रित करें। पत्नी के साथ मधुर वणी का प्रयोग करें। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

वृषभ:- हर घटना से आपको सीख लेने की जरूरत है। नये क्षेत्र में निवेश से पूर्व जानकार लोगों से विचार-विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशाजनक विचारों को मन पर हावी न होने दें। नये व्यावसायिक यात्राओं का योग है।

मिथुन:- परिवार की छोटी-छोटी बातें बाहरी लोगों से न कहें। भावना से उद्वेलित मन संबंधियों के सुख-दुख के प्रति चिंतित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

कर्क:- भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा-बड़ा समझने के बजाए अपने कर्त्तव्यों का सही ढ़ंग से निर्वहन करें। वर्तमान कार्य से मन असंतुष्ट रहेगा। जरूरी कार्यो में आलस्य का त्याग करें।

सिंह:- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति हेतु चिंता उत्पन्न होगी। अपने स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही न बरतें एवं जीवन साथी के स्वास्थ्य के प्रति भी ध्यान दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित साधन लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या:- निकट संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुंदर छवि बनायें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति होने के आसार हैं। सामान्य दिनचर्या के साथ बीत रहे जीवन में उत्साह का अभाव रहेगा। घर में खुशहाली होगी।

तुला:- स्वयं को सही दिशा और लक्ष्य की ओर केंद्रित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकते हैं। किसी पुराने संबंध के प्रति विशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से अवरोधित कार्य हल होंगे।

वृश्चिक:- कोई छोटी बात भी परिवार में तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता हेतु नये उत्साह का संचार होगा। सामाजिक गतिविधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। भावनात्मक अभिव्यक्ति से संबंध मधुरत होंगे।

धनु:- महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुिष्ट पैदा करेंगी। तामसिक विचारों को मन से दूर ही रखें। विपरीतलिंगी संबंधों के प्रति आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में व्यय अपेक्षित है।

मकर:- बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिले-जुले संयोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आंतरिक क्षमताओं का एहसास कराएंगी। संतान संबंधी दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुम्भ:- शासन-सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित होगा। सामाजिक सक्रियता से मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिंतित होगा।

मीन:- किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्धित्ता से पुरानी समस्याओं पर विजय प्राप्त कर सुख की अनुभूति करेंगे।

सड़क हादसे में राहगीर की मौत

कछौना/हरदोई, चसं। दो व्यक्ति रिश्तेदारी को जाने हेतु लखनऊ पलिया हाईवे (एनएच 731) पर ग्राम भीरीघाट के पास खड़े थे। इसी दौरान तेज गति से आ रहे पिकअप डाला चालक ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें एक व्यक्ति की मौके पर मृत्यु हो गई। दूसरा व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसका इलाज प्राइवेट अस्पताल में चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार, थाना क्षेत्र बघौली के ग्राम शिवपुरी निवासी भोगीलाल उम्र 40 वर्ष अपने साथी शालिक राम निवासी बनियन खेड़ा के साथ एक वैवाहिक कार्यक्रम में जाने के लिए लखनऊ पलिया हाईवे (एनएच731) पर ग्राम भीरीघाट के पास वुधवार को जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे, इसी दौरान तेज गति से आ रहे पिकअप डाला ने जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें भोगीलाल निवासी शिवपुरी थाना बघौली उम्र 40 वर्ष की मौके पर मृत्यु हो गई। पिकअप चालक मौके से वाहन सहित फरार हो गया। घायल शालिक राम निवासी बनियन खेड़ा को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कछौना में भर्ती कराया, जहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रिफर कर दिया, शालिक राम का एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है।

मृतक के शव को पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। इस घटना से परिजनों के ऊपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है।

बच्चों में खेल गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाय : नितिन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

हरदोई। विवेकानंद सभागार में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आबकारी एवं मद्य निषेध विभाग नितिन अग्रवाल ने विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक की। सभागार परिसर में पहुँचने पर राज्यमंत्री को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। सभागार में समीक्षा प्रारम्भ होने के पूर्व जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने मंत्री का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इसके उपरांत सिंचाई विभाग द्वारा पीपीटी के माध्यम से संभावित बाढ़ से निपटने की रणनीति के बारे में जानकारी दी गयी। माननीय मंत्री ने कहा कि बाढ़ से निपटने की सभी तैयारियां समय से पूर्ण कर ली जाये।

उन्होंने सिंचाई विभाग द्वारा कराये जा रहे सात बाढ़ निरोधक कार्यों की जानकारी ली। शासन को प्रेषित सभी 9 प्रस्तावों की जानकारी भी उन्होंने अधिशाषी अभियंता सिंचाई से प्राप्त की। उन्होंने कहा कि नहरों की सफाई व नहर पटरी के निर्माण सम्बन्धी कार्य समय से करा लिए जाएं। जन प्रतिनिधियों से भी बाढ़ निरोधक तैयारियों के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया जाये। ड्रेजिंग का कार्य जल्द पूर्ण कराया जाये। प्रधानमंत्री आवास योजना की समीक्षा के दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वे के अंतर्गत पात्रों के चयन का कार्य किया जाये। मुख्यमंत्री आवास योजना के निर्माणाधीन आवासों का कार्य जल्द पूरा किया जाये। जीरों पावर्टी के अंतर्गत चिन्हित परिवारों के सत्यापन का कार्य जल्द पूरा किया जाए। पंचायती राज विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि निर्माणाधीन सामुदायिक शौचालयों का कार्य तेजी से कराया जाये। सड़क निर्माण की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि कार्य के दौरान समय व गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। चौड़ीकरण के कार्यों को तेजी से कराया जाये। नवनिर्माण के

● राज्यमंत्री ने की विभिन्न विभागों की समीक्षा बैठक

कार्यों को समय सीमा के अंतर्गत पूर्ण कराया जाये। सभी निर्माणाधीन सेतुओं निर्माण तेजी से कराया जाये।

जल निगम की समीक्षा करते हुए उन्होंने दिए कि पूर्ण संतृप्तीकरण का कार्य तेजी से किया जाये। परियोजनाओं में समय सीमा का पूरा ध्यान रखा जाये। पाईपलाइन परियोजना पूर्ण होने के बाद क्षतिग्रस्त सड़कों का तत्काल पुर्निर्माण कराया जाये। माननीय मंत्री ने जनपद में गोसंरक्षण की स्थिति पर संतुष्टि जतायी। बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि कायाकल्प के सभी बिन्दुओं पर सभी विद्यालयों का संतृप्तीकरण सुनिश्चित किया जाये। शिक्षा का अधिकार अधिनियम के अंतर्गत अलाभित समूह के पात्र बच्चों को लाभान्वित कराया जाये। सभी विद्यालयों को निपुण बनाने के लिए विशेष प्रयास किये जाएं। बच्चों में खेलकूद गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाये। प्रत्येक विधानसभा में 100 विद्यालयों को चिन्हित कर उन स्कूलों में खेल के मैदान का निर्माण कराया जाये जिससे बच्चों का शारीरिक व मानसिक विकास हो सके। माध्यमिक शिक्षा विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट अलंकार के अंतर्गत कराये जा रहे कार्यों को तेजी से पूरा कराया जाये। अवशेष विद्यालयों में बाउंड्री बनाने का कार्य जल्द कराया जाये। सभी विद्यालयों में विद्युत संयोजन सुनिश्चित किया जाये। गेहूँ क्रय की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि क्रय की गति बढ़ाई जाये। क्रय केंद्रों पर आने वाले किसानों की पूरी सहायता की जाये। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि ट्रामा सेंटर का निर्बाध संचालन सुनिश्चित किया जाये। मरीजों को बेहतर सुविधा देने के लिए चिकित्सा विभाग व चिकित्सा शिक्षा विभाग परस्पर समन्वय बनाकर कार्य करें। जिला अस्पताल में विद्युत लोड बढ़ाने की कार्रवाई जल्द पूरी की जाये।

विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की बिलिंग व्यवस्था को दुरुस्त किया जाये। रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाये। जेई फोन अवश्य उठायें। पर्यटन विभाग की समीक्षा में उन्होंने कहा कि गाँधी भवन में मरम्मत व सुंदरीकरण का कार्य जल्द प्रारम्भ किया जाये। माननीय मंत्री ने कहा ग्राम पंचायतों में की जाने वाली जाँचों को एक निर्धारित समय सीमा में पूर्ण किया जाये। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी रोहतास कुमार व सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

विधायक के इशारे पर महाराणा प्रताप की जयंती मनाने की प्रशासन ने नहीं दी अनुमति : राजवर्धन सिंह

हरपालपुर/हरदोई, चसं। अखिल भारतीय क्षत्रिय कल्याण परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष युवा व मिशन आत्म संतुष्टि के संस्थापक राजवर्धन सिंह राजू ने क्षेत्रीय भाजपा विधायक पर तानाशाही का करने आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि 9 मई को हरपालपुर के एक गेस्ट हाउस में महाराणा प्रताप की जयंती मनाने के लिए क्षेत्रीय भाजपा विधायक के दबाव में प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। बृहस्पतिवार को हरपालपुर के गेस्ट हाउस में पत्रकारो से बातचीत में उन्होंने कहा कि कटियारी क्षेत्र की समस्याओं और उत्पीड़न की आवाज उठाने पर क्षेत्रीय विधायक के दवाब में उनके,एवं उनकी पत्नी व उनके समर्थकों पर तमाम मुकदमे लिखवा दिए गये हैं। उन्होंने कहा कि कि वह फर्जी मुकदमों से झुकने वाले नहीं है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को अनुमति देकर कैंसिल कर दी गई। जनपद या प्रदेश में कहीं भी कार्यक्रम कर लिया जाए क्योंकि सवायजपुर विधानसभा में तानाशाही हुकूमत चल रही है बड़े बुजुर्गों को बेइज्जत करना राजनीतिक विरोधियों को परास्त करना सजातीय लोगों को गहरे गड्ढे में दफन करना यह उनकी प्राथमिकता है। जिलाधिकारी एवं पूर्व विधायक गंगा सिंह चौहान जी की वार्ता होती रही और कार्यक्रम की अनुमति मांगी थी मौजूदा समय में कोई भी अधिकारी फोन नहीं उठा रहे हैं कि क्षेत्र की जनता समय आने पर उनकी तानाशाही का करारा जवाब देगी। इस मौके पर उनके प्रतिनिधि मंसूरी मौजूद रहे।

चार के विरुद्ध सरकारी नाली तोड़ने की रिपोर्ट

हरपालपुर /हरदोई, चसं। विकास खंड की ग्राम पंचायत ककरा के मजरा नाँदखेड़ा गॉव में ग्राम पंचायत की ओर से बनवाई गयी नाली तोड़ने के मामले में एक नामजद पर तीन अज्ञात लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। ग्राम प्रधान अरुण व ग्राम पंचायत अधिकारी अभय सिंह की तहरीर पर दर्ज कराई गई रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि 2 मई को ग्राम पंचायत ककरा के मजरा नाँदखेड़ा गांव में करीब डेढ लाख रुपये से नवनिर्मित100 मीटर नाली गांव के कुछ लोगो ने तोड़ डाली।ग्राम प्रधान अरुण देवी व ग्राम पंचायत अधिकारी अभय सिंह की शिकायत पर खंड विकास अधिकारी राजीव गुप्ता ने प्रभारी निरीक्षक हरपालपुर को रिपोर्ट दर्ज करने के लिए पत्र लिखा था।प्रभारी निरीक्षक बालकृष्ण मिश्र ने बताया कि तहरीर पर नॉखेड़ा गांव निवासी रिंकू व तीन अज्ञात लोगों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

विश्व रेड क्रॉस दिवस पर सर जॉन हेनरी ड्यूना का जन्मदिन

हरदोई, चसं। विश्व रेडक्रॉस दिवस के अवसर पर रेडक्रॉस सोसायटी हरदोई शाखा में सर जॉन हेनरी ड्यूना के जन्म दिवस के अवसर पर उनके चित्र पर माल्यार्पण करके सोसायटी के सभापति डॉ. रमेश अग्रवाल ने आयोजित गोष्ठी की शुरुआत की। विश्व रेडे क्रॉस और रेड क्रिएसेंट दिवस 2025 की आधारिक थींम मानवता को जीवित रखना पर गोष्ठी का संचालन कोषाध्यक्ष अनिल श्रीवास्तव ने किया। गोष्ठी के शुरुआत में प्रबंध समिति सदस्य अभिषेक गुप्ता ने विश्व रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट दिवस के विषय पर प्रकाश डाला और आपदा अध्यक्ष महेश चन्द्रा ने सर जान हेनरी ड्यूना के जीवन पर प्रकाश डाला। भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष अल्का गुप्ता ने मानवता की सेवा पर विचार रखे। रेड क्रॉस सोसायटी के सचिव सुनील सिंह सोमवंशी ने गोष्ठी में उपस्थित सभी लोगो को धन्यवाद देते हुए गोष्ठी का समापन किया। इस अवसर पर उपसभापति अखिलेश सिंह सिकरवार,पीआरओ रवि शंकर शुक्ला,आपदा प्रभारी लक्ष्मी कान्त मिश्रा, अतुल कुमार, सुधीर अवस्थी, एस. के दीक्षित, एम डी गुप्ता,भानु सिंह आदि उपस्थित रहे।

पानी के मोटर में आए करंट से दिव्यांग युवक की मौत

हरपालपुर/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के शिखवापुर गांव में बृहस्पतिवार की सुबह स्नान के लिए मोटर से पानी निकालने गये युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई है। कोतवाली क्षेत्र के शिखवापुर गांव निवासी रूपेश 23 पुत्र मुनेश्वर दाहिने पैर से दिव्यांग अविवाहित था। वह अपने घर पर ही गुमटी में परचून की दुकान चलाकर अपना गुजारा करता था। बृहस्पतिवार की सुबह करीब 7 बजे वह स्नान करने के लिए मोटर से पानी निकालने गया था। तभी उसे बिजली का करंट लग गया। आनन फानन परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हरपालपुर ले गए। वहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक दो भाई व चार बहनों में दूसरे नंबर का था। उसकी मौत से मां मायावती समेत परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

मारपीट के तीन आरोपी पुलिस गिरफ्त में

हरदोई, चसं। संडीला थाना क्षेत्र के देवियां पुर में सात मई को हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने तीन नामजद आरोपियों को हिरासत में लेकर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है। प्राप्त विवरण में पीड़ित प्रदीप पुत्र कल्लू ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र में गांव निवासी सात लोगों के विरुद्ध उसे और उसके परिजनों को गाली गलौज और मारपीट कर घायल करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। कोतवाली संडीला के उपनिरीक्षक अनुज कुमार, ओमकार और पुलिस बल ने मारपीट की घटना में नामजद आरोपी पंकज पुत्र रामेश्वर,आलोक और विशोक को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की है।

किशोरी लापता, आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद/हरदोई,चसं। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में मौसी के घर रह रही किशोरी के लापता होने के मामले में किशोरी की मां ने एक युवक पर उसकी पुत्री को बहला फुसलाकर भगा ले जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है। शाहजहांपुर जनपद निवासी किशोरी की मां के अनुसार उसकी 14 वर्षीय पुत्री कोतवाली शाहाबाद क्षेत्र के एक गांव में अपनी मौसी के पास रहती थी।कोतवाली क्षेत्र के ग्राम हैबतपुर निवासी पप्पू पुत्र पट्टे लाल उसकी पुत्री को 5 मई की दोपहर में बहला फुसलाकर कहीं भगा ले गया है।उसने अपनी पुत्री की काफी खोजबीन की लेकिन कोई पता नहीं चल सका। किशोरी की मां की लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

पिता को धमकाने वाले पुत्र पर रिपोर्ट दर्ज

शाहाबाद/ हरदोई, चसं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला मीराबस्ती निवासी एक पिता ने अपने बड़े पुत्र के विरुद्ध गाली गलौज और धमकाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई है।पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है।

पीड़ति राम सहाय पुत्र पूसेलाल के अनुसार उसके 6 पुत्र हैं।वह विवाद न होने की वजह से घर और अपनी दुकानें बेचकर सबको बराबर हिस्सा देना चाहता है।उसके पांच पुत्र उसके फैसले से सहमत है।लेकिन उसका पुत्र विरोध कर रहा है।उसके पुत्र राजेश ने 5 मई की शाम को उसे गाली गलौज करते हुए जान से मार डालने की धमकी दी है।पिता की लिखित तहरीर के आधार पर पुलिस ने उसके पुत्र के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

सूखे पड़े अमृत सरोवर, तालाब, पानी की तलाश में भटक रहे बेजुबान, जिम्मेदार मूकदर्शक

चर्चित राजनीति। संवाददाता

कछौना/हरदोई। गर्मी मौसम में अमृत सरोवर, तालाब सूख गए हैं। तालाबों में पानी न होने के कारण पशु पक्षी बेहाल हैं। क्षेत्रीय विकास जन आंदोलन के अध्यक्ष रामखेलावन कनौजिया ने तालाब में पानी भराव की मांग शासन प्रशासन से की है। कस्बा सहित ग्रामीण क्षेत्र में अमृत सरोवर, मनरेगा के तहत खुदे तालाब परमपरागत तालाब प्रशासन की अनदेखी के चलते लोगों ने धीरे-धीरे कब्जा कर लिया है। उनमें से पानी का सिंचाई हेतु प्रयोग कर लिया है।

वहीं ग्राम सभा में स्थित आबादी की भूमि पर स्थित तालाबों पर क्षेत्रीय लोगों ने धीरे-धीरे कब्जा कर निर्माण कार्य कर लिया है। राजस्व कर्मियों का कहना है तालाब का स्वरूप होने के बावजूद अभिलेखों में तालाब दर्ज न होने के कारण लोग घरों के पीछे तालाब पर मिट्टी डालकर धीरे-धीरे कब्जा कर लेते हैं। मनरेगा के तहत खुले तालाब भी राजस्व अभिलेखों में दर्ज नहीं हो सके हैं। तालाब की जल संचयन में महत्वपूर्ण भूमिका है। वही तालाब में सिंघाड़ा डालने से लोगों द्वारा कीटनाशक दवाओं का अंधाधुंध प्रयोग से बेजुबान पशु व पक्षी असमय मृत्यु के घाट उतर जाते हैं। वही कीटनाशक दवाओं के अंधाधुंध प्रयोग से कमल के फूल की खेती तालाबों से गायब हो रही है। वही खनन माफिया, पुलिस प्रशासन के संरक्षण के चलते व्यावसायिक प्रयोग हेतु एक मिट्टी खनन के कार्य में प्रयोग कर रहे हैं। लगातार खनन माफिया मिट्टी खोदकर निकाल रहे हैं। जबकि सुप्रीम कोर्ट का सख्त निर्देश है तालाब पर अतिक्रमण व स्वास्थ्य में परिवर्तन घोर अपराध है।खंड विकास अधिकारी ने बताया जिलाधिकारी के आदेशानुसार शीघ्र तालाबों में पानी भराया जाएगा। एपीओ मनरेगा ने बताया तालाबों का उद्देश्य बरसात के पानी का जल संचयन के लिए है। पानी भरे जाने का कोई प्रावधान नहीं है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ-2025

रेलयात्रियों के सुविधाजनक आवागमन हेतु रेलवे द्वारा निम्नलिखित ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियाँ निम्नलिखित विवरण के अनुसार चलायेगी:-

उत्तर रेलवे नेटवर्क से यात्रा प्रारम्भ करने वाली/समाप्त करने वाली ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों की सूची

गाड़ी संख्या	स्टेशन से	प्रस्थान समय	स्टेशन तक	आगमन समय	आवृत्ति	चलने के दिन	चलने के तिथि
04088	नई दिल्ली	15:50	पटना जंक्शन	08:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04087	पटना जंक्शन	12:00	नई दिल्ली	04:40			11.07.2025 तक
04064	नई दिल्ली	09:30	शेखपुरा	05:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04063	शेखपुरा	07:00	नई दिल्ली	23:35		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04066	नई दिल्ली	21:35	सहरसा जंक्शन	22:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04065	सहरसा जंक्शन	23:55	नई दिल्ली	23:30		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04022	नई दिल्ली	14:00	गोरखपुर	05:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	09.05.25 से 11.07.25 तक
04021	गोरखपुर	07:00	नई दिल्ली	23:10		शनिवार	10.05.25 से 12.07.25 तक
04081	नई दिल्ली	23:45	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:40	त्रि–साप्ताहिक	सोमवार, बुध, शनि	12.07.2025 तक
04082	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	21:20	नई दिल्ली	09:30		मंगल, गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04012	दिल्ली जंक्शन	19:30	दरभंगा जंक्शन	20:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04011	दरभंगा जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	22:40		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04024	दिल्ली जंक्शन	19:30	वाराणसी जंक्शन	09:45	त्रि–साप्ताहिक	सोम,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04023	वाराणसी जंक्शन	18:35	दिल्ली जंक्शन	08:50		मंगल,शुक्र,रवि	11.07.2025 तक
04026	दिल्ली जंक्शन	23:05	रक्सौल जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04025	रक्सौल जंक्शन	22:00	दिल्ली जंक्शन	17:45		शुक्रवार	09.05.25 से 11.07.25 तक
04018	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:00	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04017	मुजफ्फरपुर जं	07:30	आनंद विहार (ट)	06:00		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04020	आनंद विहार (ट)	19:30	बरौनी जंक्शन	18:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04019	बरौनी जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	19:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04070	आनंद विहार (ट)	00:20	राजगीर	19:50	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04069	राजगीर	23:30	नई दिल्ली	19:00		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04096	आनंद विहार (ट)	05:00	जयनगर	12:00	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	10.07.2025 तक
04095	जयनगर	17:00	आनंद विहार (ट)	19:55		मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04098	आनंद विहार (ट)	05:00	सीतामढी	02:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	11.07.2025 तक
04097	सीतामढी	03:45	आनंद विहार (ट)	01:30		बुध, शनि	12.07.2025 तक
04030	आनंद विहार (ट)	09:00	मुजफ्फरपुर जंक्शन	04:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शनि	17.05.2025 तक
04029	मुजफ्फरपुर जंक्शन	06:15	आनंद विहार (ट)	03:10		बुध, रवि	18.05.2025 तक
04094	आनंद विहार (ट)	23:55	जोगबनी	07:30	साप्ताहिक	गुरुवार	10.07.2025 तक
04093	जोगबनी	09:30	आनंद विहार (ट)	16:00		शनिवार	12.07.2025 तक
04207	लखनऊ जंक्शन	08:05	नई दिल्ली	17:50	साप्ताहिक	सोमवार	07.07.2025 तक
04208	नई दिल्ली	20:20	लखनऊ जंक्शन	06:00		सोमवार	07.07.2025 तक
04213	अयोध्या कैंट	18:20	आनंद विहार (ट)	06:00	त्रि–साप्ताहिक	रवि,मंगल,गुरु	10.07.2025 तक
04214	आनंद विहार (ट)	09:00	अयोध्या कैंट	22:00		सोम,बुध,शुक्र	11.07.2025 तक
04687	बनिहाल	18:40	बडगाम	20:20	सप्ताह में 06 दिन	शुक्रवार को छोड़कर	03.06.2025 तक
04688	बडगाम	08:35	बनिहाल	10:40			03.06.2025 तक
04217	वाराणसी जंक्शन	06:25	लखनऊ जंक्शन	11:45	प्रतिदिन		30.06.2025 तक
04218	लखनऊ जंक्शन	16:30	वाराणसी जंक्शन	21:50			30.06.2025 तक
04219	शाहगंज जंक्शन	22:35	अयोध्या धाम जंक्शन	01:40	प्रतिदिन		10.07.2025 तक
04220	अयोध्या धाम जंक्शन	02:10	शाहगंज जंक्शन	04:40			10.07.2025 तक
02270	लखनऊ जंक्शन	14:15	छपरा	21:30	सप्ताह में 06 दिन	मंगलवार को छोड़कर	11.07.2025 तक
02269	छपरा	23:00	लखनऊ जंक्शन	06:30			11.07.2025 तक
04604	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	18:15	वाराणसी जंक्शन	19:00	साप्ताहिक	रविवार	06.07.2025 तक
04603	वाराणसी जंक्शन	05:30	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	11:25		मंगलवार	08.07.2025 तक
04206	वाराणसी जंक्शन	14:50	चंडीगढ़	07:45	साप्ताहिक	शनिवार	05.07.2025 तक
04205	चंडीगढ़	09:30	वाराणसी जंक्शन	01:20		रविवार	06.07.2025 तक
04518	भटिंडा जंक्शन	20:50	वाराणसी जंक्शन	17:30	द्वि–साप्ताहिक	सोम, शुक्र	11.07.2025 तक
04517	वाराणसी जंक्शन	20:40	भटिंडा जंक्शन	17:00		मंगल, शनि	12.07.2025 तक
04209	लखनऊ जंक्शन	20:45	चंडीगढ़	07:55	त्रि–साप्ताहिक	सोम,बुध,शुक्र	09.07.2025 तक
04210	चंडीगढ़	10:20	लखनऊ जंक्शन	21:30		मंगल,गुरु,शनि	10.07.2025 तक
04504	चंडीगढ़	23:35	पटना जंक्शन	22:10	साप्ताहिक	गुरुवार	29.05.2025 तक
04503	पटना जंक्शन	22:45	चंडीगढ़	23:10		शुक्रवार	30.05.2025 तक
04302	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	मुजफ्फरपुर जंक्शन	13:00	साप्ताहिक	मंगलवार	15.07.2025 तक
04301	मुजफ्फरपुर जंक्शन	15:00	योग नगरी ऋषिकेश	14:20		बुधवार	16.07.2025 तक
04606	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	21:30	गुवाहाटी	19:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	30.05.2025 तक
04605	गुवाहाटी	23:20	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	20:45		सोमवार	02.06.2025 तक
04610	जम्मू तवी	06:20	वाराणसी जंक्शन	05:10	साप्ताहिक	गुरुवार	09.07.2025 तक
04609	वाराणसी जंक्शन	09:00	जम्मू तवी	07:45		शुक्रवार	09.05.25 से 10.07.25 तक
04304	योग नगरी ऋषिकेश	15:20	गोरखपुर	06:20	साप्ताहिक	शनिवार	10.05.25 से 12.07.25 तक
04303	गोरखपुर	09:00	योग नगरी ऋषिकेश	00:55		रविवार	11.05.25 से 13.07.25 तक
04602	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	15:10	पटना जंक्शन	18:00	द्वि–साप्ताहिक	बुध, शनिवार	12.07.2025 तक
04601	पटना जंक्शन	20:50	फिरोजपुर कैंट जंक्शन	23:55		गुरु, रविवार	13.07.2025 तक
04608	अमृतसर जंक्शन	20:10	दरभंगा जंक्शन	02:30	साप्ताहिक	शुक्रवार	09.05.25 से 11.07.25 तक
04607	दरभंगा जंक्शन	04:00	अमृतसर जंक्शन	10:30		रविवार	11.05.25 से 13.07.25 तक
04212	सुल्तानपुर जंक्शन	04:00	लोकमान्य तिलक	14:00	साप्ताहिक	सोमवार	23.06.2025 तक
04211	लोकमान्य तिलक	16:35	सुल्तानपुर जंक्शन	23:00		मंगलवार	24.06.2025 तक
03255	पटना जंक्शन	22:20	आनंद विहार (ट)	18:35	द्वि–साप्ताहिक	रवि, गुरु	02.01.2025 से अगले आदेश तक
03256	आनंद विहार (ट)	23:30	पटना जंक्शन	18:35		सोम, शुक्र	03.01.2025 से अगले आदेश तक
05049	छपरा	10:15	अमृतसर जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
05050	अमृतसर जंक्शन	17:45	छपरा	23:55		शनिवार	08.02.2025 से अगले आदेश तक
05305	छपरा	22:00	आनंद विहार (ट)	00:20	द्वि–साप्ताहिक	सोम, गुरु	17.02.2025 से अगले आदेश तक
05306	आनंद विहार (ट)	22:10	छपरा	22:50		बुध, शनि	19.02.2025 से अगले आदेश तक
05057	गोरखपुर जंक्शन	22:45	दिल्ली जंक्शन	12:50	साप्ताहिक	गुरुवार	06.02.2025 से अगले आदेश तक
05058	दिल्ली जंक्शन	14:00	गोरखपुर जंक्शन	06:25		शुक्रवार	07.02.2025 से अगले आदेश तक
01701	जबलपुर	19:40	अयोध्या कैंट	11:00	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01702	अयोध्या कैंट	13:30	जबलपुर	04:15		गुरुवार	26.06.2025 तक
03309	धनबाद जंक्शन	10:10	जम्मू तवी	22:40	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शनि	28.06.2025 तक
03310	जम्मू तवी	23:30	धनबाद जंक्शन	14:00		बुध, रवि	29.06.2025 तक
02397	गया	14:15	आनंद विहार (ट)	07:10	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
02398	आनंद विहार (ट)	08:20	गया	00:30		सोमवार	30.06.2025 तक
03257	दानापुर	07:30	आनंद विहार	00:30	साप्ताहिक	रविवार	27.07.2025 तक
03258	आनंद विहार (ट)	05:00	दानापुर	20:45		सोमवार	28.07.2025 तक
03697	गया	14:15	दिल्ली जंक्शन	07:45	सप्ताह में 6 दिन	रवि को छोड़कर	30.06.2025 तक
03698	दिल्ली जंक्शन	08:55	गया	00:30		सोम को छोड़कर	01.07.2025 तक
05577	सहरसा जंक्शन	20:00	आनंद विहार (ट)	00:30	सप्ताह में 5 दिन	गुरु, शनि को छोड़कर	30.06.2025 तक
05578	आनंद विहार (ट)	05:15	सहरसा जंक्शन	10:30		शनि, सोम को छोड़कर	02.07.2025 तक
02393	राजेंद्र नगर	20:10	नई दिल्ली	12:10	सप्ताह में 6 दिन	गुरुवार को छोड़कर	30.06.2025 तक
02394	नई दिल्ली	13:20	राजेंद्र नगर	07:00		शुक्र को छोड़कर	01.07.2025 तक
02877	रांची	23:55	नई दिल्ली	03:00	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
02878	नई दिल्ली	04:00	रांची	05:00		रविवार	29.06.2025 तक
05736	कटिहार जंक्शन	21:00	अमृतसर जंक्शन	09:45	साप्ताहिक	बुधवार	21.05.25 से 25.06.25 तक
05735	अमृतसर जंक्शन	13:25	कटिहार जंक्शन	23:45		शुक्रवार	23.05.25 से 27.06.25 तक
09183	मुंबई सेंट्रल	22:50	वाराणसी जंक्शन	10:30	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09184	वाराणसी जंक्शन	14:30	मुंबई सेंट्रल	04:20		शुक्रवार	27.06.2025 तक
03223	राजगीर	06:05	हरिद्वार जंक्शन	06:05	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
04324	हरिद्वार जंक्शन	07:20	राजगीर	07:15		शनिवार	28.06.2025 तक
03221	राजगीर	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	30.06.2025 तक
03222	शहीद कप्तान तुषार एम	03:15	राजगीर	15:00		बुधवार	02.07.2025 तक
05742	न्यू जलपाईगुड़ी	13:40	अयोध्या धाम जंक्शन	09:30	साप्ताहिक	रविवार	18.05.25 से 29.06.25 तक
05741	अयोध्या धाम जंक्शन	11:40	न्यू जलपाईगुड़ी	09:30		सोमवार	19.05.25 से 30.06.25 तक
03311	धनबाद जंक्शन	23:50	चंडीगढ़	04:30	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
03312	चंडीगढ़	06:00	धनबाद जंक्शन	09:00		गुरु, रवि	29.06.2025 तक
05113	छपरा	15:45	आनंद विहार (ट)	14:25	साप्ताहिक	बुधवार	14.05.25 से 16.07.25 तक
05114	आनंद विहार (ट)	16:00	छपरा	14:00		गुरुवार	15.05.25 से 17.07.25 तक
05301	मऊ जंक्शन	04:00	अंबाला कैंट	00:30	साप्ताहिक	गुरुवार	15.05.25 से 17.07.25 तक
05302	अम्बाला कैंट	01:40	मऊ जंक्शन	22:00		शुक्रवार	16.05.25 से 18.07.25 तक
05193	छपरा	14:00	शहीद कप्तान तुषार एम	23:05	साप्ताहिक	सोमवार	19.05.25 से 14.07.25 तक
05194	शहीद कप्तान तुषार एम	00:10	छपरा	08:00		बुधवार	21.05.25 से 16.07.25 तक
07363	हुब्बल्ली जंक्शन	20:30	योग नगरी ऋषिकेश	23:30	साप्ताहिक	सोमवार	24.02.2025 से अगले आदेश तक
07364	योग नगरी ऋषिकेश	06:15	हुब्बल्ली जंक्शन	06:30		गुरुवार	27.02.2025 से अगले आदेश तक
01491	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	शुक्रवार	27.06.2025 तक
01492	हजरत निजामुद्दीन	22:10	पुणे	23:55		शनिवार	28.06.2025 तक
09101	वडोदरा जंक्शन	19:00	हरिद्वार जंक्शन	14:30	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
09102	हरिद्वार जंक्शन	17:20	वडोदरा जंक्शन	11:25		रविवार	29.06.2025 तक
07023	चर्लपल्ली	20:45	हजरत निजामुद्दीन	02:00	साप्ताहिक	रविवार	29.06.2025 तक
07024	हजरत निजामुद्दीन	04:00	चर्लपल्ली	06:30		मंगलवार	01.07.2025 तक
07621	हुजूर साहिब नांदेड़	08:45	हजरत निजामुद्दीन	14:00	साप्ताहिक	शनिवार	28.06.2025 तक
07622	हजरत निजामुद्दीन	21:40	हुजूर साहिब नांदेड़	00:35		रविवार	29.06.2025 तक
09309	इंदौर जंक्शन	17:00	हजरत निजामुद्दीन	05:00	द्वि–साप्ताहिक	शुक्र, रवि	29.06.2025 तक
09310	हजरत निजामुद्दीन	08:20	इंदौर जंक्शन	21:00		शनि, सोम	30.06.2025 तक
09003	मुंबई सेंट्रल	10:30	दिल्ली जंक्शन	10:00	द्वि–साप्ताहिक	मंगल, शुक्र	27.06.2025 तक
09004	दिल्ली जंक्शन	13:05	मुंबई सेंट्रल	13:30		बुध, शनि	28.06.2025 तक
09425	साबरमती	17:20	हरिद्वार जंक्शन	17:00	द्वि–साप्ताहिक	गुरु, रवि	29.06.2025 तक
09426	हरिद्वार जंक्शन	21:00	साबरमती	22:30		शुक्र, सोम	30.06.2025 तक
09603	उदयपुर सिटी	01:50	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	06:35	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
09604	श्री माता वैष्णो देवी कटरा	10:50	उदयपुर सिटी	13:55		गुरुवार	26.06.2025 तक
01441	पुणे	17:30	हजरत निजामुद्दीन	18:10	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
01442	हजरत निजामुद्दीन	22:20	पुणे	02:45		बुधवार	28.05.2025 तक
01705	जबलपुर	15:45	हरिद्वार जंक्शन	13:50	साप्ताहिक	बुधवार	25.06.2025 तक
01706	हरिद्वार जंक्शन	17:40	जबलपुर	17:50		गुरुवार	26.06.2025 तक
07077	चर्लपल्ली	05:00	देहरादून	19:20	साप्ताहिक	मंगलवार	27.05.2025 तक
07078	देहरादून	07:00	चर्लपल्ली	22:30		गुरुवार	29.05.2025 तक

रेलयात्रियों से अनुरोध है किसी भी अन्य जानकारी जैसे मार्ग में पड़ने वाले स्टेशन एवं उनकी विस्तृत समय-सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पर हमें फॉलो करें

संक्षिप्त समाचार

डॉलर के मुकाबले रुपया साल के सबसे निचले स्तर पर

मुम्बई, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव का असर गुरुवार को विदेशी मुद्रा बाजार में साफनजर आया। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ 85.61 पर बंद हुआ। यह गिरावट पाकिस्तानी सेना द्वारा भारत के उत्तर और पश्चिमी हिस्सों में ड्रोन और मिसाइल हमले की कोशिशों के बाद देखी गई, हालांकि भारतीय रक्षा प्रणाली ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भू-राजनीतिक जोखिमों में इजाफा, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने रुपये पर दबाव बनाया। दिनभर के कारोबार में रुपया 84.52 से 85.77 के दायरे में घूमता रहा। बुधवार को भी रुपया 42 पैसे टूटकर 84.77 पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा कि अगर तनाव और बढ़ता है तो रुपया और कमजोर हो सकता है। हालांकि, एफआईआई निवेश कुछ राहत दे सकता है। उन्होंने बताया कि डॉलर-रुपया का हाजिर मूल्य 85.20 से 86 के बीच रह सकता है। इस बीच डॉलर इंडेक्स 0.46: की तेजी के साथ 100.07 पर पहुंच गया, जबकि ब्रेंट क्रूड 1.05: की बढ़त के साथ 61.76 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

सेंसेक्स 411 अंक टूटकर 80,334 पर हुआ बंद, निफ्टी भी 140 अंक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी। हफ्ते के चौथे कारोबार दिन आज यानी गुरुवार, 8 मई को शेयर बाजार गिरावट है। सेंसेक्स 411 अंक की गिरावट के साथ 80,334 के स्तर पर और निफ्टी भी 140 अंक टूटा, ये 24,273 के स्तर पर बंद हुआ। आज (8 मई) पाकिस्तानी शेयर बाजार में 6,948 (6.32 प्रतिशत) की गिरावट है। ये 103,060 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। शुरुआती कारोबार में इसमें करीब 1.5: की तेजी थी। कल (7 मई) भारत की ओर से स्ट्राइक के बाद कराची-100 इंडेक्स 3,556 अंक (3.13 प्रतिशत) गिरकर 110,013 के स्तर पर बंद हुआ। शुरुआती कारोबार में इसमें करीब 6 प्रतिशत की गिरावट थी। मंगलवार देर रात पाकिस्तान और पीओके के भीतर गई एयर स्ट्राइक का असर शेयर बाजार पर नहीं दिखा। बुधवार, 7 मई को सेंसेक्स 106 अंक चढ़कर 80,747 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 35 अंक की तेजी रही। ये 24,414 के स्तर पर बंद हुआ।

औंधे मुंह गिरा सोने-चांदी का भाव

मुंबई, एजेंसी। गुरुवार, 8 मई को सोने-चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (ईबीजेए) के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत घ्1,402 घटकर अब घ्96,024 प्रति 10 ग्राम हो गई है। बुधवार को यह घ्97,426 प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत में भी आज गिरावट देखी गई है। एक किलो चांदी घ्1,174 की गिरावट के साथ घ्94,600 पर पहुंच गई है, जो कल घ्95,774 प्रति किलो थी। गौरतलब है कि 21 अप्रैल को सोना घ्99,100 और 28 मार्च को चांदी 1,00,934 प्रति किलो के साथ अपने ऑल टाइम हाई पर पहुंची थी। ईबीजेए रेट्स के मुताबिक 23 कैरेट गोल्ड भी आज 1396 रुपये सस्ता होकर 96374 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव से खुला। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड का औसत हाजिर भाव दोपहर को करीब 1284 रुपए टूटकर 87958 रुपए प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। 18 कैरेट गोल्ड का भाव भी 1052 रुपए सस्ता होकर 72018 रुपए प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। जबकि, 14 कैरेट गोल्ड की कीमत 820 रुपए कम होकर 56174 रुपए पर आ गई है। हमेशा ब्यूरो ऑफइंडियन स्टैंडर्ड का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। सोने पर 6 अंकों का हॉलमार्क कोड रहता है। इसे हॉलमार्क यूनीक आइडेंटिफिकेशन नंबर यानी एचयूआईडी कहते हैं। हॉलमार्किंग के जरिए ये पता करना संभव है कि कोई सोना कितने कैरेट का है।

सब्जियां सस्ती, दालों के दाम गिरे, 3 प्रतिशत से नीचे आ सकती है रिटेल महंगाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। ब्याज दरों में स्थिरता के बाद अब महंगाई से भी आम जनता को राहत मिलने के संकेत हैं। बैंक ऑफबड़ौदा की रिसर्च रिपोर्ट के मुताबिक, अप्रैल 2025 की खुदरा महंगाई दर 3: से नीचे रह सकती है। सरकारी आंकड़े 13 मई (मंगलवार) को जारी होंगे। रिपोर्ट में कहा गया है कि हाल के हफ्तों में खाने की चीजों खास तौर पर सब्जियों के दाम में 34: तक और दालों के भाव में 15: तक गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि खाद्य तेल, खासकर सनफ्लावर ऑयल के दाम 30: तक बढ़े हैं लेकिन इसका असर महंगाई पर सीमित रहेगा क्योंकि इसका वेटेज इंडेक्स में 1: से भी कम है। महंगाई में गिरावट का सीधा असर रेपो रेट पर भी पड़ सकता है। रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई जून की बैठक में नीतिगत दर में 0.25: से ज्यादा कटौती कर सकता है। इससे लोन और ईएमआई सस्ती होने की उम्मीद बढ़ गई है। इसके अलावा, टमाटर, प्याज और आलू जैसे जरूरी खाद्य पदार्थों के उत्पादक राज्यों में तापमान में गिरावट के कारण फसलों की उपज बेहतर होने की संभावना है, जिससे दाम और गिर सकते हैं। मार्च में रिटेल महंगाई घटकर 3.34: रही। इससे पहले अगस्त 2019 में महंगाई 3.28: पर थी। यह 5 साल 7 महीने के निचले स्तर पर आ गई है। मार्च से एक महीने पहले यानी, फरवरी में महंगाई 3.61: पर थी। महंगाई के बास्केट में लगभग 50: योगदान खाने-पीने की चीजों का होता है। इसकी महंगाई महीने-दर-महीने आधार पर 3.75: से घटकर 2.67: हो गई है। वहीं ग्रामीण महंगाई 3.79: से घटकर 3.25: और शहरी महंगाई 3.32: से बढ़कर 3.43: हो गई है।

मयंक यादव बोले- विराट को आउट करने की प्लानिंग

लखनऊ, चसं। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) और रॉयल चैलेंजर बैंगलोर (आरसीबी) के बीच शुक्रवार को मैच खेला जाएगा। इससे पहले गुरुवार को दोनों टीमों ने पीसी (प्रेस कॉन्फ्रेंस) की। एलएसजी के तेज गेंदबाज मयंक यादव ने कहा विराट कोहली के लिए कोई खास प्लान नहीं है। विकेट को देखकर रणनीति बनाएंगे। विराट को आउट करेंगे। वहीं आरसीबी के यश दयाल ने कहा विराट ने मोटीवेट किया था। इसके बाद करियर बदल गया। मयंक ने कहा बॉलिंग में कोई चेंज नहीं हुआ है। क्रिकेट को पढ़ना और बैटर को पढ़ने की कोशिश रहेगी। फिटनेस पर कहा बॉडी चीजों को अडॉप्ट कर रही है, अपने प्लान के बारे में बताया कि बॉडी अभी नॉर्मल है। टीम के प्रदर्शन से जुड़े सवाल पर मयंक ने कहा विकेट्स को पढ़ने में थोड़े लेट हुए हैं, लेकिन अभी तीन मैच हैं, विराट कोहली बोले कि विकेट के हिसाब से काम करेंगे। मेरा यूएसपी है विकेट से फर्क नहीं है, जो विकेट रहेगा। उसमें बेस्ट करेंगे। उन्होंने कहा ऋषभ को काफी समय से जानता हूं। हम दोनों एक ही क्लब से खेलते थे। उनसे बात करने पर ऐसा कुछ नहीं लगा कि कोई प्रेशर है। एनसीए में काफी अच्छा रहा। वह मेरे लिए हैल्पफुल रहा है। मयंक ने कहा इस बार वेरिएशन विकेट के हिसाब बॉलिंग की है। पिछली साल इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी। मेरा माइंडसेट यही है कि बॉलर के तौर पर टीम को कितना कंट्रीब्यूट कर सकूं। आरसीबी के यश दयाल ने कहा नर्वस नेस को कंट्रोल में रखता हूं जो मेरे कंट्रोल में नहीं है। उसपर ध्यान नहीं दे रहा हूं। हमारी टीम में सभी लोग परफॉर्मेंस दे रहे हैं। गुडलेंथ पर बॉलिंग हो रही है। भुवनेश्वर कुमार ऐसे बॉलर हैं, जो सिक्का रख दिया जाए तो उसपर गेंद का टप्पा दिलाते हैं। उन्होंने कहा 2023 में रिंकू सिंह ने 5 गेंद पर 5 छक्के मारे थे। इससे स्थिति बदल गई थी। इसके बाद विराट कोहली ने मोटीवेट किया था। पिछले सालों में जो प्रैक्टिस की थी, अब उसका रिजल्ट दिख रहा है।

रोजगार मेले में 38 अभ्यर्थियों का हुआ चयन

कानपुर देहात, चसं। जिलाधिकारी के निर्देशन में जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा स्वामी सत्तसंगानंद एवं परमानंद सेवा समिति प्राइवेट आईटीआई ककरदही बाघपुर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की 6 कंपनियों ने प्रतिभाग किया। मेले में लगभग 79 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें 38 अभ्यर्थियों का प्राथमिक चयन हुआ। रोजगार मेले को सफल बनाने में जिला सेवायोजन अधिकारी शशि तिवारी, अनुज, तेज प्रताप, विनोद कुमार, प्रधानाचार्य आशीष शुक्ला एवं उनके समस्त स्टाफने सहयोग किया।

टाटा अल्ट्रोज फेसलिफ्ट : नए अवतार में टक्कर देने को तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा मोटर्स अपनी प्रीमियम हैचबैक अल्ट्रोज़ का बहुप्रतीक्षित फेसलिफ्टेड वर्जन 21 मई 2025 को लॉन्च कर सकती है। 2020 में पहली बार आई अल्ट्रोज़ का यह सबसे बड़ा अपडेट होगा, जिसके जरिए कंपनी हुंडई आई20, मारुति बलेनो और टोयोटा ग्लैंजा जैसी मजबूत प्रतिद्वंद्वियों को कड़ी चुनौती देने की तैयारी में है।

पंजाब और दिल्ली का मैच रद्द, बीसीसीआई ने बुलाई बैठक

चर्चित राजनीति। एजेंसी

- हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में खेला जा रहा था पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच का आईपीएल मैच

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव के बीच पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच का आईपीएल मैच रद्द कर दिया गया है। यह मैच धर्मशाला में खेला जा रहा था। मैच उस वक्त रुक गया था जब स्टेडियम की फ्लडलाइट को बंद कर दिया। आईपीएल 2025 के 58वें मैच में पंजाब किंग्स के सामने दिल्ली कैपिटल्स की चुनौती थी। बीसीसीआई ने बयान जारी करके कहा, टाटा आईपीएल 2025 का मुकाबला नंबर 58 पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में एक तकनीकी खराबी के कारण रद्द करना पड़ा। इलाके में बिजली गुल होने की वजह से स्टेडियम के एक फ्लडलाइट टावर ने काम करना बंद कर दिया। बीसीसीआई इस असुविधा के लिए स्टेडियम में मौजूद दर्शकों से खेद व्यक्त करता है।

मैच की बात करें तो बारिश के चलते मैच देरी से शुरू हुआ। पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने तेज शुरुआत दी। पहले विकेट के लिए 122 रन की साझेदारी की। इस दौरान प्रियांश 70 रन बनाकर आउट हुए और प्रभसिमरन 50 रन बनाकर नाबाद रहे। 10.1 ओवर का मैच हुआ पांचवें स्थान पर बनी हुई है। जिस समय यह मैच रोका गया, तब पंजाब की टीम ने 10.1 ओवर में एक विकेट पर 122 रन बना लिए थे। प्रियांश आर्य (70) और प्रभसिमरन (50) ने अर्धशतक जड़े। मैच के रद होने के

था कि स्टेडियम की दो फ्लडलाइट अचानक बंद हो गई। इसके बाद खेल को कुछ देर के लिए रोका गया। हालांकि, ब्रेक लंबा होता देख खिलाड़ियों को ड्रेसिंग रूम में जाने को कहा गया और दर्शकों से तुरंत मैदान खाली करने का अनुरोध किया गया। मैच रद होने पर दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। अब पंजाब की टीम 12 मैच में 16 अंक लेकर तीसरे और दिल्ली की टीम इतने ही मैचों में 14 अंक लेकर बाद बीसीसीआई ने तुरंत गवर्निंग बॉडी की बैठक बुलाई। पाकिस्तान और भारत के बीच बढ़ते तनाव के बीच आईपीएल के मौजूदा मैचों पर संकट मंडरा रहा है। इस पर बीसीसीआई बैठक कर आगे के मैचों के आयोजन पर चर्चा कर सकता है। भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालात को देखते हुए आईपीएल के बाकी बचे मैचों पर संकट के बादल मंडरा रहे है और बीसीसीआई इस संबंध में सरकार के फैसले का इंतजार कर रही है। पाकिस्तान द्वारा किए गए हमले के बाद बुधवार को धर्मशाला में पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच रद्द कर दिया गया।

आईपीएल को लेकर सरकार के फैसले का इंतजार : आईपीएल के चेयरमैन अरुण धूमल ने गुरुवार को कहा है कि बीसीसीआई आईपीएल-2025 को जारी रखने को लेकर भारतीय सरकार के आदेश का इंतजार कर रही है। धूमल ने साथ ही कहा कि शुक्रवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच होने वाले मैच पर अभी तक किसी तरह का कोई संकट नहीं है।

पाकिस्तान द्वारा गुरुवार को भारत पर किए गए हमले के बाद धर्मशाला में खेले जा रहे पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के बीच मैच को बीच में रोक दिया गया और रद्द कर दिया गया था। इसके बाद खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से स्टेडियम से बाहक निकाला गया। बीसीसीआई ने इसके बाद बैठक बुलाई। धूमल ने समाचार एजेंसी से कहा, हम इस समय स्थिति को देख रहे हैं। ये बदलती हुई स्थिति है। हमें सरकार से अभी तक किसी रह का निर्देश नहीं मिला है। जाहिर है सभी चीजों को ध्यान में रखते हुए फैसला किया जाएगा। उनसे जब शुक्रवार को लखनऊ में खेले जाने वाले मैच के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, अभी तक की स्थिति में ये मैच खेला जाएगा, लेकिन स्थिति बदल रही है और सभी हितधाकरक को ध्यान में रखते हुए फैसला किया जाएगा।

दिल्ली कैपिटल्स के अरमानों की 'बुझी लाइट, पंजाब किंग्स का क्वालिफिकेशन भी लटका : पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स का मैच खराब रौशनी के चलते रद कर दिया। स्टेडियम के एक फ्लडलाइट टावर ने काम करना बंद कर दिया। इस वजह से मैदान में रोशनी की समस्या हो गई और मैच को जारी रखना संभव नहीं हो पाया। इसके चलते दोनों टीमों को एक-एक अंक दिया गया। अब प्लेऑफ की रेस और भी रोचक हो गई है। दरअसल, यह मैच दोनों टीमों के प्लेऑफ में जाने के लिए काफी जरूरी था। अगर पंजाब की टीम यह मैच जीतती तो वह सीधे प्लेऑफ में उनका पहुंचना आसान हो जाता। वहीं, अगर दिल्ली की टीम जीतती तो वह सिर्फ 15 अंक तक ही पहुंच पाती, लेकिन अब उसके प्लेऑफ में पहुंचने के अरमानों की लाइट लगभग बुझ गई है। हालांकि, अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। प्वाइंट्स टेबल की बात करें तो

आईपीएल 2025 के 58वें मैच में पंजाब किंग्स के सामने दिल्ली कैपिटल्स की चुनौती थी। बीसीसीआई ने बयान जारी करके कहा, टाटा आईपीएल 2025 का मुकाबला नंबर 58 पंजाब किंग्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में एक तकनीकी खराबी के कारण रद्द करना पड़ा।

गुजरात टाइटन्स 11 मैच में से 8 जीत और 16 अंक के साथ पहले स्थान पर है। बेंगलुरु भी 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बना हुआ है। पंजाब किंग्स 12 में से 7 जीत और 16 अंक के साथ तीसरे स्थान पर काबिज है। मुंबई 14 अंक के साथ चौथे स्थान पर हैं, जबकि दिल्ली 12 मैच में 14 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है। सभी टीमों के दो या तीन मुकाबले ही बचे हैं। गुजरात और आरसीबी के तीन-तीन मैच बचे हुए हैं। अगर दोनों टीमें तीन ही मैच जीतने में सफल होती हैं तो वह 22-22 अंक लेकर प्लेऑफ में पहुंचेंगी। पंजाब के पास दो मैच बचे हुए हैं। मुंबई और दिल्ली के भी दो-दो मैच बचे हुए हैं।

तीनों टीमें अब करो या मरो की स्टेज पर पहुंच गई हैं। गौरतलब हो कि मैच खत्म होने से पहले 10.1 ओवर खेल हुआ था। इसमें प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह ने बेहतरीन अर्धशतक लगाया। प्रियांश ने 34 गेंद में 70 रन बनाए और टी नटराजन का शिकार बने। इसके बाद प्रभसिमरन 28 गेंद में 50 रन बना कर नाबाद थे। 10.1 ओवर के खेल के बाद 122 रन बना लिए थे और वह मजबूत स्थिति में थे लेकिन, बीच में ही मैच को रोक दिया गया।

केएल राहुल के सामने उनसे आगे निकल गए प्रभसिमरन सिंह : पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार अर्धशतक जमाया और इसी के साथ वह कई दिग्गजों को पीछे छोड़ने में सफल रहे। हालांकि ये मैच पूरा नहीं हो सका और पंजाब की पारी के 11वें ओवर की पहली गेंद फेंके जाने के बाद ये मैच रद्द कर दिया गया है। प्रभसिमरन सिंह ने इस मैच में शानदार अर्धशतक जमाया और दिल्ली कैपिटल्स के धुरंधर बल्लेबाज केएल राहुल का रिकॉर्ड उनके ही सामने तोड़ दिया। प्रभसिमरन सिंह ने इस मैच में नाबाद 28 गेंदों पर नाबाद 50 रनों की पारी खेली जिसमें सात चौके मारे। उन्होंने प्रियांश आर्या के साथ मिलकर पहले विकेट के लिए 122 रनों की साझेदारी की। प्रियांश 11वें ओवर की पहली गेंद पर आउट हुए और इसके बाद फ्लड लाइट खराब होने की खबर आई और फिर मैच रद्द कर दिया गया। प्रभसिमरन सिंह का ये इस सीजन लगातार चौथा अर्धशतक है। इससे पहले उन्होंने लखनऊ सुपरजायंट्स के खिलाफ 91 रन बनाए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 54 रनों की पारी खेली थी। कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ उनके बल्ले से 83 रनों की पारी खेली। प्रभसिमरन ने आईपीएल में पंजाब के लिए सबसे ज्यादा लगातार अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। दिल्ली के खिलाफ उनका ये अर्धशतक पंजाब के लिए इस सीजन लगातार चौथा अर्धशतक था। इस मामले में उन्होंने केएल राहुल को पीछे छोड़ा था। केएल राहुल ने साल 2018, 2019 और 2020 में पंजाब के लिए लगातार तीन मैचों में तीन अर्धशतक जमाए थे। क्रिस गेल ने 2018, ग्लेन मैक्सवेल ने 2014 और डेविड मिलर ने 2013 में लगातार तीन मैचों में तीन अर्धशतक जमाए थे। मैच में अचानक फ्लड लाइट खराब हुई और फिर मैच रद्द कर दिया गया। इसका कारण भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़ा युद्ध बताया जा रहा है। पाकिस्तान ने भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना चाहा जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। इस बीच सेना ने फ्लड लाइट बंद कर स्टेडियम को अपने कब्जे में लिया और खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से होटल पहुंचाया। अब पूरा ध्यान खिलाड़ियों को वहां से सुरक्षित निकालने पर है और इसके लिए स्पेशल वंदे भारत का उपयोग किया जाएगा।

खिलाड़ियों को निकाला बाहर

मैच में अचानक फ्लड लाइट खराब हुई और फिर मैच रद्द कर दिया गया। इसका कारण भारत और पाकिस्तान के बीच छिड़ा युद्ध बताया जा रहा है। पाकिस्तान ने भारत के कई सैन्य ठिकानों को निशाना बनाना चाहा जिसे भारत ने नाकाम कर दिया। इस बीच सेना ने फ्लड लाइट बंद कर स्टेडियम को अपने कब्जे में लिया और खिलाड़ियों को सुरक्षित तरीके से होटल पहुंचाया। अब पूरा ध्यान खिलाड़ियों को वहां से सुरक्षित निकालने पर है और इसके लिए स्पेशल वंदे भारत का उपयोग किया जाएगा।

डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का लखनऊ नोड बनेगा भारत की सामरिक शक्ति का केन्द्र

- 11 मई को होगा ब्रह्मोस मिसाइल यूनिट का उद्घाटन
- ब्रह्मोस के साथ एरोलॉय और 12 कंपनियों के निवेश से 3,000 लोगों को मिलेगा रोजगार

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी जंगी हालातों के बीच भारत अब अपनी सामरिक क्षमता को और धार देने जा रहा है। दुनिया की सबसे विध्वंसक मानी जाने वाली सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल 'ब्रह्मोस' का निर्माण अब उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में होने जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ड्रीम परियोजना डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लखनऊ नोड पर 11 मई को ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण यूनिट का उद्घाटन होने वाला है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस द्वारा स्थापित की जा रही यूनिट 300 करोड़ रुपए के निवेश से तैयार हुई है और भारत को आत्मनिर्भर रक्षा प्रणाली की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि दिलाने वाली है। योगी सरकार ने दिसंबर 2021 में ब्रह्मोस प्रोजेक्ट के लिए लखनऊ में 80 हेक्टेयर भूमि निःशुल्क आवंटित की थी। सिर्फ 3.5 वर्षों में इस परियोजना को निर्माण से उत्पादन की अवस्था तक लाना प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शा रहा है।डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना का संचालन कर रही यूपीडा के एसीईओ श्रीहरि प्रताप शाही के मुताबिक सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, प्रदेश सरकार की ओर से ब्रह्मोस मिसाइल की मैन्युफैक्चरिंग के लिए भूमि निशुल्क उपलब्ध कराई गई है और यूनिट के विकास पर लगातार नजर रखी गई है। नतीजा, मात्र साढ़े तीन वर्ष में यह यूनिट बनकर उत्पादन के लिए तैयार है। लखनऊ नोड पर ब्रह्मोस के साथ ही अन्य डिफेंस इक्विपमेंट्स बनाए जाने की तैयारी है, जो डिफेंस सेक्टर में लखनऊ और उत्तर प्रदेश को एक नई पहचान देने का काम करेगा। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए उत्तर प्रदेश में ब्रह्मोस जैसी रणनीतिक मिसाइल का बनना बहुत महत्वपूर्ण है। यह कदम भारत की सैन्य ताकत को और मजबूत करेगा और उत्तर प्रदेश को देश की रक्षा में एक खास भूमिका निभाने वाला राज्य बना देगा। इस प्लांट के शुरू होने से उत्तर प्रदेश सीधे तौर पर देश की सुरक्षा और विकास में योगदान देगा। यह एक बड़ी और जरूरी परियोजना है जिसमें उत्तर प्रदेश की बड़ी भागीदारी होगी। ब्रह्मोस मिसाइल की यह यूनिट राज्य की पहली अत्याधुनिक और हाई-टेक यूनिट होगी। इससे उत्तर प्रदेश के डिफेंस कॉरिडोर में एयरोस्पेस से जुड़ी इकाइयों और उद्योगों का विकास होगा। साथ ही, राज्य में नई और आधुनिक निर्माण तकनीकें भी शुरू हो सकेंगी।श्ब्रह्मोससश् प्रोजेक्ट शुरू होने से उत्तर प्रदेश में पहले से मौजूद एयरोस्पेस कंपनियों को उनके काम और अनुभव के हिसाब से कई नए मौके मिलेंगे। इससे नई तरह की मशीनें बनाने की तकनीक और जांच की सुविधाएं भी तैयार की जाएंगी। इस प्रोजेक्ट से लोगों को नौकरी भी मिलेगी। करीब 500 इंजीनियरों और तकनीशियनों को सीधे काम मिलेगा। इसके अलावा, कई हजार कुशल, अर्द्ध-कुशल और सामान्य काम करने वाले लोगों को भी परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस यूनिट को चलाने में मदद करने वाले बाकी उद्योगों में भी बहुत से लोगों को काम मिलेगा। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन और रूसी संघ की सरकार के 'जेएससी' 'एमआईसी' एनपीओ मशीनोस्त्रोयेनिच्या के संयुक्त उद्यम के रूप में की गई थी। 'ब्रह्मोस' नाम दो महान राष्ट्रों के प्रतीकस्वरूप रखा गया है, जो दो महान नदियों ब्रह्मपुत्र की प्रचंडता और मॉस्कवा की शांति को दर्शाता है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस की स्थापना भारत की ओर से 50.5 फीसदीऔर रूस की ओर से 49.5फीसदी हिस्सेदारी के साथ की गई थी। यह अपने प्रकार का पहला रक्षा संयुक्त उद्यम है जिसे भारत सरकार ने विदेशी सरकार के साथ मिलकर स्थापित किया है।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के डिजाइन, विकास, उत्पादन और विपणन मार्केटिंग की जिम्मेदारी निभाता है, जिसमें भारतीय और रूसी उद्योगों का सक्रिय योगदान होता है।

रक्षा उत्पादन का नया हब बनेगा लखनऊ : ब्रह्मोस यूनिट के साथ-साथ, डिफेंस कॉरिडोर के अंतर्गत योगी सरकार ने 12 अन्य कंपनियों को 117.35 हेक्टेयर भूमि आवंटित की है। इनमें एरोलॉय टेक्नोलॉजी को 20 हेक्टेयर भूमि दी गई है, जिसका प्रथम चरण में 320 करोड़ का निवेश पूर्ण हो चुका है। इस कंपनी के उत्पादों का उपयोग स्पेस मिशन जैसे चंद्रयान और लड़ाकू विमानों में हो रहा है।

इन परियोजनाओं के जरिए लगभग 3,000 से अधिक रोजगार सृजित होंगे और लखनऊ गोला-बारूद, मिसाइल सिस्टम, रक्षा पैकेजिंग, ड्रोन और छोटे हथियारों के उत्पादन का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगा। इससे न केवल उत्तर प्रदेश की औद्योगिक छवि को वैश्विक पहचान मिलेगी बल्कि भारत की रक्षा आत्मनिर्भरता को भी मजबूती मिलेगी।

रोहित के संन्यास के बाद गिल टेस्ट कप्तानी की दौड़ में सबसे आगे

मुंबई, एजेंसी। रोहित शर्मा के संन्यास के बाद शुभमन गिल भारतीय टेस्ट कप्तान बनने की दौड़ में सबसे आगे हो गए हैं। इंग्लैंड का दौरा एक पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनकी पहली सीरीज हो सकता है। यह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से हेडिंग्ले में शुरू होगी। गिल की कप्तानी अब लगभग तय मानी जा रही है क्योंकि जसप्रीत बुमराह आगामी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के दौरान वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण कुछ मैचों से बाहर भी रह सकते हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टेस्ट टीम के उपकप्तान थे और रोहित के न खेलने पर दो टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी भी की थी। इंग्लैड दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन इस महीने के अंत में हो सकता है। यह सीरीज भारत के लिए अगले डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत होगी और ऐसे में चयनकर्ता दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ एक कप्तान चुनना चाहते हैं। इसी वजह से 25 वर्षीय गिल को प्राथमिकता दी जा सकती है। बुमराह सभी फॉर्मेट में भारत के तेज गेंदबाजी आक्रमण का नेतृत्व करते हैं, लेकिन हाल ही में वह पीठ की तकलीफ से परेशान रहे हैं। जिसके कारण वह चैंपियंस ट्रॉफी और आईपीएल 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रहे थे और भविष्य में उनका वर्कलोड मैनेजमेंट किया जा सकता है।

सिडनी में भारत के पिछले टेस्ट में जो टीम खेली थी, उसमें शामिल खिलाड़ियों में से केएल राहुल तीन टेस्ट में भारत की कप्तानी कर चुके हैं, जबकि विराट कोहली रोहित से पहले लंबे समय तक भारत के कप्तान थे। गिल ने टेस्ट या वनडे में कभी कप्तानी नहीं की है, लेकिन उन्होंने पांच टी20 में टीम की अगुवाई की है। ये सभी मैच 2024 में जिम्बाब्वे दौरे पर खेले गए थे, जो कई प्रमुख खिलाड़ी टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद आराम पर थे। गिल भारत के वनडे टीम के भी उपकप्तान हैं। गिल को पिछले कुछ महीनों से शीर्ष भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है। उन्होंने आईपीएल के इस सीजन में गुजरात टाइटंस (जीटी) के कप्तान और बल्लेबाज के रूप में अच्छा प्रदर्शन किया है। 2024 में हार्दिक पांड्या के मुंबई इंडियंस (एमआई) में लौटने के बाद गिल को जीटी की कप्तानी सौंपी गई थी। हालांकि आईपीएल 2024 में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन इस सीजन में जीटी शीर्ष टीमों में शामिल है। गिल दिसंबर 2020 में मेलबर्न में टेस्ट डेब्यू के बाद से भारत की टेस्ट टीम में नियमित सदस्य रहे हैं। उन्होंने अब तक कुल 32 टेस्ट खेले हैं, जिसमें उन्होंने 35.05 की औसत से 1893 रन बनाए हैं। इसमें पांच शतक और सात अर्धशतक शामिल हैं।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम ने 10 वर्षों में 25 लाख नौकरियां पैदा कीं : अश्विनी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रेलवे और इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग ने 11 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर पिछले 10 वर्षों में पांच गुना वृद्धि दर्ज करवाई है। साथ ही यह पूरा इकोसिस्टम 25 लाख नौकरियां पैदा करने में सक्षम रहा। हरियाणा के मानेसर में वीवीडीएन टेक्नोलॉजीज की एसएमटी (सरफेस माउंट टेक्नोलॉजी) लाइन का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले एक दशक में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात छह गुना बढ़कर 3.25 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। यह वीवीडीएन को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सर्वर, नेटवर्किंग इक्विपमेंट और मदरबोर्ड जैसे लार्ज और कॉम्प्लेक्स प्रोडक्ट्स को मैन्युफैक्चर करने में मददगार होगा, जिससे आयात पर निर्भरता कम करने और भारत के सप्लाई चेन को मजबूत करने में भी मदद मिलेगी।

नोरा फतेही ने बिलबोर्ड फीचर के साथ इतिहास रचा

होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1 के आखिरी शेड्यूल की शूटिंग आज से शुरू

2022 में रिलीज हुई कंतारा ने पूरे देश में तहलका मचा दिया था। भारत की जड़ों से जुड़ी इस कहानी ने बिना किसी बड़े प्रमोशन के कमाल कर दिखाया और सबसे बड़ी स्लीपर हिट साबित हुई। अब इसी जबरदस्त सफ्लता के बाद कंतारा चौप्टर 1 की तैयारी जोरों पर है और दर्शक इसके रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।पोस्टर ने पहले ही दर्शकों का ध्यान खींच लिया है और फिल्म अपने आप में भारतीय सिनेमा की सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक मानी जा रही है। इसी बीच, जबरदस्त इंतजार के बीच कंतारा चौप्टर 1 का फाइनल शूटिंग शेड्यूल शुरू हो चुका है। कंतारा चौप्टर 1 का आखिरी शेड्यूल आज से शुरू हो गया है। शूटिंग कुंडापुरा से करीब 20 किलोमीटर दूर हो रही है। ये फिल्म अपने फाइनल स्टेज में है और जल्द ही इससे जुड़े और अपडेट्स भी सामने आएंगे। होम्बले फिल्म्स ने 2022 की इस ब्लॉकबस्टर फिल्म की विरासत को आगे बढ़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। कंतारा चौप्टर 1 को भारतीय सिनेमा की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बनाने के लिए जोरदार मेहनत की जा रही है। इसके लिए मेकर्स ने एक भव्य युद्ध सीन तैयार किया है, जिसे नेशनल और इंटरनेशनल स्पेशलिस्ट्स की टीम ने मिलकर तैयार किया है। इस सीक्वेंस के लिए 500 से ज्यादा ट्रेन्ड फाइटर्स को हायर किया गया है, जिन्होंने अब तक का सबसे अलग और धमाकेदार एक्शन सीन तैयार किया है। इस पावर-पैक्ड सीक्वेंस में 3000 से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया, जो इसे भारतीय सिनेमा के इतिहास के सबसे बड़े सीक्वेंसेस में से एक बनाता है। इतने बड़े सीन के लिए जबरदस्त तैयारी की जरूरत थी, इसलिए, एक्टर-डायरेक्टर ऋषभ शेट्टी ने 3 महीने तक घुड़सवारी, कलारीपयट्टू और तलवारबाजी की खास ट्रेनिंग ली। ऋषभ ने इस दमदार वॉर सीक्वेंस को परफेक्ट बनाने के लिए अपना पूरा दमखम लगा दिया है। इस बड़े सीन के लिए मेकर्स ने कर्नाटक के पहाड़ों में एक खास असली लोकेशन चुनी। करीब 25 एकड़ में फैले इस गांव में होम्बले फिल्म्स ने करीब 45-50 दिन तक शूटिंग की। अपनी बेहतरीन कहानी, शानदार विजुअल्स और दिल से दी गई परफॉर्मेंस के साथ कंतारा ने भारतीय सरहदों से भी बाहर के दर्शकों से भी खूब जुड़ाव बनाया। इसकी लोक परंपराओं की सच्ची झलक और बेहतरीन कहानी ने इसे एक बड़ी हिट बना दिया, जिससे फिल्म ने दुनिया भर में एक मजबूत फैनबेस बना लिया है। असल में, कंतारा चौप्टर 1 के साथ फिल्म का स्तर और भी ऊंचा जाने वाला है, जो दर्शकों को एक और ज्यादा दिलचस्प सिनेमा का अनुभव देगा। अब, होम्बले फिल्म्स की कंतारा चौप्टर 1, 2 अक्टूबर 2025 को रिलीज होने वाली है। :: **एजेंसी**

पंकज त्रिपाठी बने खेलो इंडिया यूथ गेम्स में बिहार का प्रेरणास्रोत चेहरा

मशहूर अभिनेता और बिहार का गर्व, पंकज त्रिपाठी, अब खेलो इंडिया यूथ गेम्स से जुड़ गए हैं। यह आयोजन बिहार में खेलों के इतिहास का सबसे बड़ा उत्सव बनता जा रहा है, जिसमें देशभर के युवा खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह अपनी भव्यता के लिए जाना गया और पंकज त्रिपाठी को बिहार की ओर से इस पहल के प्रेरणास्रोत चेहरे के रूप में आमंत्रित किया गया।खेलो इंडिया यूथ गेम्स ने बिहार में अब तक का सबसे बड़ा खेल आयोजन बना दिया है, जहां भारत के कोने-कोने से आए युवा खिलाड़ी अपने हुनर का प्रदर्शन कर रहे हैं। यह आयोजन युवाओं में खेलों को लेकर नया जोश और उत्साह भर रहा है। बिहार की मिट्टी और संस्कृति से गहराई से जुड़े पंकज त्रिपाठी इस मौके पर कहा, ÷खेलो इंडिया यूथ गेम्स का हिस्सा बनना, वो भी अपने गृह राज्य बिहार में, मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। इस आयोजन के लिए मैं बिहार सरकार और खेल प्राधिकरण को दिल से बधाई देता हूं। युवाओं को खेलों की ओर प्रेरित करना सिर्फशारीरिक मजबूती नहीं, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और हिम्मत को भी बढ़ावा देना है। मुझे उम्मीद है कि बतौर बिहार का प्रेरणास्रोत चेहरा, मेरी भागीदारी से बिहार के बच्चे और बच्चियां बड़ा सपना देखेंगे, एक्टिव रहेंगे और देश और राज्य का नाम रोशन करेंगे।÷बिहार में अब खेल संरचनाएं बेहतर हो रही हैं और लोगों का समर्थन भी तेजी से बढ़ रहा है, जिससे यह राज्य भविष्य में खेल प्रतिभाओं का केंद्र बन सकता है।जैसे-जैसे खेलो इंडिया यूथ गेम्स आगे बढ़ रहा है, पंकज त्रिपाठी इस परिवर्तनकारी पहल के केंद्र में बने हुए हैं, और बिहार के युवाओं को खेलों के जरिए उज्ज्वल भविष्य की ओर प्रेरित कर रहे हैं। :: **एजेंसी**

दादी को याद कर अर्जुन कपूर हुए इमोशनल

बॉलीवुड अभिनेता अर्जुन कपूर ने हाल ही में अपनी दादी निर्मल कपूर को याद करते हुए सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया। 2 मई को, उनके दादी का 90 साल की उम्र में निधन हो गया था, जिसके बाद से कपूर परिवार गहरे शोक में है। अर्जुन अपनी दादी के काफी करीब थे, और उन्होंने उनकी आखिरी घड़ियाँ अस्पताल में बिताई थीं। अर्जुन कपूर ने इंस्टाग्राम पर अपनी दादी के साथ अपनी कई पुरानी और अनदेखी तस्वीरें और वीडियो शेयर किए। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं अपने चारों दादा-दादी के बीच पला-बढ़ा और इसके लिए हमेशा आभारी रहूंगा। :: **एजेंसी**

एक ऐतिहासिक उपलब्धि के तहत नोरा फतेही ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह एक सच्ची ग्लोबल स्टार हैं। नोरा फतेही एक बार फिर सुर्खियों में हैं, इस बार टैलेंट मैनेजर और सीईओ अंजुला आचार्य और रैपर किंग जैसे इंडस्ट्री के पावर प्लेयर्स के साथ बिलबोर्ड फीचर की शोभा बढ़ा रही हैं! वार्नर ब्रदर्स के साथ तीनों की अभूतपूर्व साझेदारी ने उन्हें बिलबोर्ड फीचर में एक प्रमुख स्थान दिलाया है, जहाँ उनके संगीत और मनोरंजन के ज़रिए संस्कृतियों को जोड़ने के प्रयासों को सराहा गया है।

यह कवर फीचर नोरा की पॉप म्यूजिक की दुनिया में क्रॉसओवर को सुदृढ़ करता है, और अंजुला आचार्य ने इसे संभव बनाने के लिए 5 जंक्शन रिकॉर्ड्स और वार्नर रिकॉर्ड्स के साथ मिलकर इस मुकाम तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रही हैं। स्नेक के साथ बाधाओं को तोड़ने से लेकर एक ग्लोबल पॉप कलाकार के रूप में अपनी जगह बनाने तक, नोरा की यात्रा वही है जिसका इंडस्ट्री को इंतजार था। इंस्टाग्राम पर अपनी खुशी साझा करते हुए नोरा ने लिखा-एक और मील का पत्थर! बिलबोर्ड कवर पर मेरी पहली उपस्थिति! यह बहुत बड़ी बात है, मेरे वैश्विक म्यूजिक करियर के विज़न की दिशा में एक और कदम! अभी बहुत कुछ होने वाला है, और मैं तब तक इंतज़ार नहीं कर सकती जब तक दुनिया देख न ले कि आगे क्या होने वाला है! अपनी टीम की आभारी हूँ–यह हमारा समय है। जेसन डेरुलो के साथ उनके धमाकेदार कोलाब स्नेक से लेकर रेवनी के साथ उनके हिट अफ्रोपॉप सिंगल पेपेटा और जैक नाइट के साथ प्रशंसकों के पसंदीदा डर्टी लिटिल सीक्रेट तक, नोरा एक जीवंत और बहुमुखी वैश्विक संगीत सूची बनाना जारी रखती हैं। उनके सोलो ड्रॉप आई एम बॉसी ने एक उभरती हुई ग्लोबल पॉप ताकत के रूप में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया।

संगीत के अलावा, नोरा फिल्म और फैशन में भी धूम मचा रही हैं। उन्होंने बी हैप्पी में अपनी मुख्य भूमिका से दर्शकों को प्रभावित किया और अब वे बहुप्रतीक्षित प्रोजेक्ट द रॉयल्स में नजर आने वाली हैं। फैशन के मोर्चे पर, उन्होंने लुई वुइटन की म्यूज़ के रूप में पेरिस फैशन वीक में अपनी चमक बिखेरी और ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में सब का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनकी यात्रा का एक गौरवपूर्ण क्षण वह था जब वह फीफा वर्ल्ड कप के मुख्य कार्यक्रम में परफॉर्म करने वाली पहली भारतीय कलाकार बनीं थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा। नोरा फतेही सिर्फ सीमाएँ पार नहीं कर रही हैं - एक-एक दमदार कदम के साथ, वह वैश्विक पॉप की कहानी में अपना नाम खुद लिख रही हैं। वहीं दूसरी ओर बॉलीवुड से ग्लोबल पॉप सीन तक नोरा फतेही ने एक इंटरनेशनल परफ़ॉर्मर के रूप में अपनी पहचान मज़बूती से स्थापित कर ली है। उनका लेटेस्ट ट्रैक स्नेक, जो इंटरनेशनल पॉप आइकन जेसन डेरुलो के साथ एक एनर्जेटिक कोलैबोरेशन है, अब आधिकारिक रूप से यूके स्पॉटिफाई टॉप 40 में शामिल हो चुका है और फिलहाल चार्ट में 38 पोजिशन पर है। इस उपलब्धि को और भी ऐतिहासिक बनाता है यह तथ्य कि नोरा इस गाने में केवल परफ़ॉर्मर नहीं, बल्कि वोकलिस्ट के रूप में भी शामिल हैं यह उनके ग्लोबल पॉप डेब्यू को और भी खास बनाता है। हाई-क्वालिटी प्रोडक्शन, कैची हुक और ईस्ट-वेस्ट फ्यूज़न स्टाइल के साथ स्नेक दुनियाभर के 56 से अधिक देशों के चार्ट्स में अपनी जगह बना चुका है। जहां नोरा को अब तक उनके दमदार स्क्रीन प्रेज़ेंस और परफ़ॉर्मेंसेज़ के लिए सराहा जाता रहा है, वहीं अब उन्हें एक सिंगर और म्यूज़िक आर्टिस्ट के रूप में भी पहचान मिल रही है। स्नेक उनकी बहुमुखी प्रतिभा का प्रमाण है यह दिखाता है कि वह सिर्फ एक विज़ुअल स्टार ही नहीं, बल्कि ग्लोबल म्यूज़िक वर्ल्ड में एक प्रभावशाली शक्ति हैं।

मल्टी-टैलेंटेड नोरा फतेही, जो अलग अलग जॉनर और इंडस्ट्रीज़ को बखूबी पार कर चुकी हैं, अब बॉलीवुड सेंसेशन से इंटरनेशनल सुपरस्टार के रूप में उभर रही हैं। स्नेक अब तक 130 मिलियन से अधिक व्यूज़ पार कर चुका है और इंटरनेशनल चार्ट्स पर लगातार रिकॉर्ड तोड़ रहा है। इसके साथ ही एक संभावित कोलैबोरेशन की चर्चा भी ज़ोरों पर है, जिसमें शामिल हैं मशहूर हिटमेकर थेरॉन बिली थॉमस जिन्होंने ब्रूनो मार्स और रोज़े के साथ "APT" जैसे हिट ट्रैक बनाए हैं। अभिनय के मोर्चे पर, नोरा को हाल ही में बी हैप्पी में उनके दिल को छू लेने वाले प्रदर्शन के लिए सराहा गया, जिसने एक कलाकार के रूप में उनकी स्थिति को और मजबूत किया। इसके बाद, वह बहुप्रतीक्षित कंचना 4 और नेटफ्लिक्स की द रॉयल्स में अपने अभिनय का प्रदर्शन करने के लिए तैयार हैं, जो उनके इंटरनेशनल करियर को और ऊंचाइयों तक ले जाने का संकेत है। नोरा फतेही सिर्फ एक ग्लोबल स्टार नहीं हैं जो अपनी अंतरराष्ट्रीय हिट स्नेक के साथ म्यूजिक चार्ट्स पर राज कर रही हैं, बल्कि वह अपने सबसे छोटे प्रशंसकों का दिल भी जीत रही हैं! दिल को छू लेने वाला एक वीडियो जो अब वायरल हो रहा है। उसमें छोटे प्रशंसकों की एक समूह ने नोरा को घेर लिया और ढेर सारा प्यार दिया, जिसमें एक प्यारे बच्चे ने उन्हें अपने स्नेह के प्रतीक के रूप में ब्रेसलेट भी गिफ्ट किया है। यह पल गर्मजोशी से भरा हुआ था क्योंकि नोरा ने बच्चों के साथ बातचीत की, जो उनकी प्यारी ऊर्जा और वास्तविक उत्तेजना से स्पष्ट रूप से प्रभावित थे। हंसी, गले लगाना और स्नेक के लिए मासूम सराहना करते हुए, बच्चों की प्रतिक्रियाएं यह याद दिलाने वाली थीं कि नोरा का प्रभाव पीढ़ियों तक गहरी छाप छोड़ता है। नोरा फतेही ने इस अविस्मरणीय याद को साझा करने के लिए अपने सोशल मीडिया का सहारा लिया, और कैप्शन में लिखा ओएमजी मैं सचमुच रो रही हूँ, उनमें से एक ने मुझे एक ब्रेसलेट दिया और उन्हें स्नेक बहुत पसंद आया! कितना प्यारा पल था, इन खूबसूरत बच्चों ने मेरा साल बना दिया। उनका प्यार और ऊर्जा मुझे जीवन दे रही है! वैश्विक मंचों से लेकर असल जीवन के प्रशंसक प्यार तक, नोरा यह साबित करती जा रही हैं कि उनका दर्शकों से जुड़ाव गहरा है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किया गया है, जिसमें प्रशंसक उनकी दयालुता की सराहना कर रहे हैं और इस पल को प्योर हैप्पीनेस कह रहे हैं।

नोरा फतेही को कोई नहीं रोक सकता। बॉलीवुड दर्शकों को लुभाने से लेकर ग्लोबली ध्यान आकर्षित करने तक, वह अपने परफॉर्मेंस से इंडस्ट्री में छाई हुई हैं। हाल ही में उनकी उपस्थिति ने प्रतिष्ठित वैनिटी फेयर ऑस्कर आफ्टर-पार्टी में लोगों का ध्यान खींचा और सुर्खियाँ बटोरीं, जिससे वह हॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हो गई। इस बीच, जेसन डेरुलो के साथ उनके धमाकेदार नए ट्रैक स्नेक ने इंटरनेट पर धूम मचा दी है, जिसे 120 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। नोरा ने अपनी नवीनतम रिलीज बी हैप्पी के साथ भी एक अमिट छाप छोड़ी है, जिसे उनके अभिनय के लिए सराहा गया, और वह जल्द ही बहुप्रतीक्षित कांचना 4 में दिखाई देंगी, जिससे वह मेनस्ट्रीम सिनेमा में अपनी जगह मजबूत करेंगे। बता दें कि नोरा फतेही अपने डांस नंबर्स के लिए जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। सोशल मीडिया के जरिए वह अपनी लाइफ से जुड़ी अपडेट अपने फैंस को देती हैं। हाल ही में नोरा फतेही ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम परअपनी खूबसूरत वीडियो शेयर की है। वीडियो काफी वायरल हो रहा है। वीडियो को फैंस खूब लाइक कर रहे हैं और इस पर कमेंट भी कर रहे हैं। नोरा ने अपनी प्रोफाइल से जो वीडियो शेयर किया है उसमें वह मरून गाउन पहने नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि गाउ ऑफ शोल्डर है। गाउन पहन कर नोरा फतेही एक महल में टहल रही हैं। :: **नेशनल डेस्क**

नोरा एक जीवंत और बहुमुखी वैश्विक संगीत सूची बनाना जारी रखती हैं। उनके सोलो ड्रॉप आई एम बॉसी ने एक उभरती हुई ग्लोबल पॉप ताकत के रूप में उनकी उपस्थिति को और मजबूत किया। संगीत के अलावा, नोरा फिल्म और फैशन में भी धूम मचा रही हैं। उन्होंने बी हैप्पी में अपनी मुख्य भूमिका से दर्शकों को प्रभावित किया।

सुबह का चेहरा बताता है आपकी किडनी की सेहत

हम रोज सुबह आईने में खुद को देखते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि सुबह का चेहरा आपकी किडनी की हालत का आईना हो सकता है? अगर चेहरे पर सूजन, मुंह में अजीब स्वाद या हर वक्त थकान महसूस हो रही है, तो इसे नजरअंदाज करना खतरनाक हो सकता है। ये संकेत आपकी किडनी की खराब होती सेहत की चेतावनी हो सकते हैं।

किडनी का मुख्य काम शरीर से अपशिष्ट (वेस्ट) और अतिरिक्त पानी को बाहर निकालना होता है। लेकिन जब किडनी कमजोर या खराब होने लगती है, तो ये जहर (टॉक्सिन्स) शरीर में जमा होने लगते हैं। इसका

असर सबसे पहले सुबह के वक्त चेहरे और शरीर पर दिखाई देने लगता है। सुबह उठते ही अगर आपकी आंखें सूजी हुई लगें, या चेहरा फूला दिखाई दे तो इसे नजरअंदाज न करें। जब किडनी शरीर से अतिरिक्त पानी और सोडियम को सही ढंग से बाहर नहीं निकाल पाती, तो ये तरल पदार्थ शरीर के ऊतकों (टिशूज) में जमा होने लगते हैं, जिससे सूजन आने लगती है। यह सूजन शुरुआत में हल्की हो सकती है, लेकिन धीरे-धीरे ये टखनों, पैरों और यहां तक कि पेट तक भी फैल सकती है। अगर चेहरा रोजाना सूज रहा है, तो यह क्रॉनिक किडनी डिजीज की ओर इशारा कर सकता है। किडनी के सही से काम न करने पर शरीर में यूरिया और अन्य टॉक्सिन्स का स्तर बढ़ जाता है। ये पदार्थ खून में जमने लगते हैं और मुंह के स्वाद को बदल देते हैं। सुबह-सुबह मुंह कड़वा लगना, धातु जैसा स्वाद महसूस होना या सांसों से तेज बदबू आना दृ ये सभी लक्षण इस ओर इशारा करते हैं कि किडनी शरीर को साफनहीं कर पा रही। :: **एजेंसी**

कलियुग में इन दो धामों की यात्रा बदल सकती है जीवन, जानें इसके चमत्कारी लाभ

उत्तराखंड में स्थित प्रसिद्ध चार धामों में से दो केदारनाथ धाम और बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए हैं। 2 मई की सुबह 7 बजे केदारनाथ धाम के कपाट खुले जबकि 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट खोले गए। जैसे ही ये पवित्र द्वार खुले हजारों भक्तों ने दर्शन कर यात्रा की शुरुआत कर दी। हर साल हजारों श्रद्धालु इन तीर्थ स्थलों के दर्शन के लिए दूर-दूर से आते हैं। माना जाता है कि इन स्थलों की यात्रा से जीवन के कई कष्ट दूर हो सकते हैं।

सनातन धर्म में चार युगों की मान्यता है सतयुग, त्रेतायुग, द्वापरयुग और कलियुग। माना जाता है कि कलियुग सबसे पापमय युग है जिसमें अधर्म और दुःख अपने चरम पर होता है। इसीलिए लोग यह जानना चाहते हैं कि क्या कलियुग में बद्रीनाथ और केदारनाथ की यात्रा भी उतनी ही फलदायी है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हां, इन तीर्थ स्थलों की यात्रा आज भी उतनी ही शुभ और लाभकारी मानी जाती है। केदारनाथ धाम, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जिले में केदार पर्वत पर स्थित है। यह भगवान शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक माना जाता है। केदारनाथ के दर्शन करने से व्यक्ति की मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं और जीवन में आने वाले दुख कम हो सकते हैं। यह भी माना जाता है कि केदारनाथ की यात्रा से भगवान शिव की कृपा प्राप्त होती है, जो मोक्ष का मार्ग प्रशस्त करती है। :: **एजेंसी**

प्रथम पृष्ठ का शेष समाचार

पाकिस्तानी संसद में

बने और उन्होंने ही इस मुल्क को बनाया है। अब वही इसकी हिफाजत करेंगे। उन्होंने रोते हुए कहा, अल्लाह, तू हमें माफ कर दे। हम तेरे सामने सर झुकाते हैं, माफी मांगते हैं और इसमें कोई दो राय नहीं है कि हम तेरे बड़े गुनहगार हैं।

पाकिस्तानी हमलों के

केवल आत्मरक्षा में की गई है। भारत की सभी सीमाओं पर सेना को ऑपरेशनल रेडीनेस की स्थिति में रखा गया है। वायुसेना के लड़ाकू विमानों को आगे के एयरबेस पर तैनात किया गया है। नौसेना को भी अरब सागर क्षेत्र में सतर्क किया गया है। बता दें कि पाकिस्तान ने बुधवार रात जम्मू कश्मीर, राजस्थान, पंजाब सहित कई राज्यों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम लगातार पाक मिसाइलों और ड्रोन को सफलतापूर्वक मार गिराने में कामयाब हो रही है। इसी बीच पाकिस्तान ने कबूला है कि उसके दो JF-17 मार गिराया गया। पाकिस्तान के मिसाइल और ड्रोन को मार गिराने में L-70 एयर डिफेंस सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है।

यूपी में निवेश

योगदान देता है और आयात शुल्क तथा जीएसटी के माध्यम से भी इसका योगदान अद्वितीय है। उन्होंने कहा कि जेम्स एंड ज्वैलर्स उद्योग न केवल आर्थिक विकास में योगदान देता है, बल्कि रोजगार सृजन और वैश्विक बाजार में भारत की पहचान को भी मजबूत करता है।मुख्यमंत्री योगी ने पिछले एक दशक में देश और विशेष रूप से पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश में सुरक्षा और कानून व्यवस्था में आए सकारात्मक बदलावों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आठ साल पहले यूपी में कानून व्यवस्था की स्थिति बदहाल थी। पर्व-त्योहारों पर अशांति, दंगे और व्यापारियों व बेटियों की असुरक्षा आम थी। लेकिन 2017 में जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भरोसा जताते हुए बीजेपी को जनादेश दिया। आज यूपी न केवल दंगा मुक्त, बल्कि माफिया मुक्त भी हो गया है। सभी पर्व-त्योहार चाहे वे किसी भी जाति या धर्म से संबंधित हों, शांति और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं।

नया भारत छोड़ता

किसी भी स्तर पर सिफारिश करने की जरूरत नहीं पड़ी होगी। चयन की पूरी प्रक्रिया में, उसकी निष्पक्षता में, उसकी पारिदर्शिता में किसी भी प्रकार का कोई प्रश्न खड़ा नहीं हुआ। जिस निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया के तहत आपका चयन हुआ है, उसी प्रकार शासन भी आपसे अपेक्षा करता है कि ऐसे ही माध्यमिक शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने के लिए आपका भी योगदान होना चाहिए।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने

भविष्य की तैयारी - केवल डिग्री नहीं, सोच जरूरी : डॉ. सिंह ने विश्व आर्थिक मंच 2023 के आंकड़े साझा करते हुए कहा कि 2030 तक भारत के 40प्रतिशत युवाओं को दोबारा स्किल्स सीखनी होंगी। एआई स्मृति-आधारित नौकरियाँ ले सकता है, लेकिन सोचने वाली बुद्धि की जगह कोई नहीं ले सकता। माइंड मैराथन क्विज युवाओं में संज्ञानात्मक सहनशक्ति और मेंटल फ्लिक्सिबिलिटी विकसित करेगी, जो आने वाले कल की सबसे मूल्यवान मुद्रा है।

पूर्व वर्षों के प्रश्नपत्रों और एनसीआरटी आधारित ज्ञान पर फोकस : डॉ. राजेश्वर सिंह ने युवाओं को संदेश दिया कि वे दसवीं कक्षा के बाद से ही सिविल सेवा की तैयारी को गंभीरता से लें, और एनसीआरटी की पुस्तकों से मजबूत आधार बनाएं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, आज के समय में जब प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रतिस्पर्धा चरम पर है, जहां यूपीएससी में हर वर्ष लगभग 15,000 और यूपीपीएससी जैसी परीक्षाओं में 5,000 से अधिक प्रतिभागी शामिल होते हैं , ऐसे में युवाओं को समय रहते दिशा, संसाधन और मंच देना अत्यंत आवश्यक है। 'माइंड मैराथन क्विज' को इस तरह डिज़ाइन किया गया है कि यह यूपीएससी/यूपीपीएससी की तर्ज पर पिछले वर्षों के प्रश्नों, करंट अफेयर्स और विशेष रूप से एनसीआरटी पुस्तकों पर आधारित हो। यह विद्यार्थियों को न केवल बौद्धिक रूप से तैयार करेगा, बल्कि उन्हें सिविल सेवा की आवश्यकताओं के प्रति जागरूक भी बनाएगा।

50 वार्डों और गाँवों तक विस्तार - विजन 1,000 अफसर सरोजनीनगर से : विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह का लक्ष्य है कि इस पहल के माध्यम से सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र से आने वाले कम से कम 1,000 युवा यूपीएससी, यूपीपीएससी और अन्य प्रतिष्ठित सेवाओं में चयनित होकर राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। वर्तमान में यह क्विज सभी आरडब्ल्यूए क्षेत्रों में शुरू किया गया है, और आगे इसे ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के 50 से अधिक केंद्रों तक ले जाने की योजना है, ताकि हर वर्ग के युवाओं को समान अवसर प्राप्त हो।

विजेताओं को मिला लैपटॉप सम्मान : कार्यक्रम में माइंड मैराथन क्विज के विजेताओं को विधायक डॉ. सिंह द्वारा लैपटॉप देकर सम्मानित किया गया जो न केवल एक पुरस्कार, बल्कि उनकी तैयारी के लिए आवश्यक संसाधन भी है।

'आपरेशन सिंदूर' के बाद

क्षेत्र की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। यह प्रणाली दुश्मन के किसी भी जवाबी हमले को रोकने के लिए तैयार थी, जिससे भारतीय लड़ाकू विमान सुरक्षित रूप से अपना ऑपरेशन पूरा कर सके। पाकिस्तान के हालिया हमलों को नाकाम करने में एस-400 ने एक बार फिर अपनी ताकत दिखाई। इस प्रणाली ने दुश्मन के ड्रोन और मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया, जिससे भारत के शहरों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। भारत और पाकिस्तान लंबे समय से एक दूसरे के विरोधी रहे हैं और कई युद्ध भी लड़ चुके हैं।

सेनाध्यक्ष ने लांस नायक दिनेश कुमार की शहादत को दी सलामी : नियंत्रण रेखा पर शहीद हुए भारतीय सेना के जवान लांस नायक दिनेश कुमार को थल सेनाध्यक्ष, सीओएएस जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने सैल्यूट किया। सेनाध्यक्ष समेत भारतीय सेना के सभी रैंक ने गुरुवार को लांस नायक दिनेश कुमार के सर्वोच्च बलिदान को सलामी दी। लांस नायक दिनेश कुमार ने बुधवार को नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना के संघर्ष विराम उल्लंघन के दौरान अपने प्राण की आहुति दी थी। वह वर्ष 2014 में तोपखाना रेजिमेंट में भर्ती हुए थे। भारतीय सेना का कहना है कि वह उन निर्दोष नागरिकों के साथ भी एकजुटता में खड़ी है, जो पुंछ सेक्टर में दुश्मन के अंधाधुंध तोपखाने की गोलाबारी के शिकार हुए हैं। दुश्मनों के नापाक मंसूबों को दृढ़ और दंडात्मक कार्रवाई से नाकाम किया गया है और किया जाता रहेगा। पाकिस्तान नियंत्रण रेखा के अलग-अलग स्थानों से गन फायरिंग और आर्टिलरी फायर कर रहा है। पुंछ में हुई गोलीबारी में लांस नायक दिनेश कुमार शहीद हुए। इसके बाद पाकिस्तान ने 7 और 8 मई की रात के दौरान भी जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा, बारामूला, उरी और अखनूर क्षेत्रों में फायरिंग की। नियंत्रण रेखा के पार से की गई गोलीबारी में जहां छोटे हथियारों का इस्तेमाल हुआ, वहीं पाकिस्तान ने आर्टिलरी फायर भी किया। पाकिस्तानी सेना की फायरिंग का भारतीय सेना ने भी उचित और त्वरित जवाब दिया है।

ईरानी विदेश मंत्री से जयशंकर ने किया ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र, बोले, 'अगर हम पर सैन्य कार्रवाई हुई, तो कड़ा जवाब देंगे' : भारत दौरे पर पहुंचे ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में विदेश मंत्री जयशंकर ने भारतीय सेना की तरफसे की गई एयर स्ट्राइक के बारे में जानकारी दी। साथ ही यह भी कहा कि एक पड़ोसी और करीबी साझेदार के रूप में यह महत्वपूर्ण है कि आपको स्थिति की अच्छी समझ हो। विदेश मंत्री जयशंकर ने द्विपक्षीय बैठक के दौरान कहा, ष्भारत की ओर से आपका स्वागत है। आज हम 20वीं भारत-ईरान संयुक्त आयोग की बैठक में सह-अध्यक्षता करेंगे। हाल के वर्षों में हमारे सहयोग में कई क्षेत्रों में प्रगति हुई है, लेकिन कुछ मुद्दों पर ध्यान देने की जरूरत है। प्रधानमंत्री मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने अक्टूबर 2024 में कजान में मुलाकात की थी और 26 अप्रैल को फोन पर बातचीत की थी। उन्होंने हमारे संबंधों को और मजबूत करने के लिए दिशा-निर्देश दिए हैं। विदेश मंत्री जयशंकर ने एयर स्ट्राइक के बारे में जानकारी देते हुए बताया, महामहिम, इस साल हमारी कूटनीतिक साझेदारी की 75वीं वर्षगांठ है, जो हमारी गहरी दोस्ती और सहयोग को दर्शाती है। मुझे विश्वास है कि हम इसे उचित रूप से मनाएंगे। आप ऐसे समय में भारत आए हैं, जब हम 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर में हुए एक क्रूर आतंकी हमले का जवाब दे रहे हैं। इसके जवाब में हमने 7 मई को सीमा पार आतंकी ढांचे पर लक्षित और संयमित कार्रवाई की। जयशंकर ने आगे कहा, हमारा इरादा तनाव बढ़ाने का नहीं है, लेकिन अगर हम पर सैन्य हमले होते हैं, तो उसका जवाब बहुत कड़ा होगा। एक पड़ोसी और करीबी साझेदार के रूप में आपके लिए स्थिति को समझना महत्वपूर्ण है। एक बार फिर दिल्ली में आपका हार्दिक स्वागत है। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची का भारत दौरा रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से है। दोनों देशों के बीच उच्च स्तरीय वार्ता ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश भारत-ईरान मैत्री संधि की 75वीं वर्षगांठ मना रहे हैं। अगस्त 2024 में पदभार ग्रहण करने के बाद से यह अराघची की भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक, भारत-ईरान मैत्री संधि पर हस्ताक्षर की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित संयुक्त आयोग की बैठक में दोनों देशों के बीच आपसी हितों के मुद्दों और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए आगे के रास्ते की समीक्षा होगी। उनका राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात का भी कार्यक्रम है।

भारत का सबसे बड़ा दुश्मन ढेर, मारा गया कंधार विमान हाईजैक का मास्टरमाइंड : भारत के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गूंज पूरी दुनिया में सुनाई दे रही है। 7 मई की आधी रात को भारतीय सेना और वायुसेना के संयुक्त ऑपरेशन ने पाकिस्तान में आतंकियों के 9 ठिकानों को पल भर में ध्वस्त कर दिया। इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान में हड़कंप मच गया है। सरकार से लेकर सेना तक हर कोई सकते में है। पाकिस्तानी नेता भले ही जवाबी कार्रवाई की धमकियां दे रहे हों लेकिन हकीकत यह है कि भारत की इस अचूक एयर स्ट्राइक ने उनके डिफेंस सिस्टम, फाइटर जेट्स, खुफिया एजेंसी और सेना सबको फेल कर दिया है। पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए किए गए ऑपरेशन सिंदूर में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है जिनमें एक ऐसा खूंखार आतंकी भी शामिल है जिसने 1999 में एक भारतीय विमान को हाईजैक करने की खतरनाक साजिश रची थी। ऑपरेशन सिंदूर की इस बड़ी कार्रवाई में कंधार विमान हाईजैक का मास्टरमाइंड भी मारा गया है। यह और कोई नहीं बल्कि जैश-ए-मोहम्मद का कुख्यात आतंकी और सुप्रीम कमांडर अब्दुल रऊफ अजहर है। इसी अब्दुल ने दिसंबर 1999 में इंडियन एयरलाइन्स की फ्लाइट आईसी-814 के अपहरण की साजिश को अंजाम दिया था। इस विमान हाईजैक के अलावा भी अब्दुल कई अन्य बड़े आतंकी हमलों में महत्वपूर्ण रूप से शामिल रहा था। अब्दुल रऊफ अजहर भारत के मोस्ट वांटेड आतंकियों की लिस्ट में शामिल था।

सुरक्षा कारणों से ब्लैकआउट आदेश जारी, गुरदासपुर में रात 9 से सुबह 5 बजे तक बंद रहेंगी लाइटें : गुरदासपुर भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए सीमावर्ती जिला गुरदासपुर में सुरक्षा के मद्देनजर ब्लैकआउट के आदेश जारी किए गए हैं। केंद्र और राज्य सरकार के निर्देशों पर सिविल डिफेंस एक्ट 1968 के तहत 8 मई से रात 9 बजे से सुबह 5 बजे तक पूर्ण ब्लैकआउट रहेगा। यह आदेश अगले निर्देश तक जारी रहेगा। केंद्रीय जेल गुरदासपुर और जिले के सभी अस्पताल इस आदेश से मुक्त रहेंगे। हालांकि, इन संस्थानों को रात के समय खिड़कियों को बंद रखने और रोशनी बाहर न निकलने देने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले बठिंडा में भी बुधवार रात को ब्लैकआउट अभ्यास किया गया था। रात 8.30 से 8.40 बजे तक पूरे शहर की लाइट्स बंद कर दी गई थीं, ताकि नागरिकों को आपात स्थिति के प्रति जागरूक किया जा सके। इस अभ्यास का मकसद नागरिकों को यह सिखाना है कि रात के समय अगर दुश्मन देश की ओर से हवाई हमला हो, तो उससे कैसे बचा जा सकता है। लोगों को सतर्क और तैयार रखने के लिए प्रशासन ने यह कदम उठाया है। पुलिस और प्रशासन की टीमें रातभर गश्त करती रहीं और यह सुनिश्चित किया गया कि कहीं कोई रोशनी न हो। वाहन चालकों को भी अपनी गाड़ियां वहीं रोकने के निर्देश दिए गए जहां वे उस समय मौजूद थे। ज्यादातर नागरिकों ने प्रशासन के आदेशों का पालन किया और अपने घरों तथा सार्वजनिक स्थलों की लाइट्स बंद रखीं। प्रशासन ने कहा है कि इस तरह के अभ्यास भविष्य में भी समय-समय पर किए जा सकते हैं।

पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द, पाकिस्तान से सटे तटीय इलाकों में बढ़ाई गई सुरक्षा : 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद गुजरात के तटीय इलाकों में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और ''अप्रत्याशित स्थिति की आशंका के कारण पुलिसकर्मियों की छुट्टियां रद्द कर दी गई हैं तथा उन्हें तुरंत ड्यूटी पर लौटने को कहा है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत मंगलवार देर रात को पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर कार्रवाई की थी। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हुई थी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक विजय शंकर शर्मा द्वारा ग्रुप 5 प्रकाशन 55-बी, वजीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित एवं डी-206-सी, विभूतिखण्ड गोमती नगर लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक- विजय शंकर शर्मा
(M.)- 9628478339, 9335322739 Ph: 0522- 4075237 Fax: 0522- 2306048 Email- charchitrajnit@gmail.com

श्वेत क्रान्ति का अगुआ रहेगा उत्तर प्रदेश

यूपी मिशन सेक्सड शॉर्टेड सीमेन से श्वेत क्रांति में अग्रणी, योगी सरकार के प्रयासों से बढ़ रहा दूध का उत्पादन

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश दुग्ध उत्पादन के मामले में देश में नंबर वन है। इसमें हर साल वृद्धि हो रही है। वर्ष 2024-2025 में यूपी का दुग्ध उत्पादन 3.97 एलएलपीडी रहा। यह पिछले साल की तुलना में करीब 10 फीसदी अधिक है। सरकार दुग्ध समितियों की संख्या बढ़ा रही है। उनकी बुनियादी सुविधाओं को भी बेहतर बना रही है। समिति के लोगों को पशुओं के बेहतर देखरेख के बाबत लगातार प्रशिक्षण भी दिया जा रहा। योगी सरकार की योजनाओं से दूध का उत्पादन और बढ़ेगा, पर कालान्तर में इसमें सबसे महत्वपूर्ण भूमिका सेक्सड शॉर्टेड सीमेन योजना की होगी। इस योजना से न केवल दूध का उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि निराश्रित गोवंश की समस्या से भी काफी हद तक किसानों को निजात मिलेगी। यही नहीं खेती के यंत्रीकरण के कारण गोवंश के जो नर संतति बछड़े अनुपयोगी होकर निराश्रित होने को मजबूर हैं उनका भी मुंहमांगा दाम मिलेगा।

सेक्सड शॉर्टेड सीमेन तकनीक से उत्पन्न बछिया चूंकि उन्नत प्रजाति की होगी, लिहाजा पशुपालक इनको छुट्टा छोड़ने की जगह सहेजकर रखेंगे। योगी सरकार इसके लिए मिशन मिलियन सेक्सड आर्टिफिशियल इंसिमिनेशन एआई कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रम चला रही है। इस मिशन के तहत मार्च 2025 तक 10 लाख स्वस्थ्य गोवंश के एआई का लक्ष्य रखा गया था। सेक्सड सॉर्टेड सीमेन आर्टिफिशियल इंसिमिनेशन एआई एक अत्याधुनिक तकनीक है। इस तकनीक के जरिये जिस गोवंश का कृत्रिम गर्भाधान किया जाता है वह गोवंश बछिया ही जनेगी, इसकी संभावना 90 फीसद या इससे अधिक होती है।सेंट्रल एनीमल ब्रीडिंग इंस्टीट्यूट के पशु चिकित्सक डा. संजीव श्रीवास्तव के अनुसार नर पशु के शुक्राणुओं का वजन उनकी सक्रियता के आधार पर अलग-अलग होता है। सक्रिय शुक्राणु कुछ भारी होते हैं। स्पर्मेटोजोआ तकनीक से वजन के अनुसार सक्रिय शुक्राणुओं को अलग-अगल कर लिया जाता है। इसके बाद जब इनको एक खास मशीन पर रखा जाता है तो सक्रिय एक्स और वाई क्रोमोजोम के शुक्राणु अलग-अलग हो जाते

● निराश्रित गोवंश की समस्या से भी काफी हद तक किसानों को निजात मिलेगी

हैं। इनको हिमीकृत वीर्य तकनीक से अलग अलग संरक्षित कर लेते हैं। इनके जरिये ही कृत्रिम गर्भाधान से इच्छानुसार संतति पैदा करना संभव है। परंपरागत तरीके या प्राकृतिक प्रजनन से पैदा होने वाले नर और मादा संतति का अनुपात 50-50 फीसद का होता है। नयी तकनीक से बछिया ही पैदा होगी, इसकी संभावना 90 फीसद से अधिक होती है। इसके प्रयोग से कुछ वर्षो में ही मादाओं की संख्या बढ़ाकर दूध का उत्पादन दोगुना करना संभव है। इस तकनीक के भविष्य में कई लाभ होंगे। इस तकनीक से एआई के लिए स्वस्थ्य पशुओं का ही चयन किया जाता है। जिस सांड के शुक्राणु से एआई की जाती है उसकी पूरी वंशावली भी पता होगी। ऐसे में पैदा होने वाली बछिया अपने माता-पिता से प्राप्त गुणों के कारण अच्छी नस्ल की होती है। इससे दो से तीन साल में दूध उत्पादन में अच्छी-खासी वृद्धि संभव है। इसी क्रम में बछड़े कम पैदा होंगे। जो पैदा होंगे उनकी भी प्रजाति बेहतर होगी। लिहाजा प्रजनन संबंधी जरूरतों के लिए उनकी पूछ और दाम दोनों बढेंगे। एक तरह से यह निराश्रित गोवंश की समस्या के स्थायी हल की ओर बड़ा कदम है।

उप्र वेटरनरी सर्विस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार शुक्ला के अनुसार स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं देश के विकास के लिहाज से डेयरी सेक्टर बेहद संभावनाओं का क्षेत्र है। भारत में करीब 8 करोड़ परिवार इस सेक्टर से जुड़े हुए हैं। यह सेक्टर सालाना करीब 8.9 फीसद की दर से बढ़ रहा है। इस सेक्टर की मौजूदा वैल्यू करीब 124.93 बिलियन डॉलर की है। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 227.53 बिलियन डॉलर की हो जाएगी। इस तरह डेयरी सेक्टर रोजगार एवं अर्थव्यवस्था के लिहाज से व्यापक संभावनाओं का क्षेत्र है। उत्तर प्रदेश पशुधन विकास परिषद गोरखपुर के जोनल अध्यक्ष रहे पशु चिकित्सक डॉ. बीके सिंह के मुताबिक उत्तर प्रदेश देश का सर्वाधिक दुग्ध उत्पादक एवं सार्वधिक आबादी वाला राज्य है। स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता एवं बेहतर होती अर्थव्यवस्था इन संभावनाओं में चार चांद लगाएगी। गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा और ब्रीडिंग के जरिये उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया में श्वेत क्रांति का अगुआ बन सकता है। ऐसे में इस सेक्टर से और ज्यादा रोजगार और प्रदेश एवं देश की अर्थव्यवस्था में और योगदान मिल सकता है।वर्ष 2024-25 में दुग्ध उत्पादन 3.97 एलएलपीडी दर्ज किया गया जो पिछले वर्ष की तुलना में 10 फीसद अधिक है। दुग्ध समितियों की सदस्यता में 8 फीसद वृद्धि हुई है और 24031 दुग्ध उत्पादकों को प्रशिक्षण मिला है। वित्तीय दृष्टि से टर्नओवर 1120.44 करोड़ तक पहुंचा गया। यह पिछले साल से 16 फीसद अधिक है।

वाराणसी, अयोध्या, बरेली, मिर्जापुर, मथुरा व बस्ती में प्रमुख दुग्ध संघों को 818.22 लाख रुपये का लाभ हुआ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निर्देश है कि दुग्ध उत्पादन बढ़ाते हुए प्राथमिक सहकारी समितियों की संख्या बढ़ाएं। इनके सदस्यों का प्रशिक्षण कराएं। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2025-26 में 4922 नई सहकारी दुग्ध समितियों के गठन तथा 21922 समितियों को प्रशिक्षण देने का लक्ष्य भी विभाग को दिया। इस क्रम में विभाग ने नंद बाबा मिशन के तहत अगले छह महीने में 2500 दुग्ध समितियों के गठन के साथ नई प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना एवं इनकी बुनियादी सुविधाओं को और बेहतर करेगा। विभागीय मंत्री, समितियों से जुड़े किसानों एवं पशुपालकों के भुगतान की व्यवस्था समय से करने का निर्देश दे चुके हैं।

देश-विदेश डायरी

पाकिस्तान का आरोपः भारत ने इजराइली ड्रोन से किया हमला, एक नागरिक की मौत व 4 सैनिक घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत के साथ बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान ने भारत पर आरोप लगाया है कि उसने इजराइली ड्रोन का इस्तेमाल कर पाकिस्तान के विभिन्न शहरों पर ड्रोन हमले किए। पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता, लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफचौधरी ने कहा कि गुरुवार को लाहौर में हुए एक ड्रोन हमले में पाकिस्तानी सेना के चार जवान घायल हो गए और मियानों में एक नागरिक की जान चली गई। चौधरी ने अपनी प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि पाकिस्तान की सेना ने लाहौर, रावलपिंडी, कराची, गुजरांवाला, चकवाल, मियानों, चोर और अन्य इलाकों में कुल 12 भारतीय ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है। हालांकि, एक ड्रोन हमले में नुकसान पहुंचाने में सफल रहा। यह ड्रोन हमला भारतीय वायु सेना की एयरस्ट्राइक के बाद हुआ है, जिसमें भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया था। पाकिस्तान ने इस हमले की तीव्र निंदा की है और अपनी सैन्य प्रतिक्रिया में कहा है कि उन्होंने भारतीय ड्रोन को गिरा दिया, लेकिन एक ड्रोन ने हमला करने में सफलता पाई। इस संबंध में पाकिस्तान सेना के प्रवक्ता ने स्थानीय मीडिया से बातचीत में कहा, हमने भारत के 12 ड्रोन गिराए हैं, लेकिन एक ड्रोन ने हमला किया, जिससे कुछ नुकसान हुआ है। इसके अलावा, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफने भी भारत के खिलाफसख्त बयान दिए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाएगा और नागरिकों पर हमला नहीं करेगा। आसिफने यह भी दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के पांच लड़ाकू विमानों को मार गिराया था, हालांकि भारत ने अब तक इस दावे की पुष्टि नहीं की है। आसिफने सीएनएन के एक साक्षात्कार में कहा कि यह दावा सोशल मीडिया पर चर्चा में है, लेकिन इसका कोई ठोस प्रमाण नहीं है। भारत और पाकिस्तान के बीच यह तनाव उस समय और बढ़ गया जब भारतीय सेना ने अपने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और पंजाब में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान ने इस कार्रवाई को गंभीर रूप से चुनौती दी और अपनी प्रतिक्रिया में नियंत्रण रेखा (एनओसी) पर भारतीय गांवों को निशाना बनाकर भारी गोलाबारी शुरू कर दी। यह घटनाएँ दोनों देशों के बीच तनाव की स्थिति को और बढ़ा रही हैं, और अंतरराष्ट्रीय समुदाय में भी इस युद्धोन्मादी माहौल को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। दोनों देशों के सैन्य ठिकानों के निशाने पर आने और नागरिकों को नुकसान होने के साथ, यह संकट और भी गहरा हो सकता है।

ब्रिटेन अमेरिका के बीच फिल्म टैरिफ को लेकर चर्चा शुरू

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के संस्कृति, मीडिया और खेल उप-मंत्री क्रिस ब्रायंट ने कहा कि सरकार ने विदेशी फिल्मों पर नियोजित अमेरिकी शुल्क के मुद्दे पर अमेरिकी प्रशासन के साथ सक्रिय चर्चा शुरू कर दी है। फिलहाल, उद्योग प्रतिनिधियों ने इन उपायों के परिणामों के बारे में निराशाजनक पूर्वानुमान व्यक्त किए हैं। सोमवार को, ब्रॉडकास्टिंग, एंटरटेनमेंट, कम्युनिकेशंस एंड थिएटर यूनियन (बेक्टू) की प्रमुख फिलिपा चाइल्ड्स ने कहा कि विदेशी फिल्मों पर अमेरिकी टैरिफब्रिटेन की फिल्म इंडस्ट्री को बहुत बड़ा झटका दे सकते हैं। उप-संस्कृति मंत्री ने संसद में कहा, मैं सदन को बता सकता हूं कि हम इस विषय पर पहले से ही अमेरिकी प्रशासन के शीर्ष के साथ सक्रिय चर्चा कर रहे हैं। हम यह स्थापित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं कि क्या प्रस्तावित किया जा सकता है, और यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे विश्व-स्तरीय रचनात्मक उद्योग सुरक्षित हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने देश में आने वाली सभी विदेशी फिल्मों पर 100 प्रतिशत टैरिफलगाने की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह कदम अमेरिका की मरती हुई फिल्म इंडस्ट्री को बचाने के लिए उठाया गया है, क्योंकि अन्य देश फिल्म निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए कई तरह के प्रोत्साहन दे रहे हैं।

अमेरिका की अपने नागरिकों के लिए नई एडवाइजरी फौरन छोड़ो पाकिस्तान, सिंगापुर ने भी जारी किया अलर्ट

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत द्वारा ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी ठिकानों पर हवाई हमले के बाद, अमेरिका ने अपने नागरिकों को लाहौर और अन्य संघर्षग्रस्त क्षेत्रों से तुरंत बाहर निकलने की सलाह दी है। अमेरिकी विदेश विभाग ने गुरुवार को यह चेतावनी जारी की, जिसमें अमेरिकी नागरिकों को सक्रिय संघर्ष क्षेत्रों से सुरक्षित रूप से निकलने या वहीं सुरक्षित स्थान पर रहने की सलाह दी गई है।अमेरिकी दूतावास ने लाहौर में ड्रोन हमलों और हवाई क्षेत्र में घुसपैठ की रिपोर्टों के बाद अपने कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर रहने का निर्देश दिया है। उधर, सिंगापुर ने भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच अपने नागरिकों को भारत में जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान की सभी गैर-जरूरी यात्राएं टालने की सलाह दी है। सिंगापुर के विदेश मंत्रालय (एमएफए) ने बुधवार को यात्रियों से विशेष रूप से पाकिस्तान और भारत के सीमावर्ती क्षेत्रों की यात्रा के प्रति सावधानी बरतने की अपील की। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, भारत और पाकिस्तान में रहने वाले सिंगापुरवासियों को सतर्क रहने और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक एहतियात बरतने की सलाह दी जाती है। वे बड़ी सभाओं में जाने से बचें, स्थानीय समाचारों पर बारीकी से नजर रखें, स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और विदेश मंत्रालय में ई-पंजीकरण करवाएं।

विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा देश : धर्मपाल

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री संगठन धर्मपाल सिंह ने गोरखपुर क्षेत्रीय कार्यालय पर क्षेत्र के नवनियुक्त मंडल अध्यक्षों की संगठनात्मक बैठक को सम्बोधित किया। गोरखपुर क्षेत्र के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी तथा मंडल चुनाव प्रवासियों की बैठक में भी संवाद किया। धर्मपाल सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण ईकाई है और चुनाव से लेकर संगठनात्मक गतिविधियों का मुख्य आधार है। भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम, अनुशासन एवं समर्पण से आज भाजपा विश्व का सबसे बड़ा राजनैतिक दल है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में बदलते भारत की सामरिक शक्ति आज पूरा विश्व देख रहा है और आर्थिक रूप से मजबूत होता भारत विश्व को दिशा देने के लिए तैयार है। धर्मपाल सिंह ने कहा कि मंडल अध्यक्षों का दायित्व है कि वह संगठनात्मक कार्यो की दृष्टि से आदर्श मंडल का गठन करें। मंडल गठन में 61 सदस्यों की कार्यसमिति का गठन किया जाएगा जिसमें मंडल के 15 पदाधिकारी होगें, जबकि बाकी मंडल कार्यसमिति के सदस्य होगें। सबका साथ, सबका विकास के संकल्प के साथ मंडल कार्यसमिति गठन में अनुसूचित जाति, पिछड़ा वर्ग व महिला समेत सभी वर्गो का प्रतिनिधित्व होना चाहिए। सामाजिक समीकरणों के साथ प्रत्येक शक्तिकेन्द्र से मंडल कार्यसमिति में प्रतिनिधित्व दिया जाए। प्रत्येक माह मंडल कार्यसमिति की बैठक हो तथा मंडल अध्यक्ष अपने प्रवास तथा कार्यो की डायरी मेंटेन करने की आदत बनाए।

संगठन के अभियानों एवं कार्यक्रमों को प्रभावी रूप से संचालित करें। बूथ स्तर पर कार्ययोजना तैयार करके सतत संपर्क व सतत संवाद के माध्यम से विपक्ष द्वारा लगातार फैलाए जा रहे झूठ और भ्रम का पर्दाफाश करने का काम करना है। मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विश्व की तीसरी आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। देश की सामरिक शक्ति पूरा विश्व देख रहा है। प्रत्येक नागरिक की आत्मनिर्भरता के साथ विकसित भारत के संकल्प से देशवासियों को जोड़ने का काम करना है। विकसित भारत के साथ भारत के विश्वगुरू बनने और अपने पुरातन गौरव को पुनः प्राप्त करने तक हम सभी को परिश्रम और समर्पण भाव से काम करना है। हमारा ध्येय वैभवशाली राष्ट्र निर्माण का है। भाजपा की केन्द्र व प्रदेश की सरकारों की सभी योजनाएं गरीब, वंचित, शोषित, पीड़ित वर्ग के आर्थिक व सामाजिक उत्थान के लिए समर्पित है। किसी योजना में न भेदभाव है और ना पक्षपात है। बाबा साहेब के सपनों के भारत और बाबा साहेब के संविधान के अनुरूप सामाजिक न्याय की व्यवस्था के लिए भाजपा की सरकार जरूरी है। भाजपा सरकार के लिए प्रभावी मंडल, मजबूत शक्ति केन्द्र और अभेद्य बूथ व्यूह रचना जरूरी है। आप सभी को मंडल कार्यसमितियों के गठन के लिए निष्ठावान कार्यकर्ताओं का चयन करना है।

नगर आयुक्त ने लिया जायजा सफाई को लेकर दिए सख्त निर्देश

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम द्वारा शहर की सफाई, नाला सफाई, जल निकासी व्यवस्था और बुनियादी सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा के लिए नगर आयुक्त गौरव कुमार ने गुरुवार को जोन-1 और जोन-7 के विभिन्न क्षेत्रों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय समस्याओं का मौके पर जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था में लापरवाही, जलभराव और अव्यवस्थाएं सामने आई, जिस पर नगर आयुक्त ने कड़ी नाराजगी जताई और समयबद्ध सुधार के निर्देश जारी किए। निरीक्षण के दौरान अपर नगर आयुक्त ललित कुमार, मुख्य अभियंता (सिविल), मुख्य अभियंता (विद्युत यांत्रिक) सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने सबसे पहले राजभवन के बगल स्थित नाले की सफाई व्यवस्था की समीक्षा की। यहां पोकलैंड मशीन से सफाई कार्य चल रहा था।

उन्होंने निर्देश दिया कि सफाई कार्य को गुणवत्ता के साथ शीघ्र पूरा किया जाए व नाले के किनारे की झाड़ियों को भी साफकराया जाए। कैसरबाग क्षेत्र में निर्माणाधीन बहुमंजिला पार्किंग स्थल का निरीक्षण करते हुए नगर आयुक्त ने कार्य में तेजी लाने और पार्किंग को चालू करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माणाधीन दुकानों को भी शीघ्र पूरा करने की बात कही। इस दौरान उन्होंने कैसरबाग स्थित रैन बसेरे का भी निरीक्षण किया, जहां व्यवस्था ठीक पाई

● गंदगी मिलने पर कारण बताओ नोटिस जारी

गई। कैसरबाग बस अड्डे के पास और पुराने हाई कोर्ट परिसर के पास स्थित नालों में गंदगी पाए जाने पर उन्होंने मशीनों से सफाई कराए जाने के निर्देश दिए। पुराने हाई कोर्ट परिसर में जमा कूड़े को तत्काल हटवाने के भी आदेश दिए गए। वहीं निबंधन व आबकारी विभाग के सामने जाम नालियों के कारण जलभराव की स्थिति देख नगर आयुक्त ने तत्काल सफाई और ब्लॉकेज हटाने के निर्देश दिए। सफाई कर्मचारियों की उपस्थिति, कार्यक्षेत्र और पहचान से जुड़ी जानकारी को भी स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड करने के निर्देश दिए गए। बलरामपुर अस्पताल ब्लड बैंक के सामने बनी नालियों और केजीएमयू लिम्ब सेंटर के पास नाले की चल रही सफाई व्यवस्था की समीक्षा के दौरान उन्होंने तलीझाड़ सफाई, अतिक्रमण हटाने और श्रमिकों को सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने का आदेश दिया। जोन-7 के अंतर्गत सुरेन्द्र नगर स्थित नगर निगम डिग्री कॉलेज, प्रीतिनगर, अजय नगर, चर्च रोड, कल्पना कॉलोनी, विमल नगर और सनातन नगर क्षेत्रों में कूड़ा व मलवा जमा पाया गया। इस पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। वहीं सनातन नगर में चल रही नाला सफाई के दौरान निकाली गई सिल्ट को तत्काल हटवाने की बात भी कही गई।नगर निगम डिग्री कॉलेज की सफाई व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। कॉलेज प्रशासन द्वारा ऑडिटोरियम, ओपन जिम व प्रशासनिक कार्यालय निर्माण का अनुरोध किया गया, जिसे नगर आयुक्त ने संज्ञान में लिया। गाजीपुर थाने के सामने नाले की सफाई कार्य की धीमी गति पर नगर आयुक्त ने नाराजगी जताई और मैनुअल के साथ-साथ मशीनों से भी त्वरित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को साफ शब्दों में चेताया कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कार्यों को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूरा किया जाए।

पार्षद ने मार्ग प्रकाश की कार्ययोजना के लिए पत्र लिखा : मुकेश सिंह चौहान पार्षद, इस्माइलगंज प्रथम वार्ड ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर मार्ग प्रकाश का काम देख रही कम्पनी का अनुबंध खत्म होने का हवाला देते हुए अब तक कार्ययोजना तैयार न किए जाने पर चिन्ता जताई है। उन्होंने लिखा है कि कम्पनी का अनुबंध 31 मई 2025 तक है। ऐसे में इतनी जल्द मार्ग प्रकाश व्यवस्था कैसे संचालित होगा जबकि अब तक इस सम्बंध में कोई कार्ययोजना नहीं बनाई गई।

कार्यकर्ताओं से मिले भूपेन्द्र चौधरी, संगठन को बताया पार्टी की ताकत

बस्ती, चर्चित संवाद। जनपद में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह बस्ती के कुदरहा विकास खंड स्थित छरदही गांव पहुंचे। वे प्रदेश महामंत्री सुभाष यदुवंश के स्वर्गीय चाचा के ब्रह्मभोज में शामिल हुए। कार्यक्रम ब्लॉक प्रमुख अनिल दुबे के आवास पर आयोजित किया गया। भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र ने छावनी में उनका स्वागत किया। छरदही में प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने संगठन की गतिविधियों की जानकारी ली। सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि पार्टी की सबसे बड़ी ताकत उसकी जमीनी टीम है, आगामी चुनाव को लेकर रणनीति भी तय की, प्रदेश अध्यक्ष ने अमृत कुमार वर्मा से स्थानीय अभियान और कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने कार्यकर्ताओं की निष्ठा को संगठन की सबसे बड़ी पूंजी बताया। बस्ती जिले की संगठनात्मक स्थिति पर चर्चा की। कार्यकर्ताओं के परिवारों का हाल जाना और संगठन में एकजुटता बनाए रखने का संदेश दिया। कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ल, भाजपा नेत्री प्रज्ञा मिश्र और अवध क्षेत्र के अध्यक्ष कमलेश मिश्र मौजूद रहे। पूर्व विधायक रवि सोनकर, राकेश श्रीवास्तव, भानु प्रकाश मिश्र समेत कई वरिष्ठ पदाधिकारी भी उपस्थित थे। सभी ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और समर्पण दोहराया।

शाही पहुंचे नई दिल्ली, राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन में की भागीदारी

चर्चित राजनीति। संवाददाता

लखनऊ। भारत रत्न सी सुब्रमण्यम सभागार एनएएससी कॉम्पलेक्स पूसा नई दिल्ली में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन 2025 के शुभारम्भ कार्यक्रम में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने भागीदारी की। उन्होंने कृषकों के हित में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं एवं कार्यक्रमों का विवरण प्रस्तुत करते हुए श्री शाही द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश ने वर्तमान सरकार के कार्यकाल में उल्लेखनीय प्रगति किया है।

साल 2026-17 में खाद्यान्न उत्पादन 557.46 मै0टन के सापेक्ष वर्ष 2024-25 में 725.12 मै.टन का रिकार्ड उत्पादन हुआ है, इसी प्रकार दलहन उत्पादन 23.95 मै0टन के सापेक्ष 35.18 मै. टन, तिलहन उत्पादन 12.04 मै. टन के सापेक्ष 29.20 मै. टन का उत्पादन प्रदेश में हुआ है। गत वर्ष के सापेक्ष 30 लाख मै.टन की वृद्धि करते हुए खरीफ 2025 का लक्ष्य 293.36 लाख मै. टन निर्धारित किया गया है। सम्पूर्ण देश में उत्तर प्रदेश ने गेहूँ, चावल, आम, आलू, सब्जियॉ एवं दूध के उत्पादन में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। बाजरा एवं मसूर में द्वितीय स्थान, सरसों उत्पादन में तृतीय स्थान तथा दलहन उत्पादन में चतुर्थ स्थान उत्तर प्रदेश द्वारा प्राप्त किया गया है। भूमि की उर्वरा शक्ति स्थिर या कम हो रही है इसी के दृष्टिगत मंत्री द्वारा मक्का, बाजरा, ज्वार, उर्द, मूंग, अरहर तथा मोटा अनाज के क्षेत्रफल का विस्तार कर आच्छादन को बढ़ाने, खरीफखाद्यान्न की उत्पादकता 12.30 है. से बढ़ाकर 13.55 है. करने पर बल दिया गया। गुणवत्तापूर्ण बीज की ससमय आपूर्ति एग्रोक्लाइमेटिक जोन के अनुसार बीज, खाद एवं पानी की समय से उपलब्धता, बीज शोधन, लाईन सोइंग, डीएसआर, फसल चक्र को अपनाने के साथ ही खेतों का

● जल भराव से धान की फसल की क्षति को मिले आपदा अन्तर्गत कवर : सूर्यप्रताप शाही

विविधीकरण, गन्ना में इन्टर क्रापिंग पर बल प्रदान किया गया। दलहन एवं तिलहन में देश को आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प में सहयोग प्रदान करने की दिशा में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा दलहन एवं तिलहन उत्पादन के लिए विशेष प्रयास किया जा रहा है। इसके लिए 2017-18 से अब तक 463600 से अधिक मिनीकिट निःशुल्क किसानों में वितरित किया गया। पीओएस मशीन के द्वारा अनुदान पर गुणवत्तापूर्ण बीजों की व्यवस्था की जा रही है। वर्तमान में प्रदेश में यूरिया 14.55 मैटन, डीएपी 2.58 मै0टन, एनपीके 2.65 मैटन, एसएसपी 2.87 मै0टन उपलब्ध है। किसानों को उन्होंने आहवान किया कि वे उर्वरकों का संतुलित मात्रा में उपयोग करें। कृषि रक्षा रसायन पर्याप्त मात्रा में प्रदेश में उपलब्ध है।

उन्होंने बायोपेस्टीसाइड्स एवं बायो एजेन्ट्स का उपयोग करने तथा जीवांश कार्बन की मात्रा बढ़ाने पर बल दिया। श्री शाही द्वारा अवगत कराया गया कि प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत 2 करोड़ 86 लाख किसानों को 85 हजार करोड़ रूपये का वितरण किया जा चुका है। पर्यावरण संरक्षण एवं गैर परम्परागत ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत 45 हजार सोलर पम्प अनुदान पर लगाए जाने का लक्ष्य 2025-26 में है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अन्तर्गत 72 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं एवं 5500 करोड़ रुपये का बीमा भुगतान किसान भाईयों को किया गया है। ई-लाटरी के माध्यम से 2 लाख 36 हजार कृषि यंत्र, 6 हजार फार्म मशीनरी बैंक एवं 8 हजार कस्टम हायरिंग सेन्टर अनुदान पर कृषकों को उपलब्ध कराया गया। डिजिटल क्राप सर्वे एवं किसान रजिस्ट्री के निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ति की गई है। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने केन्द्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार से किसानों के हित में कई अनुरोध किये। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना जल भराव से धान की फसल की क्षति को स्थानिक आपदा के अन्तर्गत कवर किया जाए। व्यक्तिगत क्षति की सूचना 72 घण्टे की जगह 120 घण्टे किया जाए। फसल कटाई के अधिकतम 2 माह के भीतर क्षतिपूर्ति का भुगतान हो जाए इसके लिए पोर्टल में आवश्यक व्यवस्था की जाए।

राष्ट्रीय कृषि विकास अम्ब्रेला योजना के अन्तर्गत आवंटित धनराशि का 75 प्रतिशत व्यय होने पर ही दूसरी किस्त आवंटित होती है।